ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

Recognised as Category 1 University By UGC, MHRD

QS ASIAN UNIVERSITY RANKINGS ASIA 2025 : SOUTHERN ASIA

41वाँ दीक्षान्त समारोह

ग्रामोदय से राष्ट्रोदय

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में सात वर्षों की विकास यात्रा

(2019–2026)

प्रेरणा स्रोत
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
मा० कुलाधिपति एवं
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

संरक्षक
प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति, छत्रपति शाहू जी
महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

07
सात वर्षों की विकास यात्रा
2019–2026

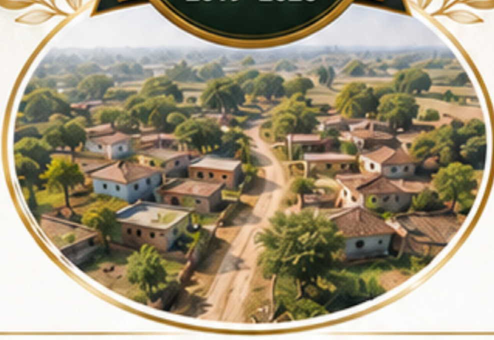

“ 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय – यही हमारा मार्ग, यही हमारा संकल्प ”

शिक्षा | स्वास्थ्य | सशक्तिकरण | विकास | स्वच्छता

कुलाधिपति/माननीय राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय में पाँच गांवों की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर के निःशुल्क टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

दिनांक 28/09/2024

निःशुल्क टीकाकरण

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

कुलाधिपति/माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (CSJMU)

1966 में स्थापित छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (CSJMU), कानपुर, उत्तर प्रदेश की एक प्रमुख स्टेट यूनिवर्सिटी है जिसे यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) से मान्यता प्राप्त है। फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर देहात, कानपुर नगर और उन्नाव जैसे जिलों के लिए एक एफिलिएटिंग यूनिवर्सिटी के तौर पर काम करते हुए, यह उच्च शिक्षा और क्षेत्रीय विकास में अहम भूमिका निभाती है। 600 से ज़्यादा एफिलिएटेड कॉलेजों के साथ, CSJMU ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों तक फैला एक मज़बूत एकेडमिक इकोसिस्टम विकसित किया है, जिससे सबकी भागीदारी और ज़मीनी स्तर तक पहुँच सुनिश्चित होती है।

यूनिवर्सिटी एग्रीकल्चर, साइंस, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, कॉमर्स और लाइफ साइंसेज जैसे विषयों में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट और डॉक्टोरल प्रोग्राम ऑफ़र करती है। इसने एग्रीकल्चरल साइंसेज, टेक्नोलॉजी और स्किल डेवलपमेंट पर केंद्रित खास स्कूल और विभाग भी स्थापित किए हैं, जो क्षेत्रीय मानव संसाधन विकास में योगदान देते हैं।

स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी राष्ट्रीय पहलों के अनुरूप, CSJMU स्किल डेवलपमेंट, इनोवेशन और कम्युनिटी एंगेजमेंट को सक्रिय रूप से बढ़ावा देती है। इसका व्यापक कॉलेज नेटवर्क ट्रेनिंग, आउटरीच और प्रोग्राम डिलीवरी के लिए एक डिसेंट्रलाइज़्ड प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर काम करता है, जिससे बड़े पैमाने पर किफायती तरीके से इन्हें लागू करना संभव होता है। मज़बूत संस्थागत क्षमता और क्षेत्रीय पहुँच के साथ, CSJMU राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत असरदार पहल लागू करने के लिए अच्छी स्थिति में है, जिससे कृषि कौशल, आजीविका और समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलता है।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर - 208024
(पूर्ववर्ती कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर)
यू.जी.सी. श्रेणी - I विश्वविद्यालय
Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur - 208024
(Formerly Kanpur University, Kanpur)
U.G.C. Category - I University

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति
Prof. Vinay Kumar Pathak
Vice Chancellor

03 जुलाई, 2026

शुभ सन्देश

मुझे अत्यंत हर्ष एवं गर्व का अनुभव हो रहा है कि विश्वविद्यालय के 41वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर **"ग्रामोदय से राष्ट्रोदय" छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में सात वर्षों की विकास यात्रा"** शीर्षक पर एक पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसका विमोचन उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालयों की माननीया कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी द्वारा किया जायेगा।

यह पुस्तक ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनसेवा की भावना का सजीव अभिलेख है, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में विगत सात वर्षों के दौरान शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, स्मार्ट क्लास की स्थापना, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, आंगनबाड़ी सुदृढ़ीकरण, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास, अनुसंधान तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से अनेक प्रभावी एवं नवाचारपूर्ण प्रयासों का उल्लेख किया गया है। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल सुविधाएँ उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि ग्राम समुदाय को आत्मनिर्भर, जागरूक, शिक्षित एवं सशक्त बनाना रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, नीति–निर्माताओं, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ सिद्ध होगी।

इस उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए मैं संपादक मंडल, शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा गोद लिए गए ग्रामों के सम्मानित ग्रामवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी ज्ञान, अनुसंधान, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की इस विकास यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।

(प्रो0 विनय कुमार पाठक)
कुलपति

कार्यालय/Office : +91-512-2585280 वेबसाइट/Website : www.csjmu.ac.in ई मेल/E-mail : vc@csjmu.ac.in vcocsjmu@gmail.com

E-mail: registrar@csjmu.ac.in
registrarcsjmuknp@gmail.com

☎🖷: 0512-2246609
☎🖷: 0512-2582251

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा **A++** ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा श्रेणी-I विश्वविद्यालय
(पूर्ववर्ती कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर)
(Formerly Known as Kanpur University Kanpur-208024)

Ref. No.: CSJMU/R.Camp/585/2026 **Date:** 02.06.26

कार्यालय–ज्ञाप

एतद्द्वारा आदेशानुसार अवगत कराना है कि राज्यपाल सचिवालय के पत्र संख्या–ई–3450/32–जी0एस0/2023–XIX दिनांक 30 मई 2026 बिन्दु संख्या 3 (iv) के क्रम में विश्वविद्यालय के 41वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर "विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँवों में गत 07 वर्षों में क्या–क्या कार्य किये गये हैं, जैसे– कम्प्यूटर, स्मार्ट क्लास, रिसर्च, महिला सशक्तीकरण, हेल्थ–हाइजिन, आंगनवाड़ी, शैक्षणिक गतिविधियाँ आदि से सम्बन्धित कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट पुस्तक के रूप में फोटोग्राफ के साथ तैयार करने के संबंध में निम्नविवरणानुसार समिति का गठन मा0 कुलपति महोदय द्वारा किया गया है–

1. प्रो0 संदीप कुमार सिंह, निदेशक, आई.क्यू.ए.सी., सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
2. डॉ0 रश्मि गोरे, सह आचार्य, स्कूल आफ टीचर एजूकेशन, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
3. डा0 प्रवीन कटियार, एसोसिएट निदेशक, आई.क्यू.ए.सी., सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
4. डॉ0 अमित कुमार, सह आचार्य, स्कूल आफ आर्ट्स, ह्यूमेनिटीज एण्ड सोशल साइंसेस, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
5. डॉ0 श्याम मिश्रा, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
6. डॉ0 प्रशांत मिश्रा, सहायक आचार्य, डिपार्टमेंट आफ लाइफ लांग लर्निंग एंड एक्सटेंशन, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
7. डॉ0 मानस उपाध्याय, सहायक आचार्य, डिपार्टमेंट आफ लाइफ लांग लर्निंग एंड एक्सटेंशन सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
8. डॉ0 अजय कुमार यादव, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
9. डॉ0 ममता तिवारी, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
10. डॉ0 रंजना गौतम, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
11. डॉ0 राहुल तिवारी, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
12. श्री प्रकाश नारायण पांडेय, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।
13. डॉ0 द्रोपती यादव, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सी.एस.जे.एम.वि.वि.।

उक्त समिति दिनांक 20 जून 2026 तक विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँवों में गत 07 वर्षों में किये गये कार्यों से संबंधित रिपोर्ट फोटोग्राफ के साथ प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेगी। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार पुस्तक का प्रकाशन किया जायेगा।

(राकेश कुमार मिश्र)
कुलसचिव

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. निजी सचिव, कुलपति। मा0 कुलपति जी के अवलोकनार्थ।
2. वैयक्तिक सहायक, प्रति कुलपति।
3. वैयक्तिक सहायक, कुलसचिव।
4. समिति के सदस्यगण।

कुलसचिव

अनुक्रमणिका

भूमिका एवं उद्देश्य	पृष्ठ संख्या
अध्याय 1: डिजिटल शिक्षा एवं स्मार्ट क्लास	1 ------ 4
अध्याय 2: गांव पर आधारित रिसर्च	5 ------ 11
अध्याय 3: महिला सशक्तिकरण	12 ------20
अध्याय 4: स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण	21 ------ 56
अध्याय 5: आंगनबाड़ी सशक्तिकरण	57 ------- 104
अध्याय 6: शैक्षणिक गतिविधिया एवं अन्य जागरूकता	105 ----- 110

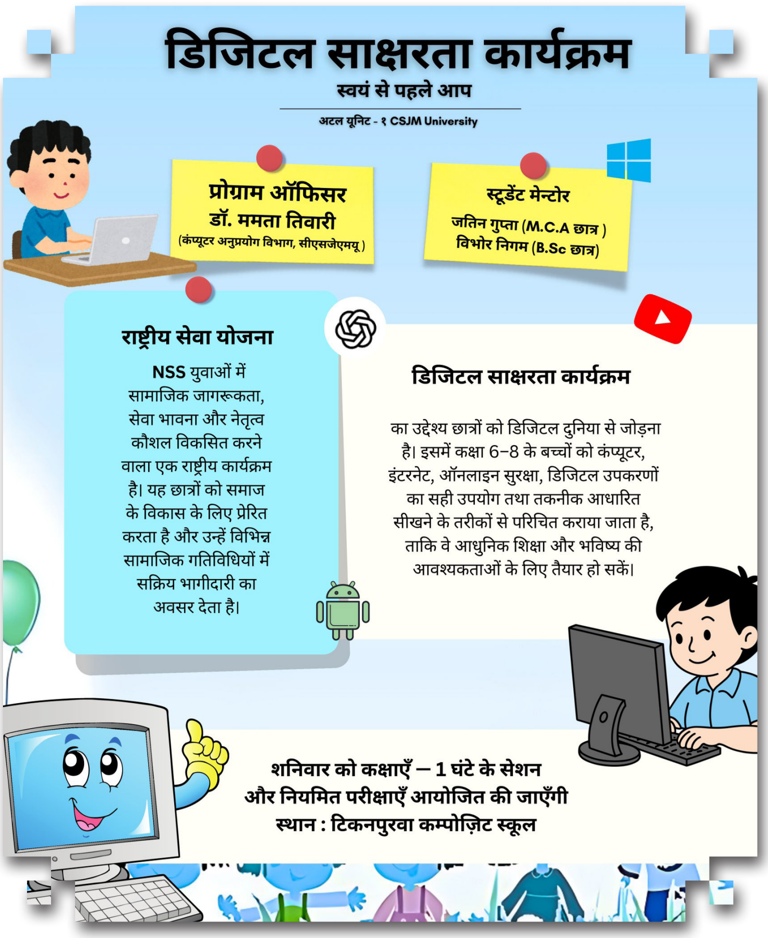

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव का उद्देश्य एवं भूमिका

ग्रामीण भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। जब किसी गांव के समग्र विकास की बात होती है, तो इसके लिए केवल योजनाएं और संसाधन ही नहीं, बल्कि निरंतर सेवा, समर्पण तथा सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता होती है। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए इस गांव में पिछले सात वर्षों के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अनुसंधान और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से उल्लेखनीय परिवर्तन की दिशा में कार्य किया गया है।

विश्वविद्यालय के संरक्षण और मार्गदर्शन में यह गांव एक आदर्श विकास मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है। कृषि आधारित आजीविका वाले इस गांव में प्रारंभिक वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता से जुड़ी अनेक चुनौतियाँ थीं, किंतु विश्वविद्यालय के योजनाबद्ध प्रयासों ने इन परिस्थितियों में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया।

शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु कंप्यूटर शिक्षा एवं स्मार्ट क्लास की स्थापना एक महत्वपूर्ण पहल रही। विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, डिजिटल संसाधनों और नवीन शिक्षण विधियों से जोड़कर उनके ज्ञान एवं कौशल का विकास किया गया। स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी, रोचक और सहभागितापूर्ण बनी, जिससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार देखने को मिला।

अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामाजिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर विभिन्न अध्ययन एवं शोध कार्य किए गए, जिनके माध्यम से स्थानीय समस्याओं के समाधान खोजने का प्रयास किया गया।

महिला सशक्तिकरण इस विकास यात्रा का प्रमुख आधार रहा है। महिलाओं के लिए कौशल विकास, डिजिटल साक्षरता, स्वरोजगार और जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। सिलाई, हस्तशिल्प एवं अन्य प्रशिक्षण गतिविधियों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया। साथ ही उन्हें सामाजिक एवं सामुदायिक निर्णय प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया।

स्वास्थ्य, हाइजीन और स्वच्छता के क्षेत्र में नियमित स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान तथा स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रयासों से ग्रामीणों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ी और स्वच्छ जीवनशैली अपनाने की प्रवृत्ति विकसित हुई। विशेष रूप से महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य पर केंद्रित गतिविधियों ने बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने में योगदान दिया।

आंगनबाड़ी केंद्रों के सहयोग से बाल पोषण, प्रारंभिक शिक्षा तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और सहयोगात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के समग्र विकास एवं माताओं के स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान को सुदृढ़ किया गया।

इन सात वर्षों के प्रयासों के परिणामस्वरूप गांव में सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं। शिक्षा का स्तर बढ़ा है, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है, महिलाएं अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनी हैं तथा सामुदायिक विकास की भावना मजबूत हुई है। यद्यपि संसाधनों की सीमाएं, जागरूकता का अभाव और प्रारंभिक प्रतिरोध जैसी चुनौतियाँ सामने आईं, फिर भी सतत प्रयासों और विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन से इनका सफलतापूर्वक समाधान किया गया।

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए इस गांव की सात वर्षों की यह सेवा-यात्रा केवल उपलब्धियों का विवरण नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक विकास का प्रेरक उदाहरण है। यह सिद्ध करती है कि शैक्षणिक संस्थान यदि समाज के साथ मिलकर कार्य करें, तो वे ज्ञान के प्रसार के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन और सतत विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भविष्य में इन प्रयासों को और व्यापक बनाकर ग्राम विकास की नई संभावनाओं को साकार करना ही इस यात्रा का अगला लक्ष्य है।

विगत 7 वर्षों में ग्राम विकास की स्वर्णिम यात्रा

अध्याय - 1

डिजिटल शिक्षा एवं स्मार्ट

विश्वविद्यालय की माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा तथा माननीय कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु निरंतर नवाचारी पहल कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभावी समावेश को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी दृष्टि को साकार करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा चयनित विद्यालयों—कंपोजिट विद्यालय मंधना-II एवं प्राथमिक विद्यालय मसवानपुर बालक—में आधुनिक स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनल स्थापित किए गए हैं। यह पहल केवल तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यालयी शिक्षा को अधिक प्रभावी, संवादात्मक, समावेशी एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

आज के डिजिटल युग में शिक्षा केवल पुस्तकों और पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों तक सीमित नहीं रह गई है। आधुनिक तकनीक ने ज्ञान के अर्जन, प्रस्तुतीकरण एवं अधिगम की प्रकृति को व्यापक रूप से परिवर्तित किया है। इसी परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने विद्यालयों में स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनलों की स्थापना कर विद्यार्थियों को तकनीक-सक्षम शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया है। इन उपकरणों के माध्यम से शिक्षक ऑडियो-वीडियो सामग्री, एनिमेशन, डिजिटल प्रस्तुतियों, ई-कंटेंट, वर्चुअल गतिविधियों तथा इंटरैक्टिव शिक्षण संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए विषय-वस्तु को अधिक सरल, रोचक एवं अनुभवात्मक ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं। इससे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अधिक जीवंत, सहभागितापूर्ण एवं विद्यार्थी-केंद्रित बन रही है।

स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनलों के उपयोग से विद्यार्थियों में विषयों के प्रति रुचि एवं सीखने की जिज्ञासा में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के कारण जटिल विषयों को समझना सरल हो रहा है तथा विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। इसके साथ ही उनकी डिजिटल दक्षता, रचनात्मकता, तार्किक चिंतन, संप्रेषण कौशल, समस्या-समाधान क्षमता तथा आत्मविश्वास का भी विकास हो रहा है। यह पहल विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतिस्पर्धात्मक एवं प्रौद्योगिकी-आधारित दुनिया के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विश्वविद्यालय का यह प्रयास विशेष रूप से ग्रामीण एवं वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण संसाधनों तक समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है और तकनीकी संसाधनों तक समान पहुँच शिक्षा में समावेशन का महत्वपूर्ण आधार है। स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनलों की स्थापना के माध्यम से विश्वविद्यालय ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि आर्थिक अथवा भौगोलिक परिस्थितियाँ किसी भी विद्यार्थी की सीखने की क्षमता में बाधा न बनें। यह पहल शिक्षा के माध्यम से सामाजिक समानता एवं अवसरों की उपलब्धता को भी सुदृढ़ करती है।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर सदैव इस विश्वास के साथ कार्य करता रहा है कि विश्वविद्यालय केवल उच्च शिक्षा प्रदान करने का संस्थान नहीं, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास का एक उत्तरदायी केंद्र भी है। इसी सोच के अनुरूप विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से विद्यालयी शिक्षा को सुदृढ़ बनाने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्यरत है। चयनित विद्यालयों में स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनलों की स्थापना विश्वविद्यालय की इसी सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

विश्वविद्यालय का दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रभावी समावेश विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, नवाचार एवं मानवीय मूल्यों से समृद्ध करते हुए उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाता है। इसी विश्वास के साथ छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, नवाचार-आधारित एवं प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा समाज और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु ऐसी जनहितकारी एवं प्रेरणादायी पहलों को भविष्य में भी आगे बढ़ाता रहेगा।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं तकनीकी उन्नयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपोजिट विद्यालय मंधना-II तथा प्राथमिक विद्यालय मसवानपुर बालक में अत्याधुनिक स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनल स्थापित किए गए हैं। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप डिजिटल एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन स्मार्ट पैनलों के माध्यम से पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए विद्यार्थियों के लिए अधिक प्रभावी, आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक शिक्षण वातावरण तैयार किया गया है।

इन आधुनिक शिक्षण उपकरणों की सहायता से शिक्षक ऑडियो-वीडियो सामग्री, एनिमेशन, डिजिटल प्रस्तुतियाँ, शैक्षिक अनुप्रयोगों तथा ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करते हुए विषय-वस्तु को सरल, रोचक एवं व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे विद्यार्थियों की कक्षा में सहभागिता बढ़ती है, जटिल विषयों को समझना आसान होता है तथा उनकी जिज्ञासा एवं रचनात्मक सोच को प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही, इंटरैक्टिव शिक्षण पद्धति विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने की प्रक्रिया में सम्मिलित करती है, जिससे उनका आत्मविश्वास एवं सीखने के प्रति रुचि विकसित होती है।

डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम

दिनांक: 3 नवम्बर 2025

आज डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के दूसरे दिन एन.एस.एस. टीम द्वारा टीकनपुरवा कॉम्पोजिट स्कूल, बिठूर (मंधन) में विद्यार्थियों के लिए एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रणाली से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।
कार्यक्रम के दौरान कंप्यूटर के हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर उपकरणों के बारे में सरल और सहज भाषा में समझाया गया, जिससे विद्यार्थी आसानी से विषय को समझ सकें। विशेष रूप से CPU (Central Processing Unit) के प्रमुख भागों जैसे ALU (Arithmetic Logic Unit), CU (Control Unit) तथा MU (Memory Unit) के कार्यों और उनके महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि ये सभी इकाइयाँ मिलकर कंप्यूटर को कैसे कार्यशील बनाती हैं।
एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि कंप्यूटर के अंदर डाटा किस प्रकार संसाधित होता है और उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए निर्देशों को कंप्यूटर कैसे निष्पादित करता है। सभी विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह एवं जिज्ञासा के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और कंप्यूटर की कार्यप्रणाली को समझने में विशेष रुचि दिखाई।
इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी समझ विकसित करना, उन्हें डिजिटल शिक्षा के महत्व से अवगत कराना तथा आधुनिक तकनीक के प्रति उनकी रुचि को बढ़ाना था। यह उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ और कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम

दिनांक: 15 दिसम्बर 2025
स्थान: टीकनपुरवा कॉम्पोजिट स्कूल, बिठूर (मंधन)

एनएसएस "Atal Unit 1" द्वारा टीकनपुरवा कॉम्पोजिट स्कूल में संचालित डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आज विद्यार्थियों को प्रथम यूनिट टेस्ट का परिणाम घोषित किया गया। विद्यार्थियों ने परीक्षा में अत्यंत सराहनीय प्रदर्शन किया और कंप्यूटर बेसिक्स, हार्डवेयर–सॉफ्टवेयर, इनपुट–आउटपुट डिवाइस तथा डिजिटल उपयोग जैसे विषयों की अच्छी समझ प्रदर्शित की। चूँकि विद्यालय में अब शीतकालीन अवकाश प्रारंभ हो चुका है, इस अवसर पर विद्यार्थियों को कंप्यूटर विषय पर आधारित 100 प्रश्नों की एक अध्ययन पुस्तिका (Booklet) वितरित की गई, जिससे वे अवकाश के दौरान भी अध्ययन जारी रख सकें और अपनी डिजिटल समझ को और मजबूत बना सकें।
शीतकालीन अवकाश के उपरांत जनवरी माह में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम का नया सत्र पुनः आरंभ किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सीखने की निरंतरता बनाए रखना एवं उन्हें डिजिटल शिक्षा के प्रति प्रेरित करना रहा, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनलों की स्थापना से विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही डिजिटल तकनीकों के उपयोग का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिससे उनकी डिजिटल साक्षरता, तकनीकी दक्षता तथा 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों का विकास सुनिश्चित हो रहा है। यह पहल न केवल शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायक है, बल्कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों के बीच डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता के अंतर को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास विद्यार्थियों को आधुनिक, समावेशी एवं भविष्य उन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा उन्हें ज्ञान-आधारित समाज में सफल नागरिक बनने हेतु सशक्त बनाता है।

अध्याय - 2

गांव पर आधारित रिसर्च

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव को केवल विकासात्मक गतिविधियों के केंद्र के रूप में ही नहीं, बल्कि एक जीवंत शैक्षणिक एवं अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में भी विकसित किया गया। विश्वविद्यालय का यह प्रयास शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक विकास के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य एवं शैक्षिक चुनौतियों को समझने तथा उनके व्यावहारिक समाधान खोजने के उद्देश्य से गांव को शोध गतिविधियों का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने गांव में नियमित रूप से फील्ड स्टडी, सर्वेक्षण, डेटा संकलन तथा अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया। इन अध्ययनों का उद्देश्य ग्रामीण जीवन की वास्तविक परिस्थितियों को समझना, समस्याओं के मूल कारणों की पहचान करना तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करना था। इस प्रक्रिया ने शोध को केवल सैद्धांतिक अध्ययन तक सीमित न रखकर उसे समाजोपयोगी और व्यवहारिक स्वरूप प्रदान किया।

गांव में किए गए अनुसंधान कार्यों में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पोषण, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, आजीविका संवर्धन तथा ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों को शामिल किया गया। शोधार्थियों ने ग्रामीण परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, शिक्षा के स्तर, स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार, पोषण की स्थिति तथा सरकारी योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन किया। इन अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्षों ने ग्रामीण विकास की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने में सहायता प्रदान की।

पीएच.डी., एम.फिल., स्नातकोत्तर शोध परियोजनाओं तथा अन्य अकादमिक अनुसंधान कार्यों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष क्षेत्रीय अध्ययन का अवसर प्राप्त हुआ। फील्ड रिसर्च के दौरान विद्यार्थियों ने ग्रामीण समुदाय के साथ संवाद स्थापित किया, समस्याओं को निकटता से समझा तथा अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धतियों का व्यावहारिक उपयोग किया। इससे उनमें विश्लेषणात्मक क्षमता, समस्या-समाधान कौशल तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास हुआ।

स्वास्थ्य संबंधी शोधों के अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण स्तर, स्वच्छता व्यवहार, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामान्य रोगों की स्थिति का अध्ययन किया गया। इन अध्ययनों के आधार पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, चिकित्सा शिविरों तथा परामर्श गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाया गया। इसी प्रकार शिक्षा संबंधी शोधों के माध्यम से विद्यालयी उपस्थिति, छात्र-छात्राओं की सीखने की स्थिति, शिक्षा के प्रति अभिभावकों की जागरूकता तथा शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता का विश्लेषण किया गया।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास से संबंधित अनुसंधानों ने ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, निर्णय लेने में उनकी भागीदारी, स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों तथा आत्मनिर्भरता के अवसरों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन निष्कर्षों के आधार पर महिलाओं के लिए कौशल विकास, जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रमों की योजना तैयार की गई।

पर्यावरण एवं सतत विकास से जुड़े शोधों में जल संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा पर्यावरणीय जागरूकता के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया गया। इन अनुसंधानों ने ग्रामीण समुदाय में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता की तथा सतत विकास की अवधारणा को मजबूत बनाया।

गांव आधारित अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण परिणाम यह रहा कि शोध के निष्कर्ष सीधे समुदाय के हित में उपयोग किए गए। अनुसंधान केवल शैक्षणिक दस्तावेजों तक सीमित न रहकर विकासात्मक कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों तथा नीति-निर्माण संबंधी सुझावों का आधार बने। इससे विश्वविद्यालय और ग्रामीण समुदाय के बीच सहयोग, विश्वास तथा सहभागिता और अधिक सुदृढ़ हुई।

इस प्रकार गोद लिए गए गांव में संचालित अनुसंधान एवं शोध गतिविधियाँ शिक्षा और समाज के समन्वय का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। इन प्रयासों ने विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण विकास की चुनौतियों के समाधान हेतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया। गांव को एक जीवंत अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में विकसित करने की यह पहल न केवल अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देती है, बल्कि समाजोपयोगी एवं प्रभावी अनुसंधान की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती है।

क्षेत्रीय सफलताएँ और केस स्टडीज़: कानपुर नगर

हालाँकि इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन प्रदेश के अनेक जिलों में किया गया, लेकिन प्रभाव मूल्यांकन का क्षेत्रीय अध्ययन विशेष रूप से कानपुर नगर में केंद्रित रहा। इसी आधार पर प्रस्तुत की जा रही ये केस स्टडीज़ इस जिले में हुई उल्लेखनीय सफलताओं और सामाजिक बदलाव की जीवंत झलक प्रस्तुत करती हैं। ये उदाहरण इस बात का प्रमाण हैं कि सही दिशा, संसाधन और नेतृत्व मिलने पर आंगनवाड़ी केंद्रों में किस प्रकार आश्चर्यजनक परिवर्तन संभव है।

केस स्टडी 1: सहभागिता से उपस्थिति में वृद्धि

कानपुर नगर के एक आंगनवाड़ी केंद्र में किट वितरण से पहले बच्चों की नियमित उपस्थिति बहुत कम थी। लेकिन शैक्षिक सामग्री जैसे चित्र पुस्तकें, पुस्तकें, रंगीन कार्ड, पज़ल और खिलौने मिलने के बाद बच्चों की रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

वर्तमान में केंद्र की औसत उपस्थिति 90% से अधिक हो चुकी है। कार्यकर्ती बताती हैं कि बच्चे अब समय से पहले आकर विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागिता करते हैं।

केस स्टडी 2: मातृत्व सहभागिता का अद्वितीय

एक अन्य केंद्र में देखा गया कि किट वितरण के बाद माताओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। कई माताएँ अब स्वयं बच्चों के साथ केंद्र पर आती हैं, उन्हें चित्र पुस्तकें पढ़ाती हैं और साफ-सफाई बनाए रखने में सहायता करती हैं। इससे न केवल बच्चों को भावनात्मक संबल मिलता है, बल्कि सामुदायिक जुड़ाव और महिला सशक्तिकरण को भी प्रोत्साहन मिलता है।

केस स्टडी 3: नैतिक शिक्षा और व्यवहार में सुधार

एक अन्य केंद्र में देखा गया कि किट वितरण के बाद माताओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। कई माताएँ अब स्वयं बच्चों के साथ केंद्र पर आती हैं, उन्हें चित्र पुस्तकें पढ़ाती हैं और साफ-सफाई बनाए रखने में सहायता करती हैं। इससे न केवल बच्चों को भावनात्मक संबल मिलता है, बल्कि सामुदायिक जुड़ाव और महिला सशक्तिकरण को भी प्रोत्साहन मिलता है।

इन केस स्टडीज़ से स्पष्ट है कि यह पहल केवल संसाधनों के वितरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने व्यवहार, सोच और सामुदायिक भागीदारी में एक सशक्त एवं स्थायी परिवर्तन लाने का कार्य किया है। कानपुर नगर में हुए ये अनुभव अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकते हैं।

चुनौतियाँ, समाधान और अनुशंसाएँ

इस महत्वपूर्ण पहल के क्रियान्वयन के दौरान कुछ व्यावहारिक एवं व्यवस्थागत चुनौतियाँ सामने आईं। अनेक आंगनवाड़ी केंद्रों में आधारभूत संसाधनों की कमी, सामग्री की उपलब्धता में विलंब, स्थानीय स्तर पर समन्वय संबंधी कठिनाइयाँ तथा सीमित जनभागीदारी जैसी समस्याएँ प्रारंभिक चरण में अनुभव की गईं। इसके अतिरिक्त, कुछ केंद्रों तक पहुँचने में भौगोलिक एवं परिवहन संबंधी बाधाएँ भी रहीं। इन चुनौतियों का समाधान संबंधित विभागों, स्थानीय प्रशासन, विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों तथा समुदाय के सक्रिय सहयोग से समयबद्ध रूप से किया गया। परिणामस्वरूप कार्यक्रम की गति और प्रभावशीलता बनी रही। भविष्य के लिए नियमित निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करने, संसाधनों की पूर्व उपलब्धता सुनिश्चित करने, सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने, क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित करने तथा विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने जैसी महत्वपूर्ण अनुशंसाएँ सामने आईं।

प्रमुख चुनौतियाँ:

- बिजली और पानी की अस्थिर उपलब्धता: कुछ आंगनवाड़ी केंद्रों में बिजली तथा स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी, जिससे बच्चों की गतिविधियों, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी व्यवहारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
- संसाधनों के लिए सीमित भंडारण स्थान: कई केंद्रों में पर्याप्त भंडारण सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों के सुरक्षित रखरखाव में कठिनाइयाँ उत्पन्न हुईं।

- कर्मचारियों के प्रशिक्षण की आवश्यकता: सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नई सामग्रियों एवं उपकरणों के प्रभावी उपयोग संबंधी पर्याप्त जानकारी और प्रशिक्षण प्राप्त नहीं था।
- निरंतर निगरानी की आवश्यकता: कार्यक्रम की गुणवत्ता, प्रभावशीलता एवं स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी, मूल्यांकन तथा फॉलो-अप तंत्र की आवश्यकता अनुभव की गई।

समाधान :

- संबंधित विभागों के सहयोग से आंगनवाड़ी केंद्रों में जल एवं विद्युत सुविधाओं में आवश्यक सुधार किए गए, जिससे केंद्रों की कार्यक्षमता एवं बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित हो सका।
- केंद्रों को सरल एवं उपयोगी भंडारण इकाइयाँ उपलब्ध कराई गईं, जिससे शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों के सुरक्षित और व्यवस्थित रखरखाव में सहायता मिली।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए तात्कालिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, ताकि वे नई सामग्रियों एवं संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें।
- विश्वविद्यालय स्तर पर निगरानी दलों की नियुक्ति कर नियमित निरीक्षण एवं फीडबैक की व्यवस्था विकसित की गई, जिससे कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत सुधार को सुनिश्चित किया जा सका।

अनुशंसाएं

- सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में बिजली, स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय जैसी मूलभूत अधोसंरचनात्मक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा सके।
- शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की गुणवत्ता और उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्रत्येक छह माह में उनकी समीक्षा तथा आवश्यकता अनुसार पुनः आपूर्ति की व्यवस्था की जाए।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के लिए वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम अनिवार्य किए जाएँ, जिससे उनकी कार्यकुशलता एवं नवीन शिक्षण विधियों के प्रति समझ विकसित हो सके।
- बच्चों के समग्र विकास एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने हेतु चरणबद्ध तरीके से डिजिटल शिक्षण उपकरणों को आंगनवाड़ी केंद्रों में शामिल किया जाए।
- स्थानीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं अन्य हितधारकों को आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद लेने तथा उनके विकास एवं सुदृढ़ीकरण में सक्रिय सहयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस प्रकार, इन चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित करते हुए यह पहल अन्य राज्यों एवं संस्थानों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में उभरकर सामने आई है।

निष्कर्ष एवं आभार: समन्वित संकल्प से सामाजिक नवाचार की ओर

उत्तर प्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों के पुनर्जीवन की यह व्यापक पहल न केवल एक प्रशासनिक या शैक्षिक हस्तक्षेप रही, बल्कि यह सामाजिक उत्तरदायित्व, शैक्षिक दृष्टिकोण, प्रशासनिक समर्थन तथा सामुदायिक सहभागिता का एक प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय मॉडल बनकर उभरी है। यह पहल सिद्ध करती है कि जब

राज्य नेतृत्व, विश्वविद्यालय प्रणाली, स्थानीय प्रशासन और समुदाय एक साझा उद्देश्य की दिशा में एकजुट होकर कार्य करते हैं, तब स्थायी एवं प्रभावशाली सामाजिक परिवर्तन संभव हो पाता है।

माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन ने इस अभियान को एक सशक्त वैचारिक आधार प्रदान किया। उन्होंने न केवल यह संदेश दिया कि आंगनवाड़ी केंद्रों को शिक्षण एवं संस्कार केंद्रों के रूप में विकसित किया जाए, बल्कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को इस कार्य में सहभागी बनाकर इसे एक जनआंदोलन का स्वरूप भी प्रदान किया।

प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने इस दृष्टिकोण को पूर्ण प्रतिबद्धता एवं रणनीतिक नेतृत्व के साथ क्रियान्वित किया। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप न केवल विश्वविद्यालय ने सक्रिय भूमिका निभाई, बल्कि अनेक संबद्ध शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाइयों तथा अन्य सहभागी एजेंसियों ने भी इस अभियान में योगदान दिया।

जिला प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जिसने वितरण, निगरानी, समन्वय तथा संसाधन प्रबंधन को सुचारु रूप से संचालित कर इस पहल को जमीनी स्तर पर सफलतापूर्वक मूर्त रूप प्रदान किया।

इस प्रक्रिया ने न केवल सामग्री के उपयोग को अधिक प्रभावी बनाया, बल्कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता-वृद्धि, प्रशासनिक सहयोग तथा समुदाय के विश्वास को भी सुदृढ़ किया। यह पहल शासन, शिक्षा और सेवा के त्रिकोणीय समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी।

किट में सम्मिलित सामग्री: शैक्षिक सामग्री:

- पजल मैट, बॉल, रिंग, मैजिक क्ले, स्किपिंग रोप।
- वेट मशीन, फ्रूट टॉय, इंडिया मैप, हाइट चार्ट।
- बिल्डिंग ब्लॉक्स, ए.बी.सी. अल्फाबेट, नंबर, एनिमल मॉडल।
- कलरफुल स्टोरी बुक, प्ले बुक, व्हाइट बोर्ड, डस्टर तथा मार्कर आदि।

इसके अतिरिक्त: प्राथमिक चिकित्सा किट, बर्तन, कंटेनर, भंडारण सामग्री, हैंड वॉश, ट्राइसाइकिल, हॉर्स टॉय एवं कुर्सी-टेबल आदि भी उपलब्ध कराए गए।

इस सामग्री का उद्देश्य बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक रुचिकर, व्यावहारिक, सहभागितापूर्ण एवं स्वास्थ्य के अनुकूल बनाना है, ताकि प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को प्रभावी और आनंददायक बनाया जा सके। इसके अंतर्गत ऐसी शैक्षिक एवं रचनात्मक सामग्री उपलब्ध कराई गई, जो बच्चों की आयु, रुचि और विकासात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप हो। चित्रों, खेलों, गतिविधियों, कहानियों तथा रंगीन शिक्षण-सहायक उपकरणों के माध्यम से बच्चों में सीखने के प्रति उत्साह और जिज्ञासा विकसित करने का प्रयास किया गया।

क्षेत्रीय कवरेज और वितरण का भौगोलिक विस्तार

शैक्षिक एवं स्वच्छता किट वितरण कार्यक्रम का कार्यान्वयन न केवल लखनऊ तक सीमित रहा, बल्कि इसे प्रदेश के अन्य जिलों में भी प्रभावी रूप से विस्तारित किया गया। प्रारंभ में लखनऊ की 26 शैक्षिक संस्थाओं को 40 आंगनवाड़ी केंद्रों के सुधार हेतु जिम्मेदारी सौंपी गई। यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होने के पश्चात अन्य जिलों में इसका विस्तार किया गया।

इस क्रम में जिन जिलों में वितरण किया गया, उनमें प्रमुख रूप से लखनऊ, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, फर्रुखाबाद, वाराणसी तथा प्रयागराज शामिल हैं।वर्ष 2021 से 2024 की अवधि में कुल 868 आंगनवाड़ी केंद्रों में शैक्षिक एवं स्वच्छता किटों का वितरण किया गया।

वितरण का सारांश:

क्रम संख्या	जिला	तिथि	केंद्रों की संख्या
1.	लखनऊ	2021	130
2.	वाराणसी	2021	16
3.	प्रयागराज	2021	11
4.	मेरठ	2021	01
5.	इटावा	2021	20
6.	कानपुर नगर	2021–2024	347
7.	कानपुर देहात	2021–2024	150
8.	फर्रुखाबाद	2021 -2024	120
9.	औरैया	2021-2024	73
		कुल	868 केंद्र

इस पहल का विस्तार प्रदेश के विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं भौगोलिक क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से किया गया, जिससे इसका लाभ व्यापक स्तर पर बच्चों, परिवारों तथा समुदायों को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत केवल बड़े नगरों या विकसित क्षेत्रों पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया गया, बल्कि ग्रामीण, पिछड़े, दूरस्थ एवं सीमावर्ती क्षेत्रों को भी समान प्राथमिकता दी गई।

भाव मूल्यांकन की पद्धति और प्रमुख निष्कर्ष

इस व्यापक पहल के प्रभाव का मूल्यांकन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के समाज कार्य विभाग द्वारा किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि वितरित किटों का बच्चों, अभिभावकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर क्या प्रभाव पड़ा है।

मूल्यांकन की पद्धति:

- सर्वेक्षण: आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों से साक्षात्कार के माध्यम से सर्वेक्षण किया गया।
- अवलोकन: चयनित केंद्रों पर सामग्री के उपयोग तथा बच्चों की गतिविधियों का निरीक्षण किया गया।
- साक्षात्कार अनुसूची: पूर्व एवं पश्चात् तुलना के लिए डिज़ाइन किए गए प्रश्नों के आधार पर डेटा संकलित किया गया।
- क्षेत्र: कानपुर नगर के बकेवरपुर, औंधा, मगरसा, रमईपुर, मटियारा एवं सिंहपुर क्षेत्रों में अध्ययन किया गया।

प्रमुख निष्कर्ष:

- शैक्षिक सहभागिता में वृद्धि: किट वितरण के बाद बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों में सहभागिता 28.8% से बढ़कर 67.1% हो गई।
- सामग्री की गुणवत्ता पर संतोष: 99% कार्यकर्ताओं ने नई किट की गुणवत्ता को पूर्व की तुलना में श्रेष्ठ माना।
- स्वच्छता (हाइजीन) में सुधार: 94.5% बच्चों ने नियमित हाथ धोने की आदत अपनाई।
- पोषण के प्रति जागरूकता: 95.7% बच्चों ने फल, हरी सब्जियाँ और प्रोटीन युक्त आहार की मांग करना शुरू किया।
- नामांकन में वृद्धि: किट वितरण के पश्चात आंगनवाड़ी केंद्रों में औसतन 23% नामांकन वृद्धि दर्ज की गई।
- बच्चों में नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों का विकास: 87.7% बच्चों में नैतिक व्यवहार और सामाजिक सहभागिता में सुधार देखा गया।
- अभिभावकों की भागीदारी: 100% कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभिभावकों ने बच्चों को आंगनवाड़ी भेजने में अधिक रुचि दिखाई।

यह पहल केवल संसाधनों, शैक्षिक सामग्री एवं आधारभूत सुविधाओं के वितरण तक सीमित न रहकर बच्चों के समग्र विकास का प्रभावी माध्यम बनी। इसके परिणामस्वरूप बच्चों में सीखने के प्रति रुचि, नियमित उपस्थिति, सहभागिता एवं जिज्ञासा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आकर्षक शिक्षण सामग्री और अनुकूल वातावरण से उनकी संज्ञानात्मक, भाषाई एवं रचनात्मक क्षमताओं का विकास हुआ। साथ ही, स्वच्छता, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ने से स्वास्थ्य व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले। बच्चों के आत्मविश्वास, सामाजिक व्यवहार, संवाद कौशल तथा समूह में कार्य करने की क्षमता में भी सुधार दर्ज किया गया। यह सफलता माननीय राज्यपाल की दूरदर्शी सोच, बाल विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, विश्वविद्यालय के संगठित प्रयासों तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय समुदाय के समर्पित सहयोग का प्रमाण है।

अध्याय - 3

महिला सशक्तिकरण

किसी भी समाज के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक अवसरों तथा सामाजिक अधिकारों से सशक्त बनाए बिना सतत एवं समावेशी विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव में महिला सशक्तिकरण को विकास की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया गया। पिछले सात वर्षों के दौरान महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं स्वास्थ्य संबंधी विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं सशक्त नागरिक के रूप में विकसित करना था।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सबसे प्रभावी पहल स्वयं सहायता समूहों (Self Help Groups–SHGs) के गठन एवं सुदृढ़ीकरण के माध्यम से की गई। गांव की महिलाओं को छोटे-छोटे समूहों में संगठित कर नियमित बचत, सामूहिक निर्णय प्रक्रिया तथा वित्तीय प्रबंधन की जानकारी प्रदान की गई। इन समूहों ने महिलाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं सामुदायिक सहयोग की भावना को विकसित किया। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं, ऋण सुविधाओं तथा सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया गया, जिससे वे आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर सकें। समूह आधारित कार्यप्रणाली ने महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बनाया, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनकी पहचान एवं निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा दिया।

आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत सिलाई-कढ़ाई, हस्तशिल्प निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, ब्यूटी एवं वेलनेस, उद्यमिता विकास तथा अन्य स्वरोजगार आधारित गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं को ऐसी व्यावहारिक दक्षताएँ प्रदान करना था जिनके माध्यम से वे अपनी आय में वृद्धि कर सकें तथा परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकें। प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं ने अनेक लघु उद्यम प्रारंभ किए, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हुई और वे रोजगार प्राप्त करने वाली ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाली भी बनीं।

वित्तीय साक्षरता महिला सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण आयाम है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए महिलाओं को बचत, निवेश, बैंक खाता संचालन, ऋण प्रबंधन, बीमा योजनाओं तथा सरकारी वित्तीय सहायता कार्यक्रमों के संबंध में जागरूक किया गया। विभिन्न कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से महिलाओं को यह समझाया गया कि आर्थिक संसाधनों का उचित प्रबंधन परिवार के दीर्घकालिक विकास में किस प्रकार सहायक होता है। परिणामस्वरूप महिलाओं में वित्तीय निर्णय लेने की क्षमता विकसित हुई तथा वे आर्थिक मामलों में अधिक सक्रिय एवं आत्मविश्वासी बनीं।

वर्तमान डिजिटल युग में डिजिटल साक्षरता भी महिला सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण आधार बन गई है। इसलिए महिलाओं को मोबाइल फोन, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान प्रणालियों, ऑनलाइन बैंकिंग, ई-गवर्नेंस सेवाओं तथा विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मों के उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इससे महिलाओं को सरकारी योजनाओं, शैक्षिक संसाधनों तथा ऑनलाइन सेवाओं तक सरल पहुंच प्राप्त हुई। डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों ने महिलाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों, परामर्श सत्रों तथा सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को संतुलित आहार, मातृ स्वास्थ्य, किशोरी स्वास्थ्य, एनीमिया नियंत्रण, स्वच्छता, मासिक धर्म प्रबंधन तथा संक्रामक एवं गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के बारे में जानकारी प्रदान की गई। नियमित स्वास्थ्य जांच शिविरों के माध्यम से महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार सुविधाओं से जोड़ा गया। इन प्रयासों से महिलाओं एवं किशोरियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार देखने को मिला।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य महिलाओं में सामाजिक जागरूकता एवं अधिकारों के प्रति समझ विकसित करना भी था। इस उद्देश्य से महिला अधिकार, लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह निषेध, शिक्षा का महत्व तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों ने महिलाओं को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाया तथा उन्हें सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक सक्षम बनाया।

सभी प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करें। बहुत कम दूरी के लिए वाहन का उपयोग अत्यधिक आवश्यकता पड़ने पर करें जिससे कि कार्बन का उत्सर्जन कम से कम हो। कूड़े को निर्धारित स्थान पर ही फेंके। सभी का दायित्व है कि वे अपने आस पास के वातावरण को साफ रखें। द्वितीय तकनीकी सत्र में श्रीमती अमीना जैदी, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, न्यूट्रीशन, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस ने स्वयंसेवकों को स्वस्थ आहार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आहार में संतुलित आहार लें। फल, हरी सब्जियों का सेवन अधिक करें। जंक फूड का प्रयोग कम से कम करें। सीजनल फ्रूट्स एवं सब्जियों का प्रयोग आहार में नियमित रूप से हो। स्वयंसेवकों ने वक्ताओं से प्रश्न पूंछ कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। छात्रा आस्था सिंह ने पूंछा कि क्या जंक फूड को

श्रीमती मीना ने कहा कि जंक फूड का सेवन हम कम से कम कर सकतें हैं। दिन प्रतिदिन जीवन में व्यवहारिक कारणों से जंक फूड से पूर्णतः छुटकारा मुश्किल है। छात्र शिवपाल यादव ने पूंछा कि मैं अपनी न्यूट्रीशनल इंटेक में क्या आहार ले सकता हूं? श्रीमत अमीना ने उन्हें इस बारे में बताया। छात्रा दीक्षा गोयल, इला शर्मा, सौम्या तिवारी एवं दिव्यांशु तिवारी ने भी प्रश्न पूंछे। कार्यक्रम अधिकारी डा प्रवीन कटियार ने दोनों वक्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किए। भोजन के बाद स्वयंसेवक गांव में ग्रामीणों के घर गए एवं ग्रामीणों से खान पान एवं पीने के पानी की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। शिविर में नाश्ते, भोजन बनाने तथा बर्तनों एवं परिसर की साफ सफाई स्वयंसेवकों द्वारा स्वयं की जा रही है। सांय को सभी स्वयंसेवकों ने द्वितीय दिवस के अपने अनुभव सभी से साझा किए। सांय एक स्वयंसेवक लक्ष्मी का जन्मदिन भी सभी ने मिलकर मनाया।

शिविर के तृतीय दिन जीएसवीएम मेडिकल कालेज कानपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो संतोष कुमार बर्मन स्वयं सेवकों को बीमारियों से बचने के उपाय, एलपी एस इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी, कानपुर के प्रो. अवधेश कुमार शर्मा हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय बताएंगे, तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पुष्पा ममोरिया डिजिटल भारत के संबंध में जानकारी देंगे। इसके साथ ही साथ सांय को एक सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जाएगा।

स्वस्थ जीवन शैली अपना कर एवं अपने आस पास के वातावरण को स्वच्छ रख बच सकते हैं बीमारियों से

दिनांक 26 फरवरी को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिन ग्राम- सचिवालय, ग्राम -होरा कछार में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रातः स्वयंसेवकों द्वारा धरती मां की वंदना की गई। महाशिवरात्रि के अवसर पर सभी स्वयंसेवकों ने भजन गाए। योगाभ्यास के पश्चात् स्वयंसेवकों ने महाशिवरात्रि पर्व के संबंध में जानकारी आपस में साझा की। स्वयं सेवकों ने गांव के बच्चों को भी योग का अभ्यास कराया। आज स्वयंसेवकों हेतु दो तकनीकी सत्र आयोजित हुए। प्रथम तकनीकी सत्र में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष कुमार बर्मन ने स्वयंसेवकों को बीमारियों को फैलने से रोकने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बीमारियां दो प्रकार की होती है कम्युनिकेबल डिजीज (संक्रामक रोग) तथा नॉन कम्युनिकेबल डिजीज। नॉन कम्युनिकेबल बीमारियों को हम स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर रोक सकते हैं। संक्रामक रोगों से बचने के लिए हमें संक्रमण के कारणों से बचना होगा।

साफ पानी, शुद्ध भोजन का सेवन, अपने आस पास के वातावरण को साफ रख हम संक्रामक रोगों से बच सकते हैं। कुछ बीमारियों से बचने के लिए टीकाकरण भी आवश्यक है। दूसरे तकनीकी सत्र में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पुष्पा ममोरिया ने डिजिटल भारत के संबंध में स्वयंसेवकों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अधिकांश कार्य ऑनलाइन प्लेटफार्म से किए जा सकते हैं। सभी भुगतान भी ऑनलाइन हो रहे हैं। सभी सरकारी सुविधाएं एवं योजनाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक स्वयं डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग करें तथा ग्राम वासियों को भी डिजिटल भारत की जानकारी देकर उन्हें तकनीक को अपनाने हेतु प्रेरित करें। स्वयंसेवकों ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूंछ कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया।

छात्रा दिव्यांशी पाल ने खुजली से बचने के उपाय पूंछे। डॉ संतोष कुमार बर्मन ने कहा कि खुजली के बहुत से कारण हैं, कारणों को समझकर हम उन से बचने के उपाय कर सकते हैं। आस्था सिंह ने पूंछा कि गांव में एक बच्चे का वजन तेजी से गिर रहा है। इसके क्या कारण हो सकते हैं। डा बर्मन ने बताया वजन घटने के बहुत से कारण है जिनमें से एक कारण पेट में कीड़ों का होना भी है। गांव के बच्चों में पेट में कीड़ों का होना प्रायः पाया जाता है। छात्रा सौम्या तिवारी एवं मौसम कुमारी ने भी प्रश्न पूंछे। कार्यक्रम अधिकारी डा प्रवीन कटियार ने वक्ताओं को स्मृति चिह्न भी भेंट किए। शिविर में नाश्ते, भोजन, चाय आदि को बनाने तथा बर्तनों एवं परिसर की साफ सफाई स्वयंसेवको द्वारा ही की जाती है। स्वयंसेवकों ने आज गांव के बच्चों को भी भोजन कराया। सांय को महाशिवरात्रि के अवसर पर एक सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। इस सांस्कृतिक संध्या में स्वयंसेवकों ने भगवान शिव के भजन गाए तथा शिव जी से संबंधित गानों पर नृत्य कर सभी का मन मोह लिया।

क्ति, आयुष, पल्लवी, पूर्वी, नीरज, सौम्या, नेहा, अभिषेक, टीना, मयंक, मेहा आदि स्वयंसेवकों ने प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक संध्या में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ श्याम मिश्रा, मीडिया प्रभारी डॉ विशाल शर्मा, सुरक्षा प्रभारी डॉ राघवेन्द्र सिंह, संपति अधिकारी डॉ प्रवीन भाई पटेल, डॉ अजय कुमार गुप्ता, श्री शिवांशु सचान, डॉ पुष्पा ममोरिया, डॉ मानस उपाध्याय, डॉ अजय कुमार यादव आदि शिक्षक गण उपस्थित थे। कल दिनांक 27 फरवरी को तकनीकी सत्र में प्रोफेसर संदीप कुमार सिंह, निदेशक, आईक्यूएसी, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के उपाय के संबंध में तथा श्री धर्मेंद्र कुमार सिंह, सचिव, सम्राट अशोक मानव कल्याण एवं शिक्षा समिति सामुदायिक सेवा के महत्व पर स्वयंसेवकों से परिचर्चा करेंगे।

समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ा कर सामाजिक कुरीतियों से बचा जा सकता है। दिनांक 27 फरवरी को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिन ग्राम- सचिवालय, ग्राम -होरा कछार में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रातः स्वयंसेवकों द्वारा सरस्वती मां की प्रार्थना की गई। योगाभ्यास के पश्चात् स्वयंसेवक गांव में स्थित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय गए तथा वहां बच्चों को हाईजीन के संबंध में बताया। उन्हें स्वच्छता के लाभ बताए। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाया भी। आज स्वयंसेवकों हेतु चार तकनीकी सत्र आयोजित हुए। प्रथम तकनीकी सत्र में श्री धर्मेंद्र कुमार सिंह, सचिव, सम्राट अशोक मानव कल्याण एवं शिक्षा समिति, ने सामुदायिक सेवा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों से कहा कि विद्यार्थियों में सेवा की भावना होना आवश्यक है। किसी भी कारण से सेवा करें, सेवा अवश्य करें।

हरी पत्तेदार सब्जियों, पालक, गुड़, चने के सेवन से एनीमिया से बचा जा सकता है। आज दिनांक 28 फरवरी को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के पंचम दिन ग्राम- सचिवालय, ग्राम -होरा कछार में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। दिन का प्रारंभ स्वयंसेवकों द्वारा प्रार्थना से हुआ। योगाभ्यास के पश्चात् स्वयंसेवकों हेतु विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित हुए। प्रथम तकनीकी सत्र में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. किरन पांडेय ने 'महिलाओं में एनीमिया-कारण एवं निवारण' विषय पर स्वयंसेवकों तथा गांव की महिलाओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं में एनीमिया (रक्ताल्पता) के कई कारण होते हैं, जिनमें प्रमुख हैं -

- उचित खान पान का न होना
- पेट में कीड़ों का होना
- मासिक धर्म में अधिक रक्तस्राव होना
- किसी बीमारी की वजह से रक्तस्राव होना
- रक्त संबंधी बीमारी का होना आदि ।

उन्होंने बताया कि बीमारी संबंधी कारणों का उपचार कर एनीमिया को दूर किया जा सकता है। जबकि उचित खान पान न होने की वजह से होने वाले एनीमिया को दूर करने के लिए आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों, पालक, गोभी, गुड़, चना(छिलका सहित) फलों में सेब, केला, अनार का सेवन आयाश्यक है। आहार में फाइबर्स होना आवश्यक है। छात्रा वंदना भास्कर ने उनसे पीसीओडी बीमारी के विषय में पूंछा।

प्रो. पांडेय ने सभी को पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज (पीसीओडी) के संबंध में बताया। प्रो.किरन पांडेय ने गांव की महिलाओं तथा छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क परामर्श भी दिया। द्वितीय सत्र में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के मानसिक रोग विभाग के पूर्व प्रो. डा. मधुकर एवं रामा मेडिकल कालेज, कानपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डा. नीरजा ने भी ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क परामर्श दिया। डा. मधुकर ने स्वयसेवकों से प्रश्न भी पूंछे एवं सही उत्तर देने वाले स्वयंसेवकों को नकद पुरस्कार भी प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी जंक फूड का सेवन न करें। यदि फास्ट फूड लेना ही है तो भारतीय फास्ट फूड सत्तू का सेवन करें। सत्तू की पौष्टिक वैल्यू बहुत अधिक होती है। उन्होंने कहा कि दही भी स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। इसका भी सेवन अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। तृतीय तकनीकी सत्र में विश्वविद्यालय की योग प्रशिक्षक श्रीमती सोनाली धनवानी ने 'करें योग रहें निरोग' विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। साथ ही उन्हें भ्रामरी प्राणायाम, ताड़ासन, वृक्षासन, पद्मासन, वज्रासन आदि का अभ्यास कराया।

मासिक धर्म एवं महिलाओं के पोषण पर व्याख्यान

कानपुर, 1 मार्च। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) अटल इकाई की ओर से आयोजित सात दिवसीय शिविर के छठवें दिवस का आज बनियापुरवा गांव में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। दिन की शुरुआत सभी स्वयंसेवकों द्वारा पूरे उत्साह के साथ एनएसएस लक्ष्य गीत के सामूहिक गान से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य श्रीमती डॉ वंदना पाठक ने कहाकि मासिक धर्म एवं महिलाओं के पोषण पर व्याख्यान देकर गांव की महिलाओं को स्वास्थ्य,महिला सशक्तिकरण एवं समाज में बदलाव लाने हेतु प्रेरित किया। आयुर्वेदाचार्य डॉ० वंदना पाठक ने निःशुल्क परामर्श, औषधियों का वितरण तथा सैनिटरी पैड गांव की महिलाओं को वितरित किया गया जिससे उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। प्रधान श्रीमती प्रीति निषाद को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

उन्होंने बताया कि वज्रासन खाना खाने के बाद किया जा सकता है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है। उन्होंने बताया कि ताली बजाने से खून का सर्कुलेशन बढ़ता है। चतुर्थ तकनीकी सत्र में विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ टीचर एजूकेशन की निदेशक डॉ रश्मि गोरे ने विद्यार्थियों को 'बेटी पढ़ाओ- बेटी बचाओ' की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि बेटियों को पढ़ाकर कर उन्हें सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे सभी को अपनी बेटियों को पढ़ाने के लिए जागरूक करें। यूनिट 5 के कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रवीन कटियार ने विशेषज्ञ वक्ताओं को स्मृत चिन्ह भेंट किए। भोजन के पश्चात् सभी विद्यार्थियों ने गांव में घर -घर जाकर उनको दिनांक 1 मार्च को ग्राम सचिवालय में आयोजित होने वाले निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर के आयोजन की सूचना दी तथा उन्हें अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने हेतु आमंत्रित किया। इस शिविर में सीबीसी, रैंडम ब्लड शुगर, ब्लड ग्रुप, ब्लड प्रेशर, आंखों की जांच निःशुल्क की जाएगी तथा निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। रोज की तरह आज भी विद्यार्थियों ने अपना नाश्ता एवं भोजन स्वयं बनाया तथा बर्तनों एवं परिसर की साफ सफाई स्वयं की। सांय को सभी ने अपने अनुभव साझा किए एवं छात्राओं एवं छात्रों ने रस्साकस्सी का खेल भी खेला। कल दिनांक 1 मार्च को कानपुर नगर के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. एएस प्रसाद विद्यार्थियों को बोन हेल्थ के संबंध में जानकारी देंगे। साथ ही साथ एक निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर भी

एसएस अटल इकाई द्वारा सात दिवसीय शिविर का आयो

शर्मा/कर्म कसौटी

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज ...द्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ...सएस) अटल इकाई द्वारा आयोजित ...सीय शिविर के छठवें दिवस शनिवार ...नियापुरवा गांव में सफलता पूर्वक हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य ...दना पाठक उपस्थित रही।

...आयोजन की शुरुआत सभी ...वकों द्वारा एनएसएस लक्ष्य गीत के ...क गान से हुई। इस अवसर पर मुख्य ... ने मासिक धर्म एवं महिलाओं के ...पर व्याख्यान दिया उन्होंने गांव की ...ओं को स्वास्थ्य, महिला ...ण एवं समाज में बदलाव लाने ... किया। आयुर्वेदाचार्या डॉ. वंदना पाठक द्वारा निःशुल्क परामर्श, औषधियों का वितरण तथा सैनिटरी पैड गांव की महिलाओं को वितरित किया गया जिससे उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

उन्होंने अपने व्याख्यान में यत्र... पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता: के सं... स्वयंसेवकों को नारी सशक्ति... सामाजिक बेड़ियों को तोड़ने के... प्रति प्रेरित किया।

- छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा बनियापुरवा गांव में सफलता पूर्वक एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया।कानपुर नगर की वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य श्रीमती डॉ वंदना पाठक बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रही। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में मासिक धर्म एवं महिलाओं के पोषण पर व्याख्यान देकर गांव की महिलाओं को स्वास्थ्य,महिला सशक्तिकरण एवं समाज में बदलाव लाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर आयुर्वेदाचार्य डॉ० वंदना पाठक जी द्वारा निःशुल्क परामर्श, औषधियों का वितरण तथा सैनिटरी पैड गांव की महिलाओं को वितरित किया गया जिससे उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

अध्याय - 4

स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण

ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण का विशेष महत्व है। किसी भी समुदाय की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य स्तर पर निर्भर करती है। स्वस्थ व्यक्ति ही शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक गतिविधियों में प्रभावी रूप से भागीदारी कर सकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता के प्रसार तथा पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए पिछले सात वर्षों के दौरान अनेक कार्यक्रमों एवं अभियानों का आयोजन किया गया। इन प्रयासों का उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना, रोगों की समय रहते पहचान करना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था।

ग्राम में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए समय-समय पर नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। स्वास्थ्य परीक्षण, प्राथमिक उपचार, परामर्श सेवाएं तथा आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन प्रदान कर ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया। इन शिविरों के माध्यम से ऐसे लोगों तक भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकीं, जिन्हें सामान्य परिस्थितियों में चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती थी।

गंभीर रोगों की समय रहते पहचान एवं रोकथाम के उद्देश्य से कैंसर स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन विशेष रूप से किया गया। इन शिविरों में महिलाओं एवं पुरुषों दोनों के लिए कैंसर संबंधी प्रारंभिक जांच एवं परामर्श की व्यवस्था की गई। कैंसर के लक्षणों, जोखिम कारकों, बचाव के उपायों तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इन प्रयासों ने ग्रामीणों में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाई तथा समय पर उपचार प्राप्त करने की आवश्यकता को समझने में सहायता प्रदान की।

ग्रामीण क्षेत्रों में एनीमिया एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या के रूप में देखा जाता है, विशेषकर महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों में। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए एनीमिया जांच शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में रक्त जांच के माध्यम से हीमोग्लोबिन स्तर का परीक्षण किया गया तथा एनीमिया से प्रभावित व्यक्तियों को आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही आयरन युक्त आहार, संतुलित भोजन तथा पोषण संबंधी आवश्यकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इन प्रयासों से महिलाओं एवं किशोरियों में पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ी तथा स्वास्थ्य सुधार की दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए।

वर्तमान समय में मधुमेह (डायबिटीज) एक तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या है। इसके प्रति जागरूकता फैलाने और प्रारंभिक पहचान सुनिश्चित करने के लिए डायबिटीज जांच शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में रक्त शर्करा स्तर की जांच के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा रोग प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रदान की गई। ग्रामीणों को यह समझाया गया कि समय पर जांच एवं उचित देखभाल के माध्यम से मधुमेह के दुष्प्रभावों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संवर्धन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए ग्राम में स्वच्छता एवं हाइजीन जागरूकता कार्यक्रमों का व्यापक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से हाथ धोने की सही विधि, स्वच्छ पेयजल का उपयोग, शौचालयों का नियमित प्रयोग, कचरा प्रबंधन तथा पर्यावरणीय स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। विद्यालयों, सामुदायिक केंद्रों तथा ग्राम सभाओं में आयोजित जागरूकता गतिविधियों ने ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक व्यवहार विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पोषण संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाए गए। इन अभियानों के माध्यम से संतुलित आहार, सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता, मातृ एवं शिशु पोषण तथा कुपोषण की रोकथाम जैसे विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं, गर्भवती माताओं, किशोरियों एवं बच्चों को पोषण संबंधी आवश्यकताओं के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया गया। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा स्वस्थ भोजन संबंधी आदतों को विकसित करने पर भी बल दिया गया।

सामुदायिक सहयोग के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी संदेशों को व्यापक स्तर पर प्रसारित किया गया, जिससे ग्रामीणों में जागरूकता एवं सहभागिता दोनों में वृद्धि हुई। इन प्रयासों का प्रभाव ग्राम के सामाजिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां लोगों में नियमित स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता बनाए रखने तथा संतुलित पोषण अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ी।

समग्र रूप से देखा जाए तो स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण के क्षेत्र में संचालित गतिविधियों ने ग्रामवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नियमित स्वास्थ्य शिविरों, कैंसर एवं डायबिटीज जांच कार्यक्रमों, एनीमिया नियंत्रण प्रयासों तथा स्वच्छता एवं पोषण जागरूकता अभियानों ने ग्रामीण समुदाय को स्वस्थ, जागरूक एवं सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना इकाई-6 (महात्मा गांधी) द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर परिसर स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना की षष्ठम इकाई (महात्मा गांधी) द्वारा मा0 कुलपति जी के प्रेरणा से आज दिनांक 06.03.2025 को ग्राम उदेतपुर बिठूर, चौबेपुर, कानपुर में सप्तदिवसीय कैम्प का शुभारम्भ किया गया। आज के कैम्प में मुख्य अतिथि कानपुर की प्रतिष्ठित आर्युवेदाचार्य डॉ0 वंदना पाठक द्वारा ग्राम उदेतपुर के ग्रामीणों को आर्युवेद के माध्यम से नशा से मुक्ति दिलाने का उपाय बताया तथा लगभग 50 मरीजों को देखा । उनके द्वारा मरीजों को आर्युवेद के माध्यम से नशामुक्ति हेतु दवाईयां प्रदान की गयीं एवं नशे से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराया गया। डॉ0 वंदना पाठक, आर्युवेदाचार्य, राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अजय कुमार यादव, ग्राम प्रधान विद्यासागर यादव एवं समस्त टीम ने नशा करने वाले समस्त लोगों एवं उपस्थित ग्रामीणों को नशा से मुक्ति हेतु सकल्प दिलाया। दोपहर में कार्यक्रम अधिकारी द्वारा समस्त राष्ट्रीय स्वयं सेवा के स्वयं सेवको को अल्पाहार कराया गया। इस शुभ अवसर पर डॉ0 वंदना पाठक, आर्युवेदाचार्य, स्वयं सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अजय कुमार यादव, विद्यासागर यादव, ग्राम प्रधान एवं सम्मानित ग्रामवासी आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल, कुलाधिपति की मौजूदगी में विश्वविद्यालय में 5 गांव की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर का मुफ्त टीका करण

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के 39वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर किशोरियों को एचपीवी के टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का शुभारंभ करते हुए कुलाधिपति, राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि हम मां, बहन और बेटी के रूप में महिलाओं का आदर करते हैं लेकिन जब बात उनके जीवन को जानलेवा सर्वाइकल कैंसर से बचाने की आती है तो उसकी जगह हम पैसों को बचाने को प्राथमिकता देते हैं। यह समाज और देश के साथ साथ अपने परिवार के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में बेटियों के इलाज को लेकर उदासीनता है। भारत में सर्वाइकल कैंसर से हर सात मिनट में एक महिला मरती है। इनमें से ज़्यादातर मौतों को जागरूकता, एचपीवी टीकाकरण और शुरुआती पहचान से रोका जा सकता है।

राज्यपाल, कुलाधिपति की मौजूदगी में विश्वविद्यालय में 5 गांव की 97 बेटियों को सर्वाइकल कैंसर का मुफ्त टीका भी लगवाया गया। इन 5 गांवों- ईश्वरी गंज, होरा कछार, बरहट बांगर, गबड़हा और सुनौढ़ा को विश्वविद्यालय ने गोद लिया है। राज्यपाल जी ने निर्देश दिया कि जिन किशोरियों को टीका लगाया गया उन्हे 6 माह बाद विश्वविद्यालय दूसरी डोज भी लगवाए।

इस अवसर पर मा. अध्यक्ष, विधानसभा श्री सतीश महाना जी, मा. उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय जी, महापौर, कानपुर नगर श्रीमती प्रमिला पांडेय, मा. उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी, विधायक, कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र श्रीमती नीलिमा कटियार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, विश्व विद्यालय एवं जिला प्रशासन के अधिकारी गण तथा अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे। टीकाकरण केजीएमयू लखनऊ की टीम द्वारा किया गया।

माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण के लिए सामाजिक संस्थाओं को आगे आना चाहिए। शुभाशिनी शिवहरे फाउंडेशन तथा कानपुर डिस्ट्रिक्ट के रोटरी क्लब ऑफ कानपुर, नॉर्थ, शौर्य एवं विराट द्वारा किया जा रहा यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

वैक्सीनेशन हेतु विशेषज्ञ टीम कैंसर पेशेंट्स एंड एसोसिएशन, मुंबई द्वारा भेजी गई थी। इसी टीम ने बालिकाओं का टीकाकरण किया। स्वास्थ्य केंद्र में कुल 74 बालिकाओं का निःशुल्क टीकाकरण किया गया। टीकाकरण प्राप्त करने वाली बालिकाओं में ग्राम गबड़हा (चौबेपुर ब्लॉक), ग्राम ईश्वरीगंज (कल्याणपुर ब्लॉक), कानपुर नगर तथा अन्य क्षेत्रों की किशोरियाँ सम्मिलित थीं।

इस अवसर पर रोटरी क्लब के रो. सुशील चक, रो. निशांत बढ़ेरा, सुश्री ऋचा माहेश्वरी, सुश्री संध्या कुमार, श्री आयुष गुप्ता, श्री अंकुर अंशवानी, श्री ज्वाय निगम तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कानपुर, रविवार, 17 नवंबर 2024 | 08

अपना कानपुर

हिन्दुस्तान | www.livehindustan.com

74 बालिकाओं को लगा सर्वाइकल कैंसर का टीका

कानपुर। सीएसजेएमयू के स्वास्थ्य केंद्र में नि:शुल्क टीकाकरण शिविर लगाया। गया। जिसे विवि के साथ शुभासिनी शिवहरे फाउंडेशन, रोटरी क्लब ऑफ कानपुर आदि की ओर से आयोजित शिविर का शुभारंभ विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, शुभ्रो सेन, रिचा महेश्वरी, अंकुर अंशवानी, भूपेश कुमार, उल्लास वाही व चीफ प्रॉक्टर डॉ. प्रवीन कटियार ने किया। भूपेश कुमार ने सर्वाइकल कैंसर के नि:शुल्क टीकाकरण के बारे में जानकारी दी। यह टीकाकरण विवि के स्वास्थ्य केंद्र के अलावा डॉ. एसएन सेन ग्लोबल पब्लिक स्कूल मालरोड और उषा पापुलर शिक्षा संस्थान नर्वल में किया गया।

महानगर कानपुर

17 नवम्बर • 2024 | राष्ट्रीय सहारा

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बालिकाओं को लगे टीके

कानपुर। सीएसजेएम विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण कैंप लगाया गया। कैंप में बालिकाओं को नि:शुल्क टीके लगाये गये। इसके अलावा नर्वल में उषा पापुलर शिक्षा संस्थान, एसएन सेन पब्लिक स्कूल मालरोड में टीकाकरण किया गया।

सुभाषिनी शिवहरे फाउंडेशन, रोटरी क्लब कानपुर, रोटरी क्लब कानपुर नॉर्थ, रोटरी क्लब शौर्य, रोटरी क्लब विराट, कैंसर पैशेन्ट्स एड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में विवि के स्वास्थ्य केन्द्र में कैंप आयोजित किया गया। उद्घाटन कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, शुभ्रो सेन, रिचा महेश्वरी, अंकुर अंशवानी, उल्लास वाही, भूपेश कुमार, विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीन कटियार, डॉ. मानस उपाध्याय, डॉ. पुष्पा ममोरिया, डॉ. स्नेह पांडेय व डॉ पंकज द्विवेदी ने दीप जलाकर किया। वैक्सीनेशन कराने वालों में ग्राम गबड़हा चौबेपुर ब्लॉक, ग्राम ईश्वरीगंज कल्यानपुर ब्लॉक व नगर की किशोरियां शामिल थीं। इस अवसर पर रोटरी क्लब के रो. सुशील चक, निशांत बढ़ेरा, संध्या कुमार,

कानपुर, रविवार 17.11.2024 | 12

कंपू मेल दैनिक | अपना शहर

सर्वाइकल कैंसर से बचने को लगाई गई मुफ्त वैक्सीनेशन

कंपूमेल ब्यूरो/ कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु निःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस अभियान का शुभारंभ 28 सितम्बर को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा किया गया था। अभियान का दूसरा चरण 16 नवंबर को विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में सुभाषिनी शिवहरे फाउंडेशन, रोटरी क्लब कानपुर नार्थ और कैंसर पेशेंट एड एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किया गया।कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि शिविर में 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है।इसमें आम बच्चियां भी आ सकती हैं। उन्हें 16 नवंबर को अपराह्न 1 बजे तक पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के लिये राशन कार्ड या बीपीएल की प्रति लाना आवश्यक है। टीकाकरण अपराह्न 2 बजे से 3.30 बजे तक चला।

कानपुर शाश्वत टाइम्स राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

WWW.Shashwattimes.com | 02

कानपुर महानगर | रविवार 17 नवम्बर 2024

सरवाइकल कैंसर से बचाव शिविर में 74 बालिकाओं का किया गया नि:शुल्क टीकाकरण

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। शनिवार को सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में नि:शुल्क टीकाकरण अभियान छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं शुभासिनी शिवहरे फांउडेशन, रोटरी क्लब आफ कानपुर, रोटरी क्लब आफ कानपुर नार्थ, रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य, रोटरी क्लब आफ कानपुर विराट, कैंसर पैशेन्ट्स एंड एसोसिएशन के संयुक्त तात्वाधान में विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी, शुभ्रो सेन, सचिव, सेन ग्रुप, सुश्री रिचा महेश्वरी, सुभासिनी शिवहरे फांउडेशन, श्री अंकुर अंशवानी, रोटरी क्लब आफ कानपुर गौरव, उल्लास वाही, अध्यक्ष, रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य, भूपेश कुमार, रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य, विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा0 प्रवीन कटियार, डॉ0 मानस उपाध्याय, डॉ0 पुष्पा ममोरिया, डॉ0 स्नेह पांडेय तथा डॉ0 पंकज द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ।

रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य के भूपेश कुमार ने सभी का स्वागत किया तथा कानपुर [illegible] 3110 के रोटरी क्लबों द्वारा सरवाइकल कैंसर के नि:शुल्क टीकाकरण के संबंध में बताया। उन्होंने बताया कि आज तीन स्थानों पर टीकाकरण किया गया-

1.उषा पापुलर शिक्षा संस्थान, तहसील- नर्वल

2.डॉ0 एस0एन0 सेन ग्लोबल पब्लिक स्कूल, माल रोड

3.स्वास्थ्य केन्द्र, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर।

कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक ने कहा सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण के लिये सामाजिक संस्थाओ को आगे आना चाहिये। सुभासिनी शिवहरे फांउडेशन, कानपुर डिस्ट्रिक्ट के रोटरी क्लब आफ कानपुर, नार्थ, शौर्य एवं विराट का यह प्रयास सराहनीय है। वैक्सीनेशन हेतु टीम कैंसर पैशेन्ट्स एड एसोसिएशन, मुंबई द्वारा भेजी गयी थी। इसी टीम ने बालिकाओं का वैक्सीनेशन किया। आज स्वास्थ्य केन्द्र में कुल 74 बालिकाओं का वैक्सीनेशन नि:शुल्क हुआ। वैक्सीनेशन कराने वालों में ग्राम गबड़हा, चौबेपुर ब्लाक, ग्राम ईश्वरीगंज, कल्यानपुर ब्लाक, कानपुर नगर के आम नागरिकों की किशोरियाँ सम्मिलित थी।

दैनिक नगर संवाद | 17 नवम्बर, रविवार 2024 | हम बनेंगे, आपकी आवाज | 7

सरवाइकल कैंसर से बचाव में नि:शुल्क टीकाकरण अभियान

कानपुर (नगर संवाद)। सरवाइकल कैंसर से बचाव में किशोरियों को निःशुल्क टीकाकरण अभियान छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं सुभासिनी शिवहरे फाउंडेशन, रोटरी क्लब आफ कानपुर, रोटरी क्लब आफ कानपुर नार्थ, रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य, रोटरी क्लब आफ कानपुर विराट, कैंसर पैशेन्ट्स एंड एसोसिएशन के संयुक्त तात्वाधान में विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी, श्री शुभ्रो सेन, सचिव, सेन ग्रुप, सुश्री रिचा महेश्वरी, सुभासिनी शिवहरे फाउंडेशन, श्री अंकुर अंशवानी, रोटरी क्लब आफ कानपुर गौरव, रो0 उल्लास वाही, अध्यक्ष, रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य, श्री0 भूपेश कुमार, रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य, विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा0 प्रवीन कटियार, डॉ0 मानस उपाध्याय, डॉ0 पुष्पा ममोरिया, डॉ0 स्नेह पांडेय तथा डॉ0 पंकज द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ।

रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य के श्री भूपेश कुमार जी ने सभी का स्वागत किया तथा कानपुर [illegible] 3110 के रोटरी क्लबों द्वारा सरवाइकल कैंसर के निःशुल्क टीकाकरण के संबंध में बताया। उन्होंने बताया कि आज तीन स्थानों पर टीकाकरण किया गया-

1. उषा पापुलर शिक्षा संस्थान, तहसील- नर्वल

2. डॉ0 एस0एन0 सेन ग्लोबल पब्लिक स्कूल, माल रोड

3. स्वास्थ्य केन्द्र, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर।

कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी ने कहा सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण के लिये सामाजिक संस्थाओ को आगे आना चाहिये। सुभासिनी शिवहरे फाउंडेशन, कानपुर डिस्ट्रिक्ट के रोटरी क्लब आफ कानपुर, नार्थ, शौर्य एवं विराट का यह प्रयास सराहनीय है। वैक्सीनेशन हेतु टीम कैंसर पैशेन्ट्स एड एसोसिएशन, मुंबई द्वारा भेजी गयी थी। इसी टीम ने बालिकाओं का वैक्सीनेशन किया। आज स्वास्थ्य केन्द्र में कुल 74 बालिकाओं का वैक्सीनेशन निःशुल्क हुआ। वैक्सीनेशन कराने वालों में ग्राम गबड़हा, चौबेपुर ब्लाक, ग्राम ईश्वरीगंज, कल्यानपुर ब्लाक, कानपुर नगर के आम नागरिकों की किशोरियाँ सम्मिलित थी। इस अवसर पर रोटरी क्लब के रो0 सुशील चक, रो0 निशांत बढ़ेरा, सुश्री रिचा महेश्वरी, सुश्री संध्या कुमार, श्री आयुष गुप्ता, श्री अंकुर अंशवानी, श्री ज्वाय निगम आदि एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

कानपुर 8 | रविवार, 17 नवम्बर 2024

NRD नगराज दर्पण My City

विश्वविद्यालय में किशोरियों को सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु लगे टीके

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर। सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय एवं शुभासिनी शिवहरे फाउंडेशन, रोटरी क्लब आफ कानपुर, रोटरी क्लब आफ कानपुर नार्थ, रोटरी क्लब आफ कानपुर शौर्य, रोटरी क्लब आफ कानपुर विराट, कैंसर पैशेन्ट्स एंड एसोसिएशन के संयुक्त तात्वाधान में शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक , शुभ्रो सेन, रिचा महेश्वरी अंकुर अंशवानी,विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा0 प्रवीन कटियार, डॉ0 मानस उपाध्याय द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ।कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक ने कहा सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण के लिये सामाजिक संस्थाओ को आगे आना चाहिये। सुभासिनी शिवहरे फांउडेशन, कानपुर डिस्ट्रिक्ट के रोटरी क्लब आफ कानपुर, नार्थ, शौर्य एवं विराट का यह प्रयास सराहनीय है।

वैक्सीनेशन हेतु टीम कैंसर पैशेन्ट्स एड एसोसिएशन, मुंबई द्वारा भेजी गयी थी। इसी टीम ने बालिकाओं का वैक्सीनेशन किया। आज स्वास्थ्य केन्द्र में कुल 74 बालिकाओं का वैक्सीनेशन निःशुल्क हुआ। वैक्सीनेशन कराने वालों में ग्राम गबड़हा, चौबेपुर ब्लाक, ग्राम ईश्वरीगंज, कल्यानपुर ब्लाक, कानपुर नगर के आम नागरिकों की किशोरियाँ सम्मिलित थी। इस अवसर पर रोटरी क्लब के रो0 सुशील चक, रो0 निशांत बढ़ेरा, रिचा महेश्वरी,संध्या कुमार,आयुष गुप्ता,अंकुर अंशवानी, ज्वाय निगम आदि उपस्थित थे।

15 | कानपुर, रविवार 17 नवम्बर 2024 | DT दीनार टाइम्स | कानपुर न्यूज

DT दीनार टाइम्स www.dtstar.in पर क्लिक करें
ताजा खबरों के लिए और दीनार टाइम्स ई-पेपर के लिए वेबसाइट पर जाएं

सरवाइकल कैंसर से बचाव के लिये सामाजिक संस्थाओं को आगे आना चाहिये

14 | DT दीनार टाइम्स | कानपुर न्यूज

सरवाइकल कैंसर से बचाव के लिये सामाजिक संस्थाओं को आगे आना चाहिये

RIO NEWS 24

समाचार | साक्षात्कार | शिक्षा | सोशल मीडिया से | कला-मनोरंजन | रियो न्यूज 24 खास | विमर्श/आलेख | धर्म-कर्म-ज्योतिष

सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु निःशुल्क टीकाकरण अभियान हुआ आयोजित

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 अप्रैल को निशुल्क टीकाकरण

विश्व विद्यालय द्वारा किशोरियों में सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु निशुल्क टीकाकरण अभियान का प्रारंभ उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा दिनांक 28 सितंबर 2024 को किया गया था। तत्पश्चात दिनांक 16 नवंबर को निशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। तीसरे निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. सुधीर कुमार अवस्थी, मुख्य अतिथि वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डा. वंदना पाठक एवं एनएसएस यूनिट 05 के कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रवीन कटियार द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि विश्वविद्यालय समाज को स्वस्थ रखने के अपने प्रयासों के अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से कर रहा है। विश्वविद्यालय आगे भी इस अभियान

मुख्य अतिथि वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डा. वंदना पाठक ने किशोरियों एवं उनकी माताओं को सर्वाइकल कैंसर के कारणों एवं उससे बचाव के उपाय बताए। उन्होंने गांव के स्कूल की किशोरियों से सर्वाइकल कैंसर एवं

61 किशोरियों को अंतिम डोज एवं 15 किशोरियों को प्रथम डोज लगाया गया। टीकाकरण हेतु ग्राम होरा कछार, ईश्वरीगंज, टिक्कन पुरवा, बरहट बांगर, सुनौढ़ा, गबड़हा, खड़गपुर, बलदेव पुरवा, पिपरी, बरूआ खुर्द, राजाराम पुर, घनश्यामपुर, बाल्हीपुर एवं उदेतपुर की किशोरियां आईं। जीएसवीएम मेडिकल कालेज कानपुर की टीम द्वारा किशोरियों को टीका लगाया गया। इस टीम में श्रीमती प्रीता एवं सीता थीं।

कार्यक्रम के संयोजन में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। पंचम यूनिट के स्वयं सेवकों- कुलदीप, नीरज, श्वेता, कशिश, अंकित, अनुराग, हर्षित, मनीष, उत्कर्ष, भक्ति आदि ने सक्रिय योगदान दिया। वैक्सीन की आपूर्ति हेतु नेहरू पी जी कॉलेज, छिबरामऊ, कन्नौज एवं वी एसएसडी कॉलेज, कानपुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र की नर्स श्रीमती उषा, श्री अनुराग मिश्रा, श्री सुशील दिवाकर एवं श्री सचिन ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 20 मई 2025 को निशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में विश्वविद्यालय, सुभाषिनी शिवहरे फाउंडेशन, रोटरी क्लब ऑफ कानपुर, रोटरी क्लब ऑफ कानपुर नॉर्थ एवं रोटरी क्लब ऑफ कानपुर विराट के संयुक्त तत्वाधन में किया गया।

ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु निशुल्क टीकाकरण अभियान का प्रारंभ उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा दिनांक 28 सितंबर 2024 को किया गया था। तत्पश्चात दिनांक 16 नवंबर 2024 एवं 17 अप्रैल 2025 को निशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। चौथे निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक द्वारा किया गया। टीकाकरण हेतु ग्राम ईश्वरीगंज, गबड़हा, एवं फत्तेपुर तथा नगर के विभिन्न क्षेत्रों की किशोरियां टीकाकरण हेतु आईं।

टीकाकरण में 16 नवंबर 2024 को वैक्सीन का प्रथम डोज प्राप्त करने वाली 44 किशोरियों को द्वितीय डोज तथा 06 किशोरियों को प्रथम डोज लगाया गया।

इस अवसर पर रोटरी के प्रोग्राम चेयरमैन एमपीएचएफ रोटेरियन अनुराग जैन एवं रोटेरियन अपर्णा जैन, रोटेरियन सुभाषिनी खन्ना, रोटरी क्लब कानपुर — अध्यक्ष रोटेरियन राजीव अग्रवाल, सचिव रोटेरियन दीपक अग्रवाल, रोटरी क्लब ऑफ कानपुर नॉर्थ — अध्यक्ष रोटेरियन निशांत वडेरा, सचिव रोटेरियन क्षितिज अग्रवाल,मयंक गुप्ता, रोटरी क्लब ऑफ कानपुर विराट — अध्यक्ष रोटेरियन अमित झा, सचिव रोटेरियन संजय टंडन का सक्रिय सहयोग रहा।

कानपुर सिटी

कानपुर | बुधवार • 21.05.2025 03

amarujala.com/kanpur

अमर उजाला my city

छात्राओं को लगी वैक्सीन की दूसरी डोज

कानपुर। रोटरी क्लब ऑफ कानपुर, नॉर्थ और विराट के सहयोग से सीएसजेएमयू के हेल्थ सेंटर में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कैंप लगाया गया। यहां नौ से 14 वर्ष की 50 छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर की दूसरी डोज लगाई गई। इससे पहले शुभारंभ कुलपति प्रो. विनय कटियार, प्रोफेसर डॉ. प्रवीण कटियार, अपर्णा जैन, अनुराग जैन, अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, निशांत वडेरा और अमित झा ने किया। यहां दीपक अग्रवाल, क्षितिज अग्रवाल, संजय टंडन मौजूद रहे। (संवाद)

छात्रा को वैक्सीन लगातीं डॉक्टर। स्रोत : संस्थान

कानपुर 8

बुधवार, 21 मई 2025

NRD नगराज दर्पण My City

सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु चला टीकाकरण अभियान

कानपुर, बुधवार, 21 मई 2025 06

अपना कानपुर

हिन्दुस्तान www.livehindustan.

50 बालिकाओं को लगाई गई वैक्सीन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चौथा निशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया गया। 50 किशोरियों में से 44 को द्वितीय डोज और छह को प्रथम डोज लगाया गया। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने अभियान का उद्घाटन किया। डॉ. प्रवीन कटियार ने बताया कि ईश्वरीगंज, गबरहा, फत्तेपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों की किशोरियां टीकाकरण के लिए आईं।

19 कानपुर, मंगलवार 20 मई 2025

DT दीनार टाइम्स

कानपुर न्यूज़

स्टूडेंट्स को दी सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन

रोटरी क्लब्स का बेटियों के स्वास्थ्य की दिशा में सराहनीय प्रयास

जागरण सिटी कानपुर

दैनिक जागरण कानपुर, बुधवार, 21 मई 2025

सीएसजेएमयू में आयोजित शिविर में प्रमाण पत्र के साथ बालिकाएं • जागरण

50 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव की वैक्सीन

जासं, कानपुर: रोटरी क्लब आफ कानपुर, रोटरी क्लब आफ कानपुर विराट व रोटरी क्लब आफ कानपुर नार्थ ने सीएसजेएमयू के हेल्थ सेंटर में शिविर लगाया। इस दौरान 50 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव की वैक्सीन दी गई।

रोटरी क्लब ने बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए एक टीका एक जीवन अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत शिविर आयोजित कर टीकाकरण किया जा रहा है। शिविर में नौ से 14 वर्ष तक की बालिकाओं को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई। उनको प्रणाम पत्र भी दिए लगए। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, सुभाषिनी खन्ना, प्रो. प्रवीण कटियार, राजीव अग्रवाल, दीपक अग्रवाल,निशांत वडेरा, सचिव क्षितिज अग्रवाल, रोटरी क्लब आफ कानपुर विराट के अध्यक्ष अमित झा, सचिव संजय टंडन आदि उपस्थित रहे।

महानगर

आज

कानपुर

21 मई 2025 5

किशोरियों को लगाया गया निःशुल्क सर्वाइकल टीका

विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु वैक्सीन लगवाने के सम्बन्ध में विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम

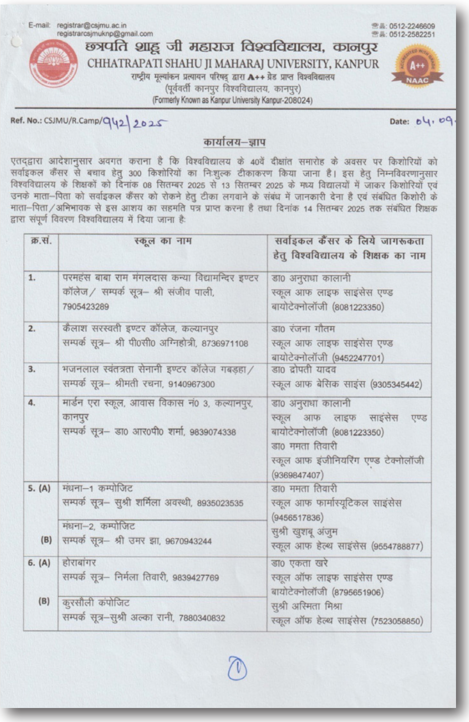

E-mail: registrar@csjmu.ac.in
registrarcsjmuknp@gmail.com

☎: 0512-2246609
☎: 0512-2582251

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा A++ ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
(पूर्ववर्ती कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर)
(Formerly Known as Kanpur University Kanpur-208024)

Ref. No.: CSJMU/R.Camp/942/2025 Date: 04.09.

कार्यालय–ज्ञाप

एतद्द्वारा आदेशानुसार अवगत कराना है कि विश्वविद्यालय के 40वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु 300 किशोरियों का निःशुल्क टीकाकरण किया जाना है। इस हेतु निम्नविवरणानुसार विश्वविद्यालय के शिक्षकों को दिनांक 08 सितम्बर 2025 से 13 सितम्बर 2025 के मध्य विद्यालयों में जाकर किशोरियों एवं उनके माता–पिता को सर्वाइकल कैंसर को रोकने हेतु टीका लगवाने के संबंध में जानकारी देना है एवं संबंधित किशोरी के माता–पिता/अभिभावक से इस आशय का सहमति पत्र प्राप्त करना है तथा दिनांक 14 सितम्बर 2025 तक संबंधित शिक्षक द्वारा संपूर्ण विवरण विश्वविद्यालय में दिया जाना है:

क्र.सं.	स्कूल का नाम	सर्वाइकल कैंसर के लिये जागरूकता हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षक का नाम
1.	परमहंस बाबा राम मंगलदास कन्या विद्यामन्दिर इण्टर कॉलेज/ सम्पर्क सूत्र– श्री संजीव पाली, 7905423289	डा0 अनुराधा कालानी स्कूल आफ लाइफ साइंसेस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी (8081223350)
2.	कैलाश सरस्वती इण्टर कॉलेज, कल्यानपुर सम्पर्क सूत्र– श्री पी0सी0 अग्निहोत्री, 8736971108	डा0 रंजना गौतम स्कूल आफ लाइफ साइंसेस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी (9452247701)
3.	भजनलाल स्वंतत्रता सेनानी इण्टर कॉलेज गबड़हा/ सम्पर्क सूत्र– श्रीमती रचना, 9140967300	डा0 द्रोपती यादव स्कूल आफ बेसिक साइंस (9305345442)
4.	मार्डन एरा स्कूल, आवास विकास नं0 3, कल्यानपुर, कानपुर सम्पर्क सूत्र– डा0 आर0पी0 शर्मा, 9839074338	डा0 अनुराधा कालानी स्कूल आफ लाइफ साइंसेस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी (8081223350) डा0 ममता तिवारी स्कूल आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (9369847407)
5. (A)	मंधना–1 कम्पोजिट सम्पर्क सूत्र– सुश्री शर्मिला अवस्थी, 8935023535	डा0 ममता तिवारी स्कूल आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस (9456517836)
(B)	मंधना–2, कम्पोजिट सम्पर्क सूत्र– श्री उमर झा, 9670943244	सुश्री खुशबू अंजुम स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस (9554788877)
6. (A)	होराबांगर सम्पर्क सूत्र– निर्मला तिवारी, 9839427769	डा0 एकता खरे स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी (8795651906)
(B)	कुरसौली कंपोजिट सम्पर्क सूत्र–सुश्री अल्का रानी, 7880340832	सुश्री अस्मिता मिश्रा स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस (7523058850)

1

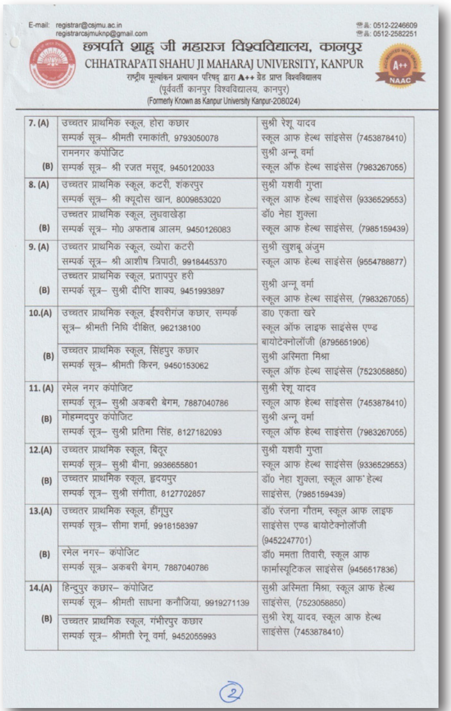

E-mail: registrar@csjmu.ac.in
registrarcsjmuknp@gmail.com

☎: 0512-2246609
☎: 0512-2582251

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा A++ ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
(पूर्ववर्ती कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर)
(Formerly Known as Kanpur University Kanpur-208024)

7. (A)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, होरा कछार सम्पर्क सूत्र– श्रीमती रमाकांती, 9793050078	सुश्री रेशू यादव स्कूल आफ हेल्थ सांइसेस (7453878410)
(B)	रामनगर कंपोजिट सम्पर्क सूत्र– श्री रजत मसूद, 9450120033	सुश्री अन्नू वर्मा स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस (7983267055)
8. (A)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, कटरी, शंकरपुर सम्पर्क सूत्र– श्री क्यूदोस खान, 8009853020	सुश्री यशवी गुप्ता स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस (9336529553)
(B)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, लुधवाखेड़ा सम्पर्क सूत्र– मो0 अफताब आलम, 9450126083	डॉ0 नेहा शुक्ला स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस, (7985159439)
9. (A)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, ख्योरा कटरी सम्पर्क सूत्र– श्री आशीष त्रिपाठी, 9918445370	सुश्री खुशबू अंजुम स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस (9554788877)
(B)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, प्रतापपुर हरी सम्पर्क सूत्र– सुश्री दीप्ति शाक्य, 9451993897	सुश्री अन्नू वर्मा स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस, (7983267055)
10.(A)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, ईश्वरीगंज कछार, सम्पर्क सूत्र– श्रीमती निधि दीक्षित, 962138100	डा0 एकता खरे स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी (8795651906)
(B)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, सिंहपुर कछार सम्पर्क सूत्र– श्रीमती किरन, 9450153062	सुश्री अस्मिता मिश्रा स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस (7523058850)
11. (A)	रमेल नगर कंपोजिट सम्पर्क सूत्र– सुश्री अकबरी बेगम, 7887040786	सुश्री रेशू यादव स्कूल आफ हेल्थ सांइसेस (7453878410)
(B)	मोहम्मदपुर कंपोजिट सम्पर्क सूत्र– सुश्री प्रतिमा सिंह, 8127182093	सुश्री अन्नू वर्मा स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस (7983267055)
12.(A)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, बिठूर सम्पर्क सूत्र– सुश्री बीना, 9936655801	सुश्री यशवी गुप्ता स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस (9336529553)
(B)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, ह्रदयपुर सम्पर्क सूत्र– सुश्री संगीता, 8127702857	डॉ0 नेहा शुक्ला, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस, (7985159439)
13.(A)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, हींगूपुर सम्पर्क सूत्र– सीमा शर्मा, 9918158397	डॉ0 रंजना गौतम, स्कूल आफ लाइफ साइंसेस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी (9452247701)
(B)	रमेल नगर– कंपोजिट सम्पर्क सूत्र– अकबरी बेगम, 7887040786	डॉ0 ममता तिवारी, स्कूल आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस (9456517836)
14.(A)	हिन्दुपुर कछार– कंपोजिट सम्पर्क सूत्र– श्रीमती साधना कनौजिया, 9919271139	सुश्री अस्मिता मिश्रा, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस, (7523058850)
(B)	उच्चतर प्राथमिक स्कूल, गंभीरपुर कछार सम्पर्क सूत्र– श्रीमती रेनू वर्मा, 9452055993	सुश्री रेशू यादव, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस (7453878410)

2

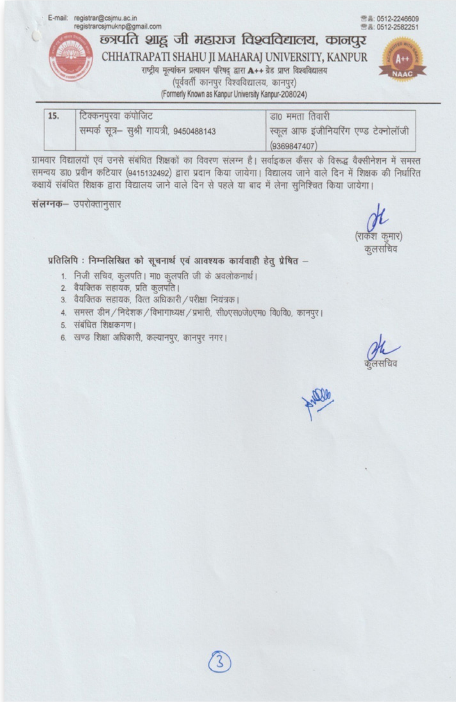

E-mail: registrar@csjmu.ac.in
registrarcsjmuknp@gmail.com

☎: 0512-2246609
☎: 0512-2582251

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा A++ ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
(पूर्ववर्ती कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर)
(Formerly Known as Kanpur University Kanpur-208024)

15.	टिक्कनपुरवा कंपोजिट सम्पर्क सूत्र– सुश्री गायत्री, 9450488143	डा0 ममता तिवारी स्कूल आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (9369847407)

ग्रामवार विद्यालयों एवं उनसे संबंधित शिक्षकों का विवरण संलग्न है। सर्वाइकल कैंसर के विरूद्ध वैक्सीनेशन में समस्त समन्वय डा0 प्रवीन कटियार (9415132492) द्वारा प्रदान किया जायेगा। विद्यालय जाने वाले दिन में शिक्षक की निर्धारित कक्षायें संबंधित शिक्षक द्वारा विद्यालय जाने वाले दिन से पहले या बाद में लेना सुनिश्चित किया जायेगा।

संलग्नक– उपरोक्तानुसार

(राकेश कुमार)
कुलसचिव

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. निजी सचिव, कुलपति। मा0 कुलपति जी के अवलोकनार्थ।
2. वैयक्तिक सहायक, प्रति कुलपति।
3. वैयक्तिक सहायक, वित्त अधिकारी/परीक्षा नियंत्रक।
4. समस्त डीन/निदेशक/विभागाध्यक्ष/प्रभारी, सी0एस0जे0एम0 वि0वि0, कानपुर।
5. संबंधित शिक्षकगण।
6. खण्ड शिक्षा अधिकारी, कल्यानपुर, कानपुर नगर।

कुलसचिव

3

विश्वविद्यालय, ४०वे दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु निशुल्क टीकाकरण महा अभियान दिनांक 17 एवं 18 सितम्बर को विश्वविद्यालय के स्वस्थ्य केंद्र में आयोजित किया गया था। इस टीकाकरण अभियान में किशोरियों एवं उनके परिजनों को टीकाकरण के सम्बन्ध में जागरूक बनाने तथा उन्हें सर्वाइकल कैंसर के सम्बन्ध में जानकारी देने के लिए विश्वविद्यालय के महिला शिक्षक 21 विद्यालयों में गये और वहां शिक्षकों, किशोरियों एवं उनके परिजनों को सर्वाइकल कैंसर तथा उससे बचने हेतु टीककरण के लिए जागरूक किया।

विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु वैक्सीन लगवाने के सम्बन्ध में विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 09 सितंबर, दिन मंगलवार को परमहंस राममंगल दास के वी एम इंटर कॉलेज सवायजपुर, कानपुर नगर में विद्यालय के संस्थापक परमपूज्य श्री महाराज जी की पूर्व ईच्छा के निमित्त महिला चिकित्सकों द्वारा सर्वाइकल कैंसर के बचाव हेतु एचपीवी वेक्सीन के बारे में जागरूकता/परामर्श तथा वैक्सीनेशन के लिए पंजीकरण शिविर का आयोजन छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के सहयोग से किया गया। जिसमें विद्यालय की छात्राओं तथा महिला अभिभावको ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महिला अभिभावकों ने भी वेक्सीन के बारे में जानकारी प्राप्त की। टीकाकरण के लिए लगभग 100 छात्राओं ने पंजीकरण कराया। इस अवसर पर वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डा. वंदना पाठक, सचिव, नीमा ने बच्चों को सर्वाइकल कैंसर के बारे में विस्तृत जानकारी दी और इसके लक्षणों और बचाव के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम में Dean Project डॉ. अनुराधा कालानी ने भी बेटियों को सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूक किया और उन्हें वैक्सीन के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे वैक्सीन इस बीमारी से बचाव में मदद कर सकती है? इस अवसर पर श्रीमती मयूरी सिंह ने छात्राओं को प्रश्न उत्तर के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर और एचपीवी के बारे में जागरूक किया जिनका टीकाकरण कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन एवं कुलपति प्रो. विनय

इस जन-जागरूकता एवं स्वास्थ्य संवर्धन अभियान के अंतर्गत किशोरियों और उनके अभिभावकों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण के महत्व के बारे में व्यापक रूप से जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सर्वाइकल कैंसर के कारणों, लक्षणों, जोखिम कारकों तथा इसके प्रभावी बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि समय पर लगाया गया एचपीवी (HPV) टीका किशोरियों को भविष्य में होने वाले गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक, सचिव, नीमा, डॉ. अंजू मिश्रा एवं डॉ. संगीता मिश्रा ने अभिभावकों की शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें टीकाकरण की सुरक्षा, उपयोगिता एवं आवश्यकता के संबंध में वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया।

अंत में प्रधानाचार्य श्री संजीव द्विवेदी ने सभी चिकित्सकों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अतिरिक्त भजनलाल स्वतंत्रता सेनानी इंटर कॉलेज, गबड़हा, उच्चतर प्राथमिक विद्यालय होरा कछार, रामनगर कंपोजिट विद्यालय, लुधवाखेड़ा तथा सिंहपुर कछार सहित विभिन्न विद्यालयों में भी विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं शिक्षिकाओं द्वारा छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा महिला स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं।

विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु वैक्सीन लगवाने के सम्बन्ध में विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 10 सितम्बर को डॉ. अनुराधा कालानी एवं डॉ. ममता तिवारी ने मॉडर्न एरा स्कूल में, सुश्री खुशबू अंजुम ने मंधना कम्पोजिट 2 में, डॉ. एकता खरे एवं डॉ. अस्मिता मिश्रा ने होरा बांगर एवं कुरसौली कम्पोजिट में, डॉ. रंजना गौतम एवं डॉ. ममता तिवारी ने उच्चतर प्राथमिक स्कूल, हींगूपुर एवं रमेल नगर कम्पोजिट विद्यालय में किशोरियों को जागरूक किया। दिनांक 11 सितम्बर को डॉ. ममता तिवारी ने टिक्कन पुरवा कम्पोजिट स्कूल तथा डॉ. रंजना गौतम ने कैलाश सरस्वती इंटर कॉलेज में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर तथा टीककरण के सम्बन्ध में सभी को जागरूक किया.

विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण महाअभियान में हुआ 352 किशोरियों का टीकाकरण

मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन से 40वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण महाभियान दिनांक 17 एवं 18 सितम्बर को आयोजित किया गया। दिनांक 17 सितम्बर 2025 को 150 किशोरियों को टीकाकरण एवं दिनांक 18 सितम्बर 2025 को 202 किशोरियों को टीका लगाया गया। इस महाभियान में कुल 352 किशोरियों को निशुल्क टीका लगाया गया। 17 सितम्बर 2025 को परमहंस राम मंगल दास विद्या इंटर कॉलेज, सवाईपुर, भजन लाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इंटर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर एवं मंधना कम्पोज़िट -01 की किशोरियों को निशुल्क टीका लगाया गया। 18 सितम्बर को मंधना-2 कम्पोज़िट, होरा बाँगर विद्यालय, कुरसौली कम्पोज़िट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, गम्भीरपुर कछार, राम नगर कम्पोज़िट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, कटरी, शंकरपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय, लुधवाखेड़ा, उच्च प्राथमिक विद्यालय, हींगूपुर एवं टिक्कन पुरवा कम्पोज़िट विद्यालय की किशोरियों को टीका लगाया गया। वैक्सीन उपलब्ध कराने में रोटरी क्लब ऑफ़ कानपुर, रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड, नेहरू कॉलेज, छिबरामऊ, कन्नौज , विश्नोई क्लासेज प्राइवेट लिमिटेड, एवं बैजनाथ ज्वैलर्स का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, एवं कानपुर पीडियाट्रिक एसोसिएशन की टीम द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. अनुराधा कालानी, डॉ. द्रोपती यादव, डॉ. नेहा शुक्ला, डॉ. एकता खरे, डॉ. ममता तिवारी, सुश्री खुशबू अंजुम, सुश्री अस्मिता मिश्रा, सुश्री रेशू यादव , सुश्री अन्नू वर्मा, डॉ. रंजना गौतम, डॉ. ममता तिवारी, फार्मेसी एवं स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ का महत्व पूर्ण सहयोग अभियान के संयोजन में रहा। टीकाकरण अभियान हेतु समन्वय डा. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत हुआ 112 किशोरियों का टीकाकरण

दिनांक 17 दिसंबर 2025 को मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा तथा कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन में सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों के लिए निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के अंतर्गत 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को एचपीवी टीके की द्वितीय डोज तथा 17 किशोरियों को प्रथम डोज प्रदान की गई।

टीकाकरण कार्यक्रम परमहंस राम मंगलदास विद्या इंटर कॉलेज, सवाईपुर, भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इंटर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर, मंधना-1 कंपोजिट विद्यालय, संविलयन विद्यालय होरा बाँगर, रामनगर कंपोजिट विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय लुधवाखेड़ा तथा प्राथमिक विद्यालय बरहट बाँगर सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कानपुर की वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य एवं सचिव, नीमा, उत्तर प्रदेश (वीमेन फोरम) डॉ. वंदना पाठक, डॉ. अंजू मिश्रा, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. प्रवीन कटियार, डॉ. मुदित वर्मा, डॉ. अनुराधा कालानी तथा अन्य शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. वंदना पाठक ने किशोरियों का उत्साहवर्धन करते हुए एचपीवी टीके के महत्व, उसकी सुरक्षा तथा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में उसकी प्रभावी भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों ने किशोरियों एवं अभिभावकों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम ने महिला स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने तथा भविष्य में कैंसर-मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध किया।

विचार व्यक्त किये गए। भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर, की प्रधानाचार्या श्रीमती रचना कटियार द्वारा विश्वविद्यालय के इस टीकाकरण अभियान की भूरि भूरि प्रसंशा की गयी। वैक्सीन उपलब्ध कराने में रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड, एस.जे. महाविद्यालय, रमईपुर, कानपुर एवं माँ शीतला देवी त्रिजुगी नारायण महिला महाविद्यालय का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. अनुराधा कालानी, डॉ. नेहा शुक्ला, डॉ. चन्द्रशेखर कुमार, श्रीमती मयूरी सिंह, श्री दया शंकर रस्तोगी, श्री संतोष, सुश्री रेशू यादव, श्री पंकज आदि उपस्थिति थे। टीकाकरण में स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ का महत्व पूर्ण सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान हेतु समन्वय डा. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया।

दैनिक वरदान हिन्दी दैनिक — कानपुर गुरुवार 18 दिसम्बर 2025 — 4

विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत हुआ ११२ किशोरियों का टीकाकरण

कानपुर दैनिक वरदान मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन से सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को द्वितीय डोज एवं 17 किशोरियों को एच पी वी टीके का प्रथम डोज लगाया गया। आज परमहंस राम मंगलदास विद्या इंटर कालेज, सवाईपुर, भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर, मंधना 1 कम्पोज़िट विद्यालय, संविलायन विद्यालय, होरा बाँगर, राम नगर कम्पोज़िट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, लुधवाखेड़ा, प्राथमिक विद्यालय, बरहट बांगर, आदि विद्यालय की किशोरियों को निशुल्क टीका लगाया गया। आज के कार्यक्रम का उद्घाटन कानपुर की वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य एवं सचिव, नीमा , उ. प्र.(वीमेन फोरम) डा वंदना पाठक, डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा , डा प्रवीन कटियार, डा मुदित वर्मा, डा अनुराधा कालानी एवं अन्य शिक्षक गण द्वारा दीप प्रज्जवलन द्वारा हुआ। मुख्य अतिथि डा वंदना पाठक ने किशोरियों का उत्साह वर्धन किया एवं उन्हें एच पी वी टीके के लाभ से अवगत कराया। इस अवसर पर डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा, डा मुदित वर्मा एवं डा अनुराधा कालानी द्वारा विचार व्यक्त किये गए। भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर, की प्रधानाचार्या श्रीमती रचना कटियार द्वारा विश्वविद्यालय के इस टीकाकरण अभियान की भूरि भूरि प्रसंशा की गयी। वैक्सीन उपलब्ध कराने में रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड, एस जे महाविद्यालय, रमईपुर, कानपुर एवं माँ शीतला देवी त्रिजुगी नारायण महिला महाविद्यालय का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ अनुराधा कालानी, डॉ नेहा शुक्ला, डॉ चन्द्रशेखर कुमार, श्रीमती मयूरी सिंह, श्री दया शंकर रस्तोगी, श्री संतोष , रेशू यादव, श्री पंकज आदि उपस्थिति थे। टीकाकरण में स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ का महत्व पूर्ण सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान हेतु समन्वय डॉ प्रवीन कटियार द्वारा किया गया।

संजय कुमार मालवी को टॉप पर्सनालिटी ऑफ द ईयर अवार्ड २०२५

दैनिक वरदान श्री सत्य इंदिरा फाउंडेशन जयपुर राजस्थान की रजिस्टर्ड संस्था है तथा राष्ट्रपति एवं ... झोपड़ी वाले स्लम एरिया में बच्चो को पढ़ाना, उनको किताब, कापी,कपड़े,ड्रेस आदि वितरित करना, गरीब बस्ती में अनाज वितरण करना, ठंड में स्वेटर, कंबल आदि का वितरण करना, गौ सेवा ... क्षेत्र में जनहित एवं राष्ट्रहित कल्याण एवं सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों में अपना योगदान देते है, लोगो को सहायता करते रहते है। संस्था द्वारा उनके ...

---

45 कानपुर — DT दीनार टाइम्स — कानपुर न्यूज़

निःशुल्क टीकाकरण अभियान के तहत 112 का टीकाकरण

डीटीएनएन कानपुर
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन से सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को द्वितीय डोज एवं 17 किशोरियों को एच पी वी टीके का प्रथम डोज लगाया गया। आज परमहंस राम मंगलदास विद्या इंटर कालेज, सवाईपुर, भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबडहा, चौबेपुर, मंधना 1 कम्पोजिट विद्यालय, संविलायन विद्यालय, होरा बाँगर, राम नगर कम्पोजिट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, लुधवाखेडा, प्राथमिक विद्यालय, बरहट बांगर, आदि विद्यालय की किशोरियों को निशुल्क टीका लगाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कानपुर की वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य एवं सचिव, नीमा , उ. प्र.(वीमेन फोरम) डा वंदना पाठक, डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा , डा प्रवीन कटियार, डा मुदित वर्मा, डा अनुराधा कालानी एवं अन्य शिक्षक गण द्वारा दीप प्रज्जवलन द्वारा हुआ। मुख्य अतिथि डा वंदना पाठक ने किशोरियों का उत्साह वर्धन किया एवं उन्हें एच पी वी टीके के लाभ से अवगत कराया। इस अवसर पर डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा, डा मुदित वर्मा एवं डा अनुराधा कालानी द्वारा विचार व्यक्त किये गए। भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबडहा, चौबेपुर, की प्रधानाचार्या श्रीमती रचना कटियार द्वारा विश्वविद्यालय के इस टीकाकरण अभियान की भूरि भूरि प्रसंशा की गयी। वैक्सीन उपलब्ध कराने में रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड, एस जे महाविद्यालय, रमईपुर, कानपुर एवं माँ शीतला देवी त्रिजुगी नारायण महिला महाविद्यालय का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ अनुराधा कालानी, डॉ नेहा शुक्ला, डॉ चन्द्रशेखर कुमार, श्रीमती मयूरी सिंह, श्री दया शंकर रस्तोगी, श्री संतोष , रेशू यादव, श्री पंकज आदि उपस्थिति थे। टीकाकरण में स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ का महत्व पूर्ण सहयोग ...

---

6 दैनिक जागरण, Kanpur, 18 December 2025

iNEXT CITY FOCUS

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 112 गर्ल्स का वैक्सीनेशन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (17 Dec): सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वेडनसडे को सीएसजेएम यूनिवर्सिटी में टीनेजर्स के लिए फ्री वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया. इसके अंतर्गत 15 साल और उससे ज्यादा एज की 95 गर्ल्स को सेकेंड डोज एवं 17 गर्ल्स को एचपीवी वैक्सीन की फर्स्ट डोज लगाई गई. कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य एवं सचिव, नीमा, उ. प्र.(वीमेन फोरम) डा. वंदना पाठक, डॉ. अंजू मिश्रा, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. प्रवीन कटियार, डॉ. मुदित वर्मा, डॉ. अनुराधा कालानी एवं अन्य टीचर्सR ने दीप प्रज्जवलन कर किया. मुख्य अतिथि डॉ. वंदना पाठक ने गर्ल्स का उत्साहवर्धन किया. उन्हें एचपीवी वैक्सीन के लाभ से अवगत कराया. वैक्सीन उपलब्ध कराने में रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड, एसजे महाविद्यालय, रमईपुर, कानपुर एवं मां शीतला देवी त्रिजुगी नारायण महिला महाविद्यालय का महत्त्वपूर्ण सहयोग रहा. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. अनुराधा कालानी, डॉ नेहा शुक्ला, डॉ. चन्द्रशेखर कुमार, मयूरी सिंह, दया शंकर रस्तोगी,संतोष, रेशू यादव आदि उपस्थिति थे.

गुरुवार, 18 दिसंबर 2025 — कानपुर महानगर

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण

कानपर। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए सीएसजेएमयू की ओर से 121 किशोरियों का टीकाकरण किया गया। इनमें 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को द्वितीय डोज व 17 किशोरियों को एचपीवी टीके का प्रथम डोज लगाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य एवं सचिव, नीमा, डा वंदना पाठक ने किया। इस दौरान डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा , डा प्रवीन कटियार, डा मुदित वर्मा, डा अनुराधा कालानी भी मौजूद रहे। डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा, डा मुदित वर्मा एवं डा अनुराधा कालानी ने विचार व्यक्त किये। भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर, की प्रधानाचार्या रचना कटियार द्वारा विश्वविद्यालय के इस टीकाकरण अभियान की प्रसंशा की गयी। वैक्सीन उपलब्ध कराने में रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड, एसजे महाविद्यालय, रमईपुर व माँ शीतला देवी त्रिजुगी नारायण महिला महाविद्यालय का सहयोग रहा। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया।

नगर छाया www.nagarchhaya.com — कानपुर छाया — कानपुर 18 दिसम्बर, 2025 — 3

राज्यपाल की प्रेरणा से चला एचपीवी टीकाकरण अभियान, विद्यालयों की किशोरियाँ हुईं लाभान्वित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन से सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को द्वितीय डोज एवं 17 किशोरियों को एच पी वी टीके का प्रथम डोज लगाया गया।

बुधवार को परमहंस राम मंगलदास विद्या इंटर कालेज, सवाईपुर, भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर, मंधना 1 कम्पोज़िट विद्यालय, संविलायन विद्यालय, होरा बाँगर, राम नगर कम्पोज़िट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, लुधवाखेड़ा, प्राथमिक विद्यालय, बरहट बांगर, आदि विद्यालय की किशोरियों को निशुल्क टीका लगाया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन कानपुर की वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य एवं सचिव, नीमा , उ. प्र.(वीमेन फोरम) डा वंदना पाठक, डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा , डा प्रवीन कटियार, डा मुदित वर्मा, डा अनुराधा कालानी एवं अन्य शिक्षक गण द्वारा दीप प्रज्जवलन द्वारा हुआ। मुख्य अतिथि डा वंदना पाठक ने किशोरियों का उत्साह वर्धन किया एवं उन्हें एच पी वी टीके के लाभ से अवगत कराया।

इस अवसर पर डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा, डा मुदित वर्मा एवं डा अनुराधा कालानी द्वारा विचार व्यक्त किये गए। भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबडहा, चौबेपुर, की प्रधानाचार्या श्रीमती रचना कटियार द्वारा विश्वविद्यालय के इस टीकाकरण अभियान की भूरि भूरि प्रसंशा की गयी।

वैक्सीन उपलब्ध कराने में रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड, एस जे महाविद्यालय, रमईपुर, कानपुर एवं माँ शीतला देवी त्रिजुगी नारायण महिला महाविद्यालय का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ अनुराधा कालानी, डॉ नेहा शुक्ला, डॉ चन्द्रशेखर कुमार, श्रीमती मयूरी सिंह, श्री दया शंकर रस्तोगी, श्री संतोष , रेशू यादव, श्री पंकज आदि उपस्थिति थे। टीकाकरण में स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ का महत्व पूर्ण सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान हेतु समन्वय डॉ प्रवीन कटियार द्वारा किया गया।

कानपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025 — 08

अपना कानपुर

हिन्दुस्तान www.livehindust...

सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका निःशुल्क लगाया

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) की ओर से सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 112 किशोरियों को निःशुल्क टीका लगाया गया।राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से चल रहे अभियान के तहत 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को द्वितीय डोज और 17 किशोरियों को एचपीवी टीके की प्रथम डोज लगाई गई।उद्घाटनवरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक, डॉ. अंजू मिश्रा, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. प्रवीन कटियार, डॉ. मुदित वर्मा ने किया।वैक्सीन उपलब्ध कराने में रीजेंसी , एसजे महाविद्यालय आदि का सहयोग रहा।

आज

कानपुर, 18 दिसम्बर 2025

महानगर

टीकाकरण के बाद मौजूद किशोरियां व अन्य।

112 किशोरियों को लगाया गया सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका

कानपुर, 17 दिसम्बर। सीएसजेएम विश्वविद्यालय की ओर से सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान के तहत आज 112 किशोरियों का टीकाकरण किया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के निर्देशन में चल रहे अभियान में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को द्वितीय डोज एवं 17 किशोरियों को एच पी वी टीके का प्रथम डोज लगाया गया। आज परमहंस राम मंगलदास विद्या इंटर कालेज, सवाईपुर, भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबढ़हा, चौबेपुर, मंधना कम्पोजिट विद्यालय, संविलायन विद्यालय, होरा बाँगर, राम नगर कम्पोजिट, उच्चच प्राथमिक विद्यालय, लुधवाखेड़ा, प्राथमिक विद्यालय, बरहट बांगर, आदि विद्यालय की किशोरियों को निशुल्क टीका लगाया गया। इस दौरान वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डा वंदना पाठक, डा अंजू मिश्रा, डा संगीता मिश्रा, डा प्रवीन कटियार, डा मुदित वर्मा, डा अनुराधा कालानी आदि मौजूद रही।

कंपू मेल दैनिक — अपना शहर

कानपुर, गुरुवार 18.12.2025 — 12

सर्वाइकल कैंसर से बचने को 112 किशोरियों को लगाया टीका

कंपूमेल ब्यूरो/कानपुर। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर को लेकर सरकार ने बचाव के लिए एक मुहिम चला रखी है। इसके अंतर्गत किशोरियों को कैंसर से बचने के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। यह पूरी तरह से निशुल्क लगता है। जिसका लाभ 9 वर्ष के बाद किशोरी ले सकती हैं। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव का वैक्सीन किशोरियों को लगाया गया। इस टीकाकरण अभियान में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को द्वितीय डोज एवं 17 किशोरियों को एचपीवी टीके का प्रथम डोज लगाया गया। यह टीकाकरण कैंप बुधवार को परमहंस राम मंगलदास विद्या इंटर कालेज, सवाईपुर, भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर, मंधना 1 कम्पोज़िट विद्यालय, सविलायन विद्यालय, होरा बाँगर, राम नगर कम्पोज़िट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, लुधवाखेड़ा, प्राथमिक विद्यालय, बरहट बांगर आदि विद्यालय की किशोरियों को निशुल्क टीका लगाया गया। कैंप का उद्घाटन वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य एवं सचिव नीमा, वीमेन फोरम डा. वंदना पाठक, डा. अंजू मिश्रा, डा. संगीता मिश्रा, डा. प्रवीन कटियार, डा. मुदित वर्मा, डा. अनुराधा कालानी एवं अन्य शिक्षकगण द्वारा दीप प्रज्जवलन द्वारा हुआ। भजनलाल स्वतंत्राता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज गबड़हा चौबेपुर की प्रधानाचार्या रचना कटियार द्वारा विश्वविद्यालय के इस टीकाकरण अभियान की भूरि भूरि प्रसंशा की गयी। वैक्सीन उपलब्ध कराने में रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड, एसजे महाविद्यालय, रमईपुर एवं माँ शीतला देवी त्रिजुगी नारायण महिला महाविद्यालय का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक डा. नेहा शुक्ला, डा. चन्द्रशेखर कुमार, मयूरी सिंह, दया शंकर रस्तोगी, संतोष, रेशू यादव, पंकज आदि लोग उपस्थिति थे।

विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत हुआ 130 किशोरियों का टीकाकरण

दिनांक 17 दिसंबर 2025 को मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन से सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 95 किशोरियों को द्वितीय डोज एवं 17 किशोरियों को एचपीवी टीके का प्रथम डोज लगाया गया। 17 दिसंबर 2025 को परमहंस राम मंगलदास विद्या इंटर कालेज, सवाईपुर, भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज, गबड़हा, चौबेपुर, मंधना 1 कम्पोज़िट विद्यालय, संविलायन विद्यालय, होरा बाँगर, राम नगर कम्पोज़िट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, लुधवाखेड़ा, प्राथमिक विद्यालय, बरहट बांगर, आदि विद्यालय की किशोररियों को निशुल्क टीका लगाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कानपुर की वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य एवं सचिव, नीमा , उ. प्र.(वीमेन फोरम) डा. वंदना पाठक, डॉ. अंजू मिश्रा, डॉ. संगीता मिश्रा , डा. प्रवीन कटियार, डा. मुदित वर्मा, डॉ. अनुराधा कालानी एवं अन्य शिक्षक गण द्वारा दीप प्रज्जवलन द्वारा हुआ। मुख्य अतिथि डा. वंदना पाठक ने किशोरियों का उत्साह वर्धन किया एवं उन्हें एच पी वी टीके के लाभ से अवगत कराया।

06
अपना कानपुर
हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

अमर उजाला
my city
हम लोग
130 किशोरियों को लगा निःशुल्क टीका

31
कानपुर न्यूज़
130 किशोरियों को लगा सर्वाइकल कैंसर का टीका

अमृत विचार
कानपुर महानगर
VIII
www.amritvichar.com

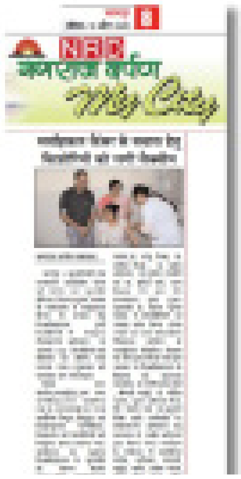
My City

3

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत हुआ 79 किशोरियों का टीकाकरण।

दिनांक 18 अप्रैल 2026 को मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन से सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 79 किशोरियों को अंतिम डोज लगाया गया|

18 अप्रैल 2026 को मंधना 1 कम्पोज़िट, मंधना 2 कम्पोज़िट, होराबांगर, कुरसौली कम्पोज़िट, उच्च प्राथमिक विद्यालय , कटरी, शंकरपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय, गंभीरपुर कछार, एवं भजनलाल स्वतन्त्रा संग्राम इंटर कॉलेज, गबड़हा एवं अन्य स्थानों की किशोरियों को वैक्सीन का अंतिम डोज़ निशुल्क लगाया गया। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया। टीकाकरण में स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ - नर्स श्रीमती उषा एवं डा अनुराग मिश्रा का महत्वपूर्ण पूर्ण सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान हेतु समन्वय डा. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजन में वालंटियर मनीष, कृतिका, मानसी, कुमुद, सागर, प्रतीक पटेल, प्रतीक मौर्या, तान्या, हर्षित गंगवार, अदनान, मानमेंद्र आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कानपुर सिटी

कानपुर | रविवार • 19.04.2026 | 04

amarujala.com/kanpur

अमर उजाला my city

79 किशोरियों को लगाया टीका

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीका लगवाती छात्रा। स्रोत: संस्था

कानपुर। सीएसजेएमयू की ओर से चलाए जा रहे निशुल्क टीकाकरण अभियान के तहत शनिवार को 79 किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव का अंतिम डोज लगाया गया। यह अभियान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से चल रहा है। इसके तहत मंधना, कुरसौली, कटरी, गंभीरपुर कछार व गबड़हा समेत विभिन्न क्षेत्रों में टीकाकरण किया गया। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की टीम ने किशोरियों को टीके लगाए। इसमें डॉ. अनुराग मिश्रा और स्वास्थ्य केंद्र की नर्स उषा ने सहयोग किया। समन्वय डॉ. प्रवीन कटियार ने किया। (संवाद)

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 19 अप्रैल 2026 | कानपुर महानगर | VIII | www.amritvichar.com

79 किशोरियों का टीकाकरण किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएसजेएमयू की ओर से सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण अभियान के तहत 79 किशोरियों को अंतिम डोज लगाया गया। यह अभियान शनिवार को मंधना 1 कम्पोजिट, मंधना 2 कम्पोजिट, होराबांगर, कुरसौली कम्पोजिट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, कटरी, शंकरपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय, गंभीरपुर कछार में चला। इसी तरह अभियान के तहत भजनलाल स्वतन्त्र संग्राम इंटर कॉलेज, गबड़हा एवं अन्य स्थानों की किशोरियों को वैक्सीन का अंतिम डोज निशुल्क लगाया गया।

किशोरियों को टीका लगाया गया। अमृत विचार

टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया। टीकाकरण में स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ नर्स उषा एवं डा अनुराग मिश्रा का सहयोग रहा। अभियान का समन्वय डॉ. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया। वालंटियर मनीष, कृतिका, मानसी, कुमुद, सागर, प्रतीक पटेल, प्रतीक मौर्या, तान्या, हर्षित गंगवार, अदनान, मानमेंद्र शामिल रहे।

RIO NEWS 24

समाचार | साक्षात्कार | शिक्षा | सोशल मीडिया से.. | कला-मनोरंजन | रियो न्यूज़ 24 पत्र

कानपुर विश्वविद्यालय: निःशुल्क टीकाकरण अभियान में 79 किशोरियों का टीकाकरण

Facebook | Twitter | Stumbleupon | LinkedIn | Pinterest

कानपुर नगर। सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत आज 79 किशोरियों को अंतिम डोज लगाया गया।

आज मंधना 1 कम्पोजिट, मंधना 2 कम्पोजिट, होराबांगर, कुरसौली कम्पोजिट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, कटरी, शंकरपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय, गंभीरपुर कछार, एवं भजनलाल स्वतन्त्रता संग्राम इंटर कॉलेज, गबड़हा एवं अन्य स्थानों की किशोरियों को वैक्सीन का अंतिम डोज निशुल्क लगाया गया। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया।

टीकाकरण में स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ नर्स उषा एवं डॉ. अनुराग मिश्रा का सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान हेतु समन्वय डॉ. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजन में वालंटियर मनीष, कृतिका, मानसी, कुमुद, सागर, प्रतीक पटेल, प्रतीक मौर्या, तान्या, हर्षित गंगवार, अदनान, मानमेंद्र सम्मिलित रहे।

RELATED ARTICLES

दैनिक नगर संवाद | 19 अप्रैल, रविवार 2026 | हम बनेंगे, आपकी आवाज | 3

निःशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत हुआ 79 किशोरियों का टीकाकरण

वेद गुप्ता

कानपुर (नगर संवाद)। शनिवार को कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन से सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में निशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत आज 79 किशोरियों को अंतिम डोज लगाया गया। आज मंधना 1 कम्पोजिट, मंधना 2 कम्पोजिट, होराबांगर, कुरसौली कम्पोजिट, उच्च प्राथमिक विद्यालय, कटरी, शंकरपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय, गंभीरपुर कछार, एवं भजनलाल स्वतन्त्रा संग्राम इंटर कॉलेज, गबड़हा एवं अन्य स्थानों की किशोरियों को वैक्सीन का अंतिम डोज निशुल्क लगाया गया। टीका लगाने का कार्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम द्वारा किया गया। टीकाकरण में स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ - नर्स श्रीमती उषा एवं डा अनुराग मिश्रा का महत्वपूर्ण पूर्ण सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान हेतु समन्वय डॉ. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजन में वालंटियर मनीष, कृतिका, मानसी, कुमुद, सागर, प्रतीक पटेल, प्रतीक मौर्या, तान्या, हर्षित गंगवार, अदनान, मानमेंद्र आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

एनएसएस यूनिट 5, विश्वविद्यालय परिसर 2 फरवरी 25 स्वच्छता संबंधी जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान को विश्वविद्यालय परिसर की एनएसएस यूनिट 5 द्वारा एक दिवसीय शिविर के अंतर्गत बसंत पंचमी के अवसर पर ग्राम होरा कछार में स्वच्छता संबंधी जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। सर्वप्रथम स्वयंसेवकों ने ग्राम सचिवालय में मां सरस्वती देवी का पूजन किया। इसके बाद सभी स्वयंसेवकों ने गांव में जाकर ग्रामीणों को स्वच्छता के संबंध में बताया तथा गांव के गली कूचों की सफाई की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ श्याम मिश्रा, ग्राम प्रधान श्री राम नारायण राजपूत एवं एनएसएस यूनिट पांच के कार्यक्रम अधिकारी डा प्रवीन कटियार उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों ने गांव में दिनांक 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान एवं निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग तथा निःशुल्क जांच शिविर कैंप के पंपलेट भी बांटे तथा ग्राम वासियों को शिविर का लाभ लेने हेतु ग्राम वासियों को आमंत्रित किया।

दिनांक 04 फरवरी 2025 को 'विश्व कैंसर दिवस' के अवसर पर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना पंचम इकाई द्वारा एक स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान, निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग एवं निःशुल्क जांच शिविर, ग्राम सचिवालय, होरा कछार, विकास खण्ड- कल्यानपुर, कानपुर में आयोजित किया गया।

इस स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में ग्राम वासियों को जे.के. कैंसर संस्थान, कानपुर के चिकित्सकों डा0 सौरभ प्रकाश, डा0 आयुषी सिंह एवं डा0 जितेन्द्र कश्यप द्वारा कैंसर के संबंध में जानकारी दी गयी साथ ही साथ ग्रामवासियों की निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग की गयी। अमर उजाला फांउडेशन के सहयोग से ग्रामवासियों की निःशुल्क जांचे- ब्लड टेस्ट (सी.बी.सी.), रैन्डम ब्लड शुगर, आँखों की जांच, बल्ड प्रेशर, ब्ल्ड गुरप आदि की गयी। बड़ी संख्या में ग्रामवासी इस शिविर में आये और निःशुल्क जांच एवं परामर्श का लाभ लिया। आज 83 ग्राम वासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क परामर्श दिया गया।

साथ ही साथ ग्राम होरा कछार के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ0 श्याम मिश्रा, विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना पंचम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा0 प्रवीन कटियार तथा ग्राम होरा कछार के प्रधान श्री राम नारायन राजपूत उपस्थित थे। एन.एस.एस. पंचम इकाई के स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर शिविर में प्रतिभाग किया। स्वयंसेवक गाँव में घर-घर गये तथा ग्राम वासियों को स्वास्थ्य परीक्षण हेतु शिविर में लाये।

दिनांक 15 फरवरी 2025 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना पंचम इकाई (डा0 बी.सी. राय इकाई) द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तृतीय एक दिवसीय शिविर ग्राम होरा कछार, विकास खण्ड- कल्यानपुर में आयोजित किया गया। इस शिविर के अन्तर्गत ग्राम होरा कछाार के प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा ग्रामवासियों को पर्सनल हाइजीन (व्यक्तिगत स्वच्छता) व इनवायरमेंटल हाइजीन (पर्यावरणीय स्वच्छता) विषय के संबंध में जानकारी राष्ट्रीय सेवा योजना पंचम इकाई के स्वयंसेवको ने दी। विद्यार्थियों को रोज हाथ धोने, दाँतों को साफ करने, बड़े हुये नाखून काटने, स्वच्छ कपड़े पहनने की महत्ता बताकर स्वस्थ रहने के संबंध में प्रेरित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना पंचम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा0 प्रवीन कटियार ने विद्यार्थियों एवं ग्रामवासियों को स्वच्छता के लाभ बताये तथा उन्हें स्वयं को एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा गाँव में स्वच्छता जागरूकता रैली भी निकाली गयी। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती पूजा सिंह एवं श्रीमती दीप्ति जयसवाल तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती रमाकांति, शिक्षक श्री अखिलेश कुमार सिंह तथा राष्ट्रीय सेवा योजना पंचम इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

दिनांक 24 फरवरी को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा एक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम- सचिवालय, ग्राम -होरा कछार में प्रारंभ किया गया। इस शिविर का उद्देश्य है- स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण तथा सामुदायिक सेवा। आज शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अनिल कुमार यादव द्वारा किया गया। कुलसचिव जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों को सेवा की महत्ता को समझकर अधिक से अधिक सेवा कार्य करना चाहिए। विद्यार्थी ग्रामीण परिवेश को भी समझें, वहां की समस्याओं एवं अच्छी बातों को जानें। ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने में सहायता करें। इस अवसर पर कुलसचिव जी को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ श्याम मिश्रा ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। यूनिट 5 के कार्यक्रम अधिकारी डा प्रवीन कटियार ने स्वयंसेवकों को सात दिवसीय शिविर में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि शिविर के प्रत्येक क्षण को अच्छे से जिएं एवं अपने अनुभवों की फिल्म को अच्छा बनाएं। कल शिविर के द्वितीय दिन स्वयंसेवकों को पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण के विषय में विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता, शोध डॉ अनुराधा कालानी तथा स्वस्थ आहार के संबंध में स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस की न्यूट्रीशन विषय की असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, श्रीमती अमीना जैदी जानकारी देंगे। इसके साथ ही साथ स्वयंसेवक ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याओं के विषय में जानेंगे।

दिनांक 25 फरवरी को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के द्वितीय दिन ग्राम- सचिवालय, ग्राम -होरा कछार में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रातः स्वयंसेवकों द्वारा योगाभ्यास किया गया। स्वयंसेवक शांभवी ने सभी स्वयंसेवकों को योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। छात्रा बुशरा ने सभी को जूडो के विषय में बताया तथा आत्मरक्षा के लिए जूडो सीखने की महत्ता से सभी को अवगत कराया। प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ अनुराधा कालानी, अधिष्ठाता, शोध, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने स्वयंसेवकों को पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण के संबंध में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक एक पौधा लगाए तथा उसकी देखभाल करे।

"हड्डियों को स्वस्थ रखने हेतु कैल्शियम एवं विटामिन डी युक्त आहार का सेवन आवश्यक" दिनांक 01 मार्च 2025 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन ग्राम- सचिवालय, ग्राम -होरा कछार में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। दिन का प्रारंभ स्वयंसेवकों द्वारा भारत मां की वंदना से हुआ। योगाभ्यास के पश्चात् स्वयंसेवक गांव में घर-घर जाकर ग्राम वासियों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का लाभ लेने हेतु बुलाने गए। आज के निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर में ग्राम वासियों की सीबीसी, रैंडम ब्लड शुगर, ब्लड ग्रुप, ब्लड प्रेशर, आँखों की जांच निःशुल्क कर उन्हें निःशुल्क परामर्श दिया गया। मरीजों को उचित खान पान की सलाह भी दी गई। स्वयंसेवक ग्रामीणों को उनके घर से मेडिकल चेकअप के लिए लेकर आए। आज के तकनीकी सत्र में नगर के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. एएस प्रसाद ने स्वयंसेवकों एवं ग्राम वासियों को "हड्डियों को स्वस्थ रखने के संबंध" में बताया। उन्होंने कहा कि हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए कैल्सियम एवं विटामिन डी अत्यंत आवश्यक है।

बच्चे, जवान एवं बूढों सभी के लिए कैल्सियम युक्त डाइट का सेवन अत्यंत आवश्यक है। यदि व्यक्ति को भोजन में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम नहीं मिलता है तो उसकी दवा लेनी होगी। इसके साथ ही साथ विटामिन डी की भी दवा लेना आवश्यक है। आज कल बच्चों, महिलाओं, जवानों एवं बूढ़ों, सभी में कैल्सियम एवं विटामिन डी की कमी पाई जा रही है। अत: सभी को चिकित्सक की सलाह पर विटामिन डी एवं कैल्सियम सप्लीमेंट लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा बोन हेल्थ के लिए नियमित व्यायाम/ जॉगिंग अत्यंत आवश्यक है। व्यायाम से कैल्शियम का बोन में सर्कुलेशन उचित रहता है। ग्राम होरा कछार के प्रधान श्री राम नारायण राजपूत ने डा. एएस प्रसाद से गर्दन में दर्द, शहर एवं देहात के वासियों के व्यवहार आदि के संबंध में प्रश्न भी पूंछे। डा. एएस प्रसाद ने सभी प्रश्नों का उत्तर दिया तथा सभी को अपने जीवन के अनुभव से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन एक फिल्म की तरह है।

आप इस फिल्म के हीरो बनेंगे या विलेन, इसका निर्णय आपको स्वयं लेना होगा। सेवा का उत्तम कार्य कर, अच्छे नागरिक बन अपनी फिल्म अच्छी, हैप्पी एंडिंग वाली बनाएं। डा. एएस प्रसाद ने ग्राम वासियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें परामर्श दिया। कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रवीन कटियार एवं ग्राम प्रधान श्री राम नारायण राजपूत ने डा एएस प्रसाद को स्मृति चिह्न भेंट किया। रोज की तरह आज भी विद्यार्थियों ने अपना नाश्ता एवं भोजन स्वयं बनाया तथा बर्तनों एवं परिसर की साफ सफाई स्वयं की। भोजन के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने विशेष शिविर के अपने अनुभवों को साझा किया तथा सेवा कार्य को उत्कृष्ट कैसे बनाया जाए, इस पर चर्चा की। स्वयंसेवकों ने सायं में अंताक्षरी भी खेली। कल दिनांक 2 मार्च को शिविर के अंतिम दिन वरिष्ठ नाक गान एवं गला रोग विशेषज्ञ डा. पंकज गुलाटी कानों की देखभाल तथा नगर के समाज सेवी एवं पालीवाल डायग्नोस्टिक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर डा उमेश पालीवाल तकनीकी सत्र में स्वयं सेवकों को जानकारी देंगे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि हैं- ब्रह्मावर्त पीजी कॉलेज, मन्धना के प्राचार्य प्रो. वीके कटियार तथा विशिष्ट अतिथि हैं- विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ श्याम मिश्रा।

" शरीर को स्वस्थ रखने हेतु शारीरिक स्वच्छता एवं मानसिक स्वच्छता आवश्यक" आज दिनांक 02 मार्च 2025 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें एवं अंतिम दिन ग्राम- सचिवालय, ग्राम -होरा कछार में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिन का प्रारंभ स्वयंसेवकों द्वारा प्रभु की प्रार्थना से हुआ। योगाभ्यास के पश्चात् स्वयंसेवक गांव में गए तथा ग्रामीणों का हाल चाल पूंछा। कुछ स्वयं सेवकों ने पूरे शिविर के दौरान ग्राम वासियों से बहुत ही आत्मीय संबंध बना लिए। प्रथम तकनीकी सत्र में प्रसिद्ध समाज सेवी एवं पालीवाल डायग्नोस्टिक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर डा. उमेश पालीवाल ने विद्यार्थियों एवं ग्राम वासियों को स्वच्छता की महत्ता बताई। उन्होंने बताया कि स्वच्छता दो प्रकार की होती है- शारीरिक एवं मानसिक। शारीरिक स्वच्छता में पर्सनल स्वच्छता जैसी कि रोज नहाना, मंजन करना, साफ कपड़े पहनना, नाखून एवं बाल साफ तथा उचित प्रकार से रखना इत्यादि आती हैं। मानसिक स्वच्छता में क्रोध न करना, किसी के प्रति विद्वेष की भावना न रखना आदि आता है, जो कि मन को शांत करता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दोनों प्रकार की स्वच्छता आवश्यक है। उन्होंने स्वस्थ भोजन के विषय में भी बताया। छात्रा टीना ने उनसे पूंछा कि चना कौन सा अच्छा है। उन्होंने बताया कि अंकुरित चना सबसे अच्छा है।

द्वितीय तकनीकी सत्र में वरिष्ठ नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डा. पंकज गुलाटी ने विद्यार्थियों को नाक, कान एवं गले की सामान्य बीमारियों से बचने के उपाय बताए। शिविर के समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे- ब्रह्मावर्त पी जी कॉलेज, मन्धना के प्राचार्य एवं कानपुर यूनिवर्सिटी प्रिंसिपल एसोसिएशन के जनरल सेक्रेट्री प्रो. वीके कटियार। तथा विशिष्ट अतिथि थे-विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. श्याम मिश्रा। मुख्य अतिथि प्रो. वीके कटियार ने स्वयंसेवकों को श्रेष्ठ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पूरे कैंप के दौरान ली गई अपनी फोटो से मूवी बनाने की प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया।

- प्रथम पुरस्कार- शिवपाल यादव एवं टीम
- द्वितीय पुरस्कार- अभिषेक एवं टीम
- तृतीय पुरस्कार- कशिश एवं टीम
- सांत्वना पुरस्कार- अमित

विजेताओं को यूनिट 5 के कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रवीन कटियार ने नकद धनराशि (प्रथम- 1001, द्वितीय- 751/, तृतीय501/ एवं सांत्वना 251/) भी पुरस्कार स्वरूप प्रदान की। प्रो. वीके कटियार ने स्वयंसेवकों को श्रेष्ठ सेवा कार्य करने तथा उन्हें अच्छा इंसान बनने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि डा. श्याम मिश्रा सफलता पूर्वक सात दिवसीय शिविर के समापन पर स्वयंसेवकों को बधाई दी तथा उन्हें राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों के अनुसार श्रेष्ठ कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रवीन कटियार ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। सायं में स्वयंसेवकों द्वारा हंसीखुशी गायन एवं नृत्य के साथ शिविर का समापन हुआ। स्वयंसेवक 'नॉट मी बट यू' को बढ़ावा देने तथा 'शेयरिंग इज केरिंग', 'ग्रेटीट्यूड इज बेस्ट एटीट्यूड' की सीख ले कर घर गए।

दिनांक 26 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना की पंचम इकाई द्वारा चतुर्थ एक दिवसीय शिविर ग्राम होरा कछार ब्लॉक कल्याणपुर में आयोजित किया गया। इस शिविर में एनएसएस यूनिट 5 के वॉलिंटियर्स ग्राम होरा कछार में घर-घर गए और उनसे एनएसएस पंचम इकाई द्वारा ग्राम में की गई विभिन्न गतिविधियों के प्रभाव के बारे में जानकारी ली। साथ ही साथ उनसे उनकी समस्याओं के विषय में भी पूंछा। कुछ नागरिकों ने बताया कि एनएसएस यूनिट 5 द्वारा आयोजित किए गए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर से उन्हें अत्यंत लाभ मिला है। कुछ महिलाओं ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से उनकी आंखों की बीमारी के समस्या ठीक हो रही है। साथ ही साथ ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों द्वारा हाइजीन के संबंध में बताई गई बातों के संबंध भी चर्चा की और बताया कि गांव के बच्चे अच्छी हाइजीन का पालन करना सीख रहे हैं। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि सात दिवसीय शिविर के माध्यम से विभिन्न बातों के बारे में गांव में जागरूकता आई है। विद्यार्थियों द्वारा सेवा के कार्य किया जाना गांव के बच्चों के लिए भी एक प्रेरणा है। इस अवसर पर एनएसएस यूनिट 5 के कार्यक्रम अधिकारी डा प्रवीन कटियार तथा स्वयंसेवक उपस्थित थे।

स्वच्छता, मतदाता एवं जल संरक्षण शपथ

स्वच्छता

- मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूँगा।
- हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा।
- मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूँगा।
- सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गाँव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूँगा।
- मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहाँ के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं। इस विचार के साथ मैं गाँव-गाँव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूँगा।
- मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा।
- वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूँगा
- मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

राष्ट्रीय मतदाता

"हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।"

जल संरक्षण शपथ

मैं भारत का जागरूक नागरिक
निष्ठापूर्वक यह शपथ लेता हूँ
कि मैं आज से जल का दुरुपयोग नहीं करूँगा
न ही इसके लिये मैं अपने परिवार इष्ट मित्रों
एवं अपने आस-पास के लोगों को संरक्षण के लिए
प्रेरित करूँगा।

माननीय कुलपति जी की प्रेरणा से स्कूल आफ आर्ट ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम शेखूपुर ब्लॉक-मैथा कानपुर देहात में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया.

आज दिनांक 4 अप्रैल 2025 को माननीय कुलपति जी की प्रेरणा से स्कूल आफ आर्ट ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम मलिकपुर , ब्लॉक-मैथा कानपुर देहात में एक कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता श्री चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री जी ने अपने विचार व्यक्त किए। शिविर में श्री अग्निहोत्री जी ने लगभग 20 ग्राम वासियों की कानूनी समस्याओं का समाधान कर उनको उचित राय प्रदान की । शिविर में कुछ वाद सिविल प्रकृति के कुछ फौजदारी के एवं अन्य समस्याएं महिलाओं से संबंधित थी । शिविर में ग्राम की प्रधान सोनी देवी एवं प्राथमिक स्कूल की अध्यापिका अनीता कनौजिया ने शिविर को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर प्रशांत ने किया। कार्यक्रम के अंत में सहसंयोजक डॉ राहुल तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विश्वविद्यालय के आर्ट्स ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज विभाग के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

एनसीसी कैडेट्स ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक साइकिल रैली निकाली.

आज छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के   एनसीसी कैडेट्स ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक साइकिल रैली निकाली जो की उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए गांव में महिलाओं को जागरूक करने के लिए निकाल गई एनसीसी कैडेट का स्वागत ग्राम प्रधान ने किया कार्यक्रम में डॉ प्रशांत मिश्रा डॉक्टर अंकित त्रिवेदी डॉक्टर मयूरी सिंह आदि उपस्थित रहे

माननीय कुलपति जी की प्रेरणा से स्कूल आफ आर्ट ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम शेखूपुर ब्लॉक-मैथा कानपुर देहात में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

आज दिनांक 25 मार्च 2025 को माननीय कुलपति जी की प्रेरणा से स्कूल आफ आर्ट ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम शेखूपुर ब्लॉक-मैथा कानपुर देहात में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के लैंग्वेज स्कूल के निदेशक डॉक्टर सर्वेश मणि त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर अंकित त्रिवेदी ने अपने विचार व्यक्त किए। शिविर में डॉक्टर राकेश अरोड़ा हृदय रोग विशेषज्ञ ने स्कूल के बच्चों एवं ग्राम वासियों को स्वास्थ्य के लिए जागरूक किया, डॉक्टर साहब ने आठ लोगों के हृदय की जांच कर उनको परामर्श दिया। आर० के० देवी मेमोरियल हॉस्पिटल कानपुर की डॉक्टर नूरीन ने शिविर में आए 106 रोगियों का नेत्र परीक्षण कर परामर्श दिया। जिनमें आंखों से पानी आना, ग्लू कोमा और मोतियाबिंद के मरीज थे। डॉक्टर सरस्वती कुशवाहा जनरल फिजिशियन ने 45 रोगियों का परीक्षण कर उनको परामर्श भी दिया ,अधिकतर मरीज को पेट से संबंधित समस्याएं थी। पारस हॉस्पिटल का भी सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर में उपस्थित हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आदित्य अग्रवाल ने 12 मरीज का परीक्षण कर परामर्श भी दिया। कार्यक्रम में ग्राम की प्रधान किरन देवी एवं प्राथमिक स्कूल की प्रधानाचार्य श्वेता पांडे ने शिविर को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर प्रशांत ने किया। कार्यक्रम के अंत में सहसंयोजक डॉ एस०पी० वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विश्वविद्यालय के आर्ट्स ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज विभाग के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

अध्याय - 5

आंगनबाड़ी सशक्तिकरण

ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ये केंद्र न केवल बच्चों के प्रारंभिक विकास और पोषण का आधार हैं, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण तथा सामुदायिक जागरूकता के प्रमुख केंद्र भी हैं। इसी महत्व को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम में आंगनबाड़ी केंद्रों के सशक्तिकरण हेतु विभिन्न पहलें की गईं। इन प्रयासों का उद्देश्य आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना, बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना तथा महिलाओं एवं परिवारों को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान करना था।

आंगनबाड़ी सहयोग कार्यक्रमों के अंतर्गत केंद्रों की गतिविधियों को अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की गईं। बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं सामाजिक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रारंभिक बाल शिक्षा से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया गया। खेल-आधारित शिक्षण, रचनात्मक गतिविधियों, कहानी-कथन तथा शैक्षिक सामग्री के उपयोग के माध्यम से बच्चों के सीखने के वातावरण को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया। इन गतिविधियों ने बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ाने तथा विद्यालयी शिक्षा के लिए उन्हें तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बाल पोषण को आंगनबाड़ी सशक्तिकरण का प्रमुख आधार माना गया। इसके अंतर्गत बच्चों के नियमित स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर की निगरानी की गई तथा संतुलित आहार के महत्व के बारे में अभिभावकों को जागरूक किया गया। कुपोषण की रोकथाम, आयु के अनुसार उचित भोजन, स्वच्छ खान-पान की आदतों तथा पोषण संबंधी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से कमजोर एवं जोखिमग्रस्त बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया। इन पहलों ने बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास एवं स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए भी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को प्रसवपूर्व एवं प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण, टीकाकरण, स्तनपान तथा व्यक्तिगत स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं के सहयोग से महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व एवं शिशु देखभाल के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। इससे महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ी तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में सकारात्मक सुधार देखने को मिला।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उनके लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षणों में बाल विकास, पोषण प्रबंधन, स्वास्थ्य जागरूकता, अभिलेख संधारण, सामुदायिक सहभागिता तथा प्रारंभिक शिक्षा की नवीन पद्धतियों से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने कार्यकर्ताओं के ज्ञान, कौशल एवं कार्यक्षमता में वृद्धि की, जिससे वे अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकीं। इसके साथ ही उन्हें समुदाय के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने तथा सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करने के लिए भी सक्षम बनाया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों को सामुदायिक सहभागिता का केंद्र बनाने के उद्देश्य से अभिभावकों, स्थानीय समुदाय, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया गया। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, स्वास्थ्य शिविरों तथा संवाद सत्रों के माध्यम से समुदाय को बच्चों के पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से जोड़ा गया। इससे आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रति लोगों का विश्वास एवं सहभागिता दोनों बढ़े।

इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली में सुधार हुआ तथा बच्चों, महिलाओं एवं परिवारों को बेहतर सेवाएं प्राप्त होने लगीं। बच्चों के पोषण स्तर, प्रारंभिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य देखभाल में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला, जबकि महिलाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस प्रकार आंगनबाड़ी सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों ने ग्राम में बाल विकास, मातृ स्वास्थ्य तथा सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और ग्राम के समग्र विकास की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाया।

वित्त विवरण प्रक्रिया और सामग्री का विवरण: समन्वय, पारदर्शिता और सामूहिक उत्तरदायित्व का उदाहरण

शैक्षिक और स्वच्छता किटों का वितरण एक चरणबद्ध, वैज्ञानिक और समन्वित प्रक्रिया के अंतर्गत किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय समुदाय—सभी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। यह कार्य केवल वितरण तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका लक्ष्य था कि प्रत्येक केंद्र को उसकी स्थानीय आवश्यकताओं और बच्चों की शैक्षिक व स्वच्छता संबंधी जरूरतों के अनुसार सशक्त बनाया जाए।

प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र की भौगोलि क स्थिति, उपलब्ध आधारभूत सुविधाएँ, कार्यकर्ताओं की संख्या तथा बच्चों की आयु-संरचना को ध्यान में रखते हुए किटों का वितरण अत्यंत योजनाबद्ध ढंग से किया गया। पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता इस पूरी प्रक्रिया के मूल स्तंभ थे।

वितरण प्रक्रिया की प्रमुख विशेषताएँ:

- विश्वविद्यालय स्तर पर गठित निरीक्षण एवं मूल्यांकन दलों ने संबंधित जिलों के आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रारंभिक सर्वेक्षण कर उनकी आवश्यकताओं का आकलन किया।
- जिला प्रशासन ने सामग्री की सुरक्षित आपूर्ति एवं भंडारण सुनिश्चित करने के साथ-साथ वितरण स्थलों पर समुचित व्यवस्था, निगरानी तथा रिकॉर्डिंग की जिम्मेदारी भी कुशलतापूर्वक निभाई।
- आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की संख्या, आयु-समूह तथा शैक्षिक स्तर को ध्यान में रखते हुए किटों की सामग्री का वर्गीकरण एवं अनुकूलन किया गया।
- प्रत्येक किट में ऐसी सामग्री सम्मिलित की गई, जो बच्चों की जिज्ञासा को प्रोत्साहित करे, उनकी रचनात्मकता को बढ़ाए तथा उनमें स्वच्छता की मूलभूत आदतों का विकास कर सके।
- वितरण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को किटों के सही उपयोग, रख-रखाव तथा बच्चों के साथ उनके प्रभावी का र्यान्वयन संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

इस पहल ने बच्चों में :

- शैक्षिक जिज्ञासा को बढ़ाया।
- स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित की।
- मातृत्व एवं पितृत्व सहभागिता को प्रोत्साहित किया।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को नवाचार एवं प्रशिक्षण के नए अवसर प्रदान किए।

आभार :

हम गहरी कृतज्ञता के साथ आभार व्यक्त करते हैं -

- माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी का, जिनके प्रगतिशील दृष्टिकोण एवं सक्रिय सहभागिता ने इस कार्यक्रम को एक सामाजिक अभियान का स्वरूप प्रदान किया।
- प्रो. विनय कुमार पाठक जी, कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर का, जिनके कुशल नेतृत्व एवं संकल्पबद्ध दृष्टिकोण ने इस पहल को सफलतापूर्वक साकार किया।
- विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, जैसे महाविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों का, जिन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद लेकर उनके विकास एवं सुदृढ़ीकरण में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- जिला प्रशासन, विशेष रूप से जिलाधिकारियों, सीडीपीओ अधिकारियों तथा बाल विकास परियोजना इकाइयों का, जिनके सक्रिय सहयोग एवं व्यवस्थागत समर्थन के बिना यह कार्य संभव नहीं हो पाता।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का, जिन्होंने किटों का उचित एवं रचनात्मक उपयोग करते हुए बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सराहनीय कार्य किया।
- अभिभावकों एवं समुदाय के सदस्यों का, जिन्होंने इस प्रयास में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए इसे एक सामूहिक संकल्प एवं जनभागीदारी के सशक्त उदाहरण में परिवर्तित किया।

यह रिपोर्ट केवल एक परियोजना का विवरण नहीं है, बल्कि यह एक विचार, एक नेतृत्व और एक साझा संकल्प का सशक्त प्रमाण है, जो समाज के सबसे संवेदनशील वर्ग—हमारे नन्हे बच्चों—के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अग्रसर है। यह पहल आने वाले समय में अन्य राज्यों, विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों के लिए प्रेरणा का स्रोत सिद्ध होगी और सामाजिक परिवर्तन एवं बाल विकास के क्षेत्र में एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में स्थापित होगी।

कानपुर जनपद के 75 आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा
सम्पन्न बनाने हेतु आवश्यक वस्तुओं का वितरण कार्यक्रम

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
औद्योगिक इकाईयाँ / संगठन, कानपुर नगर

शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
के संयुक्त तत्वाधान में

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा बनियापुरवा गांव में सफलता पूर्वक एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया।कानपुर नगर की वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य श्रीमती डॉ वंदना पाठक बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रही। आयुर्वेदाचार्य वंदना जी के आशीर्वचन भी स्वयंसेवकों व ग्रामवासियों को प्राप्त हुए। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में मासिक धर्म एवं महिलाओं के पोषण पर व्याख्यान देकर गांव की महिलाओं को स्वास्थ्य,महिला सशक्तिकरण एवं समाज में बदलाव लाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर आयुर्वेदाचार्य डॉ० वंदना पाठक जी द्वारा निःशुल्क परामर्श, औषधियों का वितरण तथा सैनिटरी पैड गांव की महिलाओं को वितरित किया गया जिससे उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

एनएसएस अटल इकाई द्वारा सात दिवसीय शिविर का

प्रदीप शर्मा/कर्म कसौटी

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) अटल इकाई द्वारा आयोजित 7 दिवसीय शिविर के छठवें दिवस शनिवार को बनियापुरवा गांव में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक उपस्थित रही।

आयोजन की शुरुआत सभी स्वयंसेवकों द्वारा एनएसएस लक्ष्य गीत के सामूहिक गान से हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने मासिक धर्म एवं महिलाओं के पोषण पर व्याख्यान दिया उन्होंने गांव की महिलाओं को स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं समाज में बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। आयुर्वेदाचार्या डॉ.

वंदना पाठक द्वारा निःशुल्क परामर्श, औषधियों का वितरण तथा सैनिटरी पैड गांव की महिलाओं को वितरित किया गया जिससे उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

उन्होंने अपने व्याख पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देव स्वयंसेवकों को नारी सामाजिक बेड़ियों को त प्रति प्रेरित किया।

मासिक धर्म एवं महिलाओं के पोषण पर व्याख्यान

कानपुर, 1 मार्च। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) अटल इकाई की ओर से आयोजित सात दिवसीय शिविर के छठवें दिवस का आज बनियापुरवा गांव में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। दिन की शुरुआत सभी स्वयंसेवकों द्वारा पूरे उत्साह के साथ एनएसएस लक्ष्य गीत के सामूहिक गान से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य श्रीमती डॉ वंदना पाठक ने कहाकि मासिक धर्म एवं महिलाओं के पोषण पर व्याख्यान देकर गांव की महिलाओं को स्वास्थ्य,महिला सशक्तिकरण एवं समाज में बदलाव लाने हेतु प्रेरित किया। आयुर्वेदाचार्य डॉ० वंदना पाठक ने निःशुल्क परामर्श, औषधियों का वितरण तथा सैनिटरी पैड गांव की महिलाओं को वितरित किया गया जिससे उन्हें मासिक धर्म स्वज्छता के प्रति जागरूक किया गया। प्रधान श्रीमती प्रीति निषाद को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा 28 सितम्बर 2024 से 18 अप्रैल 2026 तक हुए निःशुल्क टीकाकरण का विवरण

क्रम संख्या	दिनांक	प्रथम डोज	द्वितीय डोज
01	28 सितंबर 2024	97	-
02	16 नवंबर 2024	74	-
03	17 अप्रैल 2025	15	61
04	20 मई 2025	06	44
05	17 सितम्बर 2025	150	-
06	18 सितम्बर 2025	202	-
07	17 दिसम्बर 2025	17	95
08	17 अप्रैल 2026	03	127
09	18 अप्रैल 2026	-	79
	कुल संख्या	**564**	**406**

नोट:- प्रस्तावित दिनांक 9 जुलाई 2026 को प्रातः 9:30 बजे चयनित छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर की प्रथम वैक्सीन डोज दिया जाना है

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

चित्रकला प्रतियोगिता
द्वितीय/अंतिम चरण

(चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के कक्षा समूहवार प्रथम दो विजेताओं के मध्य)

कक्षा समूह-01
(कक्षा 03 से 05 तक)

विषय:
मेरे देश का झण्डा

विजेता: प्रतिज्ञा
कक्षा: 05
प्राथमिक विद्यालय होरा कछार

कक्षा समूह-02
(कक्षा 06 से 08 तक)

विषय:
स्वच्छ भारत-सुन्दर भारत
विजेता: गीता राजपूत
कक्षा: 08
उच्च प्राथमिक विद्यालय, होरा कछार

कक्षा समूह-03
(कक्षा 09 से 10 तक)

विषय:
मेरा विद्यालय

विजेता: पलक
कक्षा: 09
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज

कक्षा समूह-04
(कक्षा 11 से 12 तक)

विषय:
पर्यावरण संरक्षण
विजेता: प्रियांशी कश्यप
कक्षा: 11
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज

झलकियाँ

चित्रकला प्रतियोगिता

द्वितीय चरण/अंतिम चरण

दिनांक: 01 सितम्बर 2025

कक्षा समूह-01

(कक्षा 03 से 05 तक)

विषय : मेरे देश का झण्डा

नाम: प्रतिज्ञा
कक्षा: 05
विद्यालय का नाम:
प्राथमिक विद्यालय, होरा कछार
स्थान: प्रथम

नाम: देव कश्यप
कक्षा: 05
विद्यालय का नाम:
प्राथमिक विद्यालय द्वितीय गबड़हा
स्थान: द्वितीय

चित्रकला प्रतियोगिता
द्वितीय चरण/अंतिम चरण
दिनांक: 10 अगस्त 2024
कक्षा समूह-02
(कक्षा 06 से 08 तक)
विषय : स्वच्छ भारत-सुन्दर भारत

नाम: गीता राजपूत
कक्षा: 08
विद्यालय का नाम:
उच्च प्राथमिक विद्यालय, होरा कछार
स्थान: प्रथम

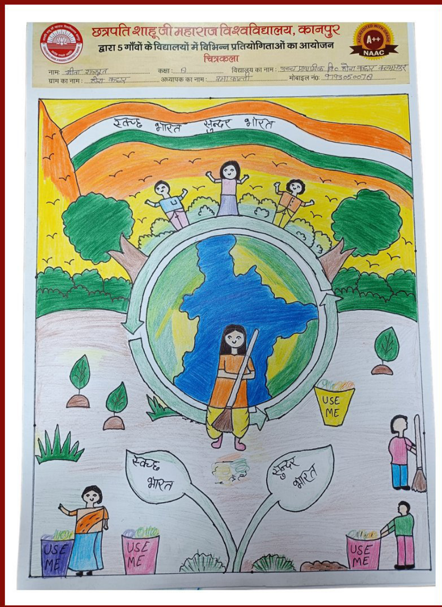

नाम: पायल
कक्षा: 08
विद्यालय का नाम:
पूर्व माध्यमिक विद्यालय गबड़हा
स्थान: द्वितीय

चित्रकला प्रतियोगिता

द्वितीय चरण/अंतिम चरण

कक्षा समूह-03

(कक्षा 09 से 10 तक)

विषय : मेरा विद्यालय

नाम: पलक कश्यप

कक्षा: 09

विद्यालय का नाम:

भजन लाल स्व॰ सं॰ से॰ इण्टर कॉलेज

स्थान: प्रथम

नाम: सौरभ दिवाकर
कक्षा: 10
विद्यालय का नाम:
राजकीय हाई स्कूल, बैकुंठपुर
स्थान: द्वितीय

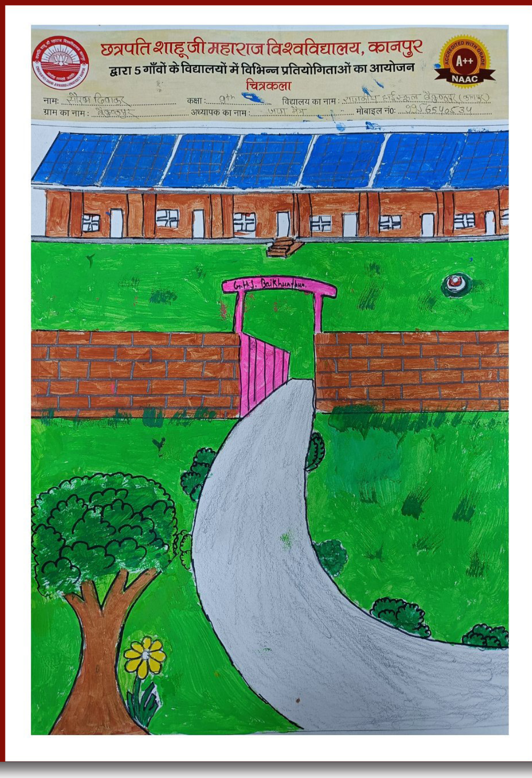

चित्रकला प्रतियोगिता
द्वितीय चरण/अंतिम चरण
कक्षा समूह-04
(कक्षा 11 से 12 तक)
विषय : पर्यावरण संरक्षण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

नाम: प्रियांशी
कक्षा: 11
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज

स्थान: प्रथम

नाम: अंजली
कक्षा: 12
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज

स्थान: द्वितीय

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

चित्रकला प्रतियोगिता

प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता

ग्राम- ईश्वरीगंज
विकास खण्ड
कल्यानपुर

ग्राम- होरा कछार
विकास खण्ड
कल्यानपुर

ग्राम- गबड़हा
विकास खण्ड
चौबेपुर

ग्राम- उदेतपुर
विकास खण्ड चौबेपुर

ग्राम- सुनौढ़ा
विकास खण्ड
चौबेपुर

झलकियाँ

चित्रकला प्रतियोगिता

प्रथम चरण

दिनांक: 22/23 अगस्त 2025

प्राथमिक विद्यालय

कक्षा समूह-01

(कक्षा 03 से 05 तक)

विषय: मेरे देश का झण्डा

ग्राम- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्यानपुर
प्राथमिक विद्यालय, ईश्वरीगंज

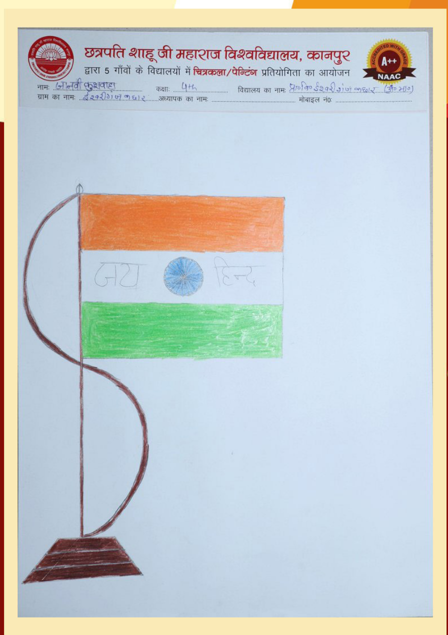

नाम: जान्हवी कुशवाहा
कक्षा: 04
स्थान: प्रथम

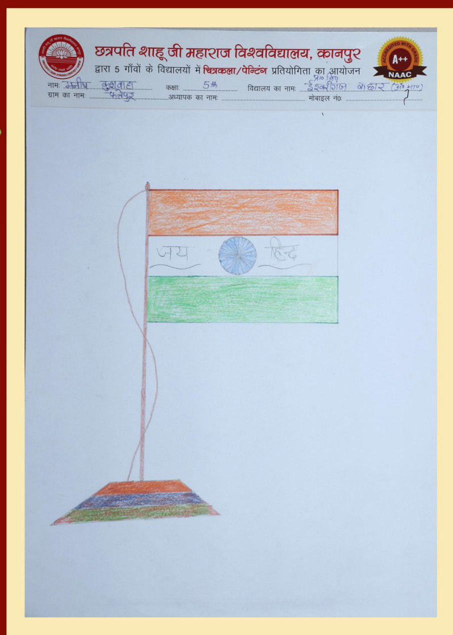

नाम: मनीष कुशवाहा
कक्षा: 05
स्थान: द्वितीय

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

ग्राम- होरा कछार, विकास खण्ड कल्यानपुर
प्राथमिक विद्यालय

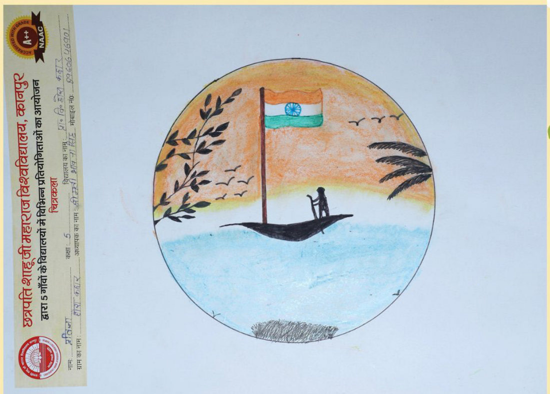

नाम: प्रतिज्ञा
कक्षा: 5
स्थान: प्रथम

नाम: निराली
कक्षा: 04
स्थान: द्वितीय

ग्राम- उदेतपुर, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय, उदेतपुर

नाम: मेहर
कक्षा: 04
स्थान: प्रथम

नाम: शनि
कक्षा: 04
स्थान: द्वितीय

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

ग्राम- उदेतपुर, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय, घाघपुर

नाम: दिव्यांशी
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

नाम: रिया
कक्षा: 04
स्थान: द्वितीय

ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय (प्रथम)

नाम: कृष्णा
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

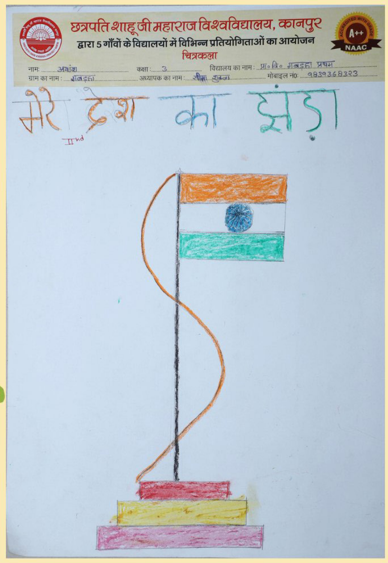

नाम: अयांश
कक्षा: 03
स्थान: द्वितीय

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर प्राथमिक विद्यालय (द्वितीय)

नाम: देव कश्यप
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

नाम: अर्थव
कक्षा: 05
स्थान: द्वितीय

ग्राम- सुनौढ़ा, विकास खण्ड चौबेपुर प्राथमिक विद्यालय

नाम: प्रिया
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

नाम: अंशिका
कक्षा: 05
स्थान: द्वितीय

चित्रकला प्रतियोगिता

प्रथम चरण

दिनांक: 22/23 अगस्त 2025

उच्च प्राथमिक/ पूर्व माध्यमिक विद्यालय

कक्षा समूह-02

(कक्षा 06 से 08 तक)

विषय: स्वच्छ भारत-सुन्दर भारत

ग्राम-ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्यानपुर
पूर्व माध्यमिक विद्यालय

नाम: शिवानी
कक्षा: 08
स्थान: प्रथम

नाम: तान्या
कक्षा: 07
स्थान: द्वितीय

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

ग्राम- होरा कछार, विकास खण्ड कल्यानपुर, कानपुर
उच्च प्राथमिक विद्यालय

नाम: गीता राजपूत
कक्षा: 08
स्थान: प्रथम

नाम: शिवा राजपूत
कक्षा: 06
स्थान: द्वितीय

ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर
पूर्व माध्यमिक विद्यालय

नाम: पायल
कक्षा: 08
स्थान: प्रथम

नाम: दिव्यांशी
कक्षा: 06
स्थान: द्वितीय

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता-2025

झलकियाँ

मा. कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा चयनित पांच ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता सम्पादित करने में स्कूल ऑफ आर्ट्स के शिक्षक सुश्री तनिशा वधावन, डॉ. मिठाई लाल, डॉ.सचिव गौतम, श्री जे बी यादव, डॉ. रणधीर सिंह एवं डॉ.बप्पा माजी, विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रंजना गौतम, डॉ. द्रोपती यादव, डॉ. विशाल अवस्थी, डॉ. प्रकाश नारायण पाण्डेय एवं डॉ. अजय कुमार यादव तथा ग्राम- ईश्वरीगंज के प्रधान श्री संतोष कुमार, ग्राम- सुनौढ़ा की प्रधान श्रीमती श्याम रानी, ग्राम- गबड़हा के प्रधान श्री घसीटे लाल, ग्राम- होरा कछार के प्रधान श्री राम नारायन राजपूत एवं ग्राम- उदेतपुर के प्रधान श्री विद्या सागर यादव का महत्वपूर्ण सहयोग रहा एवं विद्यालयों में प्रतियोगिता का समन्वय डा. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया ।

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता-2025

कहानी प्रतियोगिता
द्वितीय/अंतिम चरण

(चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के कक्षा समूहवार प्रथम दो विजेताओं के मध्य)

कक्षा समूह 1 (कक्षा 03 से 05 तक)
विषय: मेरा गांव
प्रतिभागी: 14
विजेता: सौम्या राठौर
कक्षा: 05
प्राथमिक विद्यालय, होरा कछार

कक्षा समूह 2 (कक्षा 06 से 08 तक)
विषय: मेरा भारत महान
प्रतिभागी: 08
विजेता: नंदिनी
कक्षा: 06
पूर्व माध्यमिक विद्यालय, गबड़हा

कक्षा समूह 3 (कक्षा 09 से 10 तक)
विषय: सेनानायक तात्याटोपे
प्रतिभागी: 06
विजेता: रिजा
कक्षा: 10
भजन लाल स्व॰ सं॰ से॰ इण्टर कॉलेज

कक्षा समूह 4 (कक्षा 11 से 12 तक)
विषय: कानपुर का स्वतंत्रता संग्राम
प्रतिभागी: 02
विजेता: आंशी
कक्षा: 11
भजन लाल स्व॰ सं॰ से॰ इण्टर कॉलेज

झलकियाँ

झलकियाँ

कहानी प्रतियोगिता

द्वितीय चरण/अंतिम चरण

दिनांक: 01 सितम्बर 2025

कक्षा समूह-01

(कक्षा 03 से 05 तक)

विषय : मेरा गांव

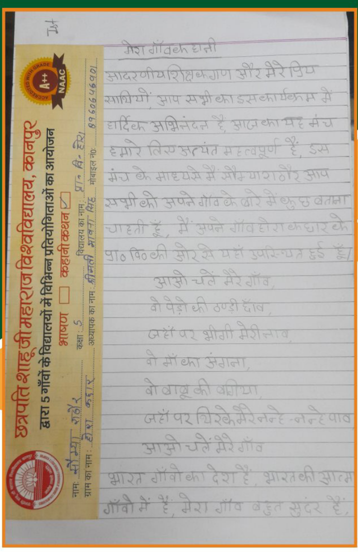

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
नाम: सौम्या राठौर कक्षा: 5 विद्यालय का नाम: प्रा० वि० होरा
ग्राम का नाम: होरा कछार अध्यापक का नाम: श्रीमती भावना सिंह मोबाइल नं0: 8960646901

मेरा गाँव कहानी

आदरणीय शिक्षकगण और मेरे प्रिय साथियों आप सभी का इस कार्यक्रम में हार्दिक अभिनंदन है, आज का यह मंच हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इस मंच के माध्यम से मैं सौम्या राठौर आप सभी को अपने गाँव के बारे में कुछ बताना चाहती हूँ, मैं अपने गाँव होरा कछार के प्रा० वि० की ओर से यहाँ उपस्थित हुई हूँ।

आओ चलें मेरे गाँव,
वो पेड़ो की ठण्ड़ी छाँव,
जहाँ पर भीगी मेरी नाव,
वो माँ का अंगना,
वो बाबू की बगिया,
जहाँ पर थिरके मेरे नन्हे-नन्हे पाव
आओ चलें मेरे गाँव

भारत गाँवो का देश है, भारत की आत्मा गाँवो में है, मेरा गाँव बहुत सुंदर है,

(पृष्ठ 01)

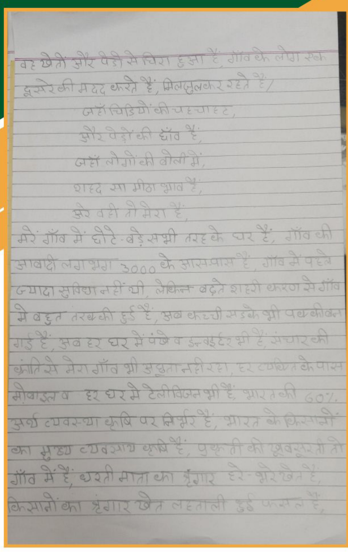

वह खेतो और पेड़ो से घिरा हुआ है, गाँव के लोग एक दूसरे की मदद करते हैं, मिलजुलकर रहते है।

जहाँ चिड़ियों की चहचाहट,
और पेड़ों की छाँव है,
जहाँ लोगों की बोली में,
शहद सा मीठा भाव है,
अरे वही तो मेरा है,

मेरे गाँव में छोटे-बड़े सभी तरह के घर हैं, गाँव की आबादी लगभग 3000 के आसपास है, गाँव में पहले ज्यादा सुविधा नहीं थी, लेकिन बढ़ते शहरी करण से गाँव मे बहुत तरक्की हुई है, अब कच्ची सड़के भी पक्की बन गई हैं, अब हर घर में पंखे व इन्वर्टर भी है, संचार की क्रांति से मेरा गाँव भी अछूता नहीं रहा, हर व्यक्ति के पास मोबाइल व हर घर मे टेलीविजन भी है, भारत की 60% अर्थ व्यवस्था कृषि पर निर्भर है, भारत के किसानों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, प्रकृती की खूबसूरती तो गाँव में है, धरती माता का श्रृंगार हरे-भरे खेत है, किसानों का श्रृंगार खेत लहराती हुई फसल है,

(पृष्ठ 02)

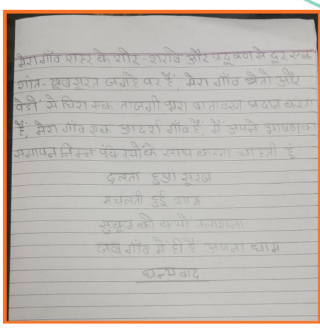

मेरा गाँव शहर के शोर-शराबे और प्रदूषण से दूर एक शांत-खूबसूरत जगह पर है, मेरा गाँव खेतो और पेड़ो से घिरा एक ताजगी भरा वातावरण प्रदान करता है, मेरा गाँव एक आदर्श गाँव है, मैं अपने भाषण का समापन निम्न पंक्तियों के साथ करना चाहती हूं

ढलता हुआ सूरज
मचलती हुई शाम
सुकून को क्यों तलाशना
जब गाँव मे ही है अपना धाम

धन्यवाद

(पृष्ठ 03)

नाम: सौम्या राठौर
कक्षा: 05
विद्यालय का नाम:
प्राथमिक विद्यालय, होरा कछार,
विकास खण्ड कल्यानपुर, कानपुर
स्थान: प्रथम

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता-2025

नामः अयांश
कक्षा: 03
विद्यालय का नाम:
प्राथमिक विद्यालय, प्रथम गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर कानपुर
स्थान: द्वितीय

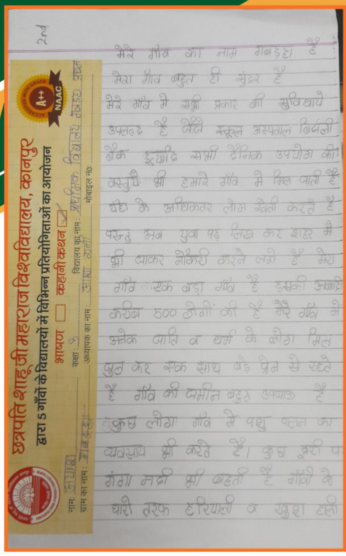

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
नाम: अयांश
कक्षा: 3
विद्यालय का नाम: प्राथमिक विद्यालय गबड़हा प्रथम
ग्राम का नाम: गबड़हा
अध्यापक का नाम: आशा रानी
मोबाइल नं0:

2nd

मेरे गाँव का नाम गबड़हा है मेरा गाँव बहुत ही सुंदर है मेरे गाँव मे सभी प्रकार की सुविधाये उपलब्ध है जैसे स्कूल अस्पताल बिजली बैंक इत्यादि सभी दैनिक उपयोग की वस्तुये भी हमारे गाँव मे मिल जाती है यहाँ के अधिकतर लोग खेती करते है परन्तु अब युवा पढ़ लिख कर शहर मे भी जाकर नौकरी करने लगे है मेरा गाँव एक बड़ा गाँव है इसकी अबादी करीब 500 लोगों की है मेरे गाँव मे अनेक जाति व धर्म के लोग मिल जुल कर एक साथ बड़े प्रेम से रहते है गाँव की जमीन बहुत उपजाऊ है कुछ लोग गाँव मे पशु पालन का व्यवसाय भी करते है। कुछ दूरी पर गंगा नदी भी बहती है गाँवों के चारों तरफ हरियाली व खुशहाली

(पृष्ठ 01)

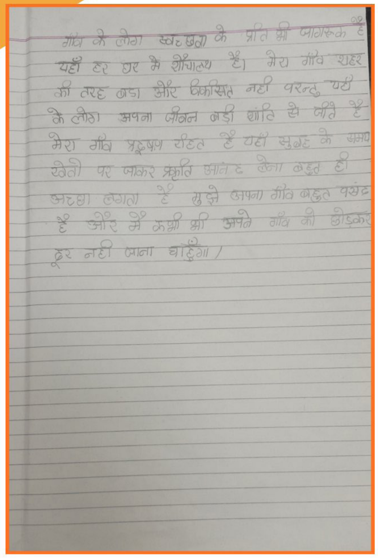

गाँव के लोग स्वच्छता के प्रति भी जागरूक है यहाँ हर घर मे शौचालय है। मेरा गाँव शहर की तरह बड़ा और विकसित नही परन्तु यहाँ के लोग अपना जीवन बड़ी शांति से जीते है मेरा गाँव प्रदूषण रहित है यहाँ सुबह के समय खेतो पर जाकर प्रकृति आनंद लेना बहुत ही अच्छा लगता है मुझे अपना गाँव बहुत पसंद है और मैं कभी भी अपने गाँव को छोड़कर दूर नही जाना चाहूँगा।

(पृष्ठ 02)

कहानी प्रतियोगिता
द्वितीय चरण/अंतिम चरण
दिनांक: 01 सितम्बर 2025
कक्षा समूह-02
(कक्षा 06 से 08 तक)
विषय : मेरा भारत महान

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता-2025

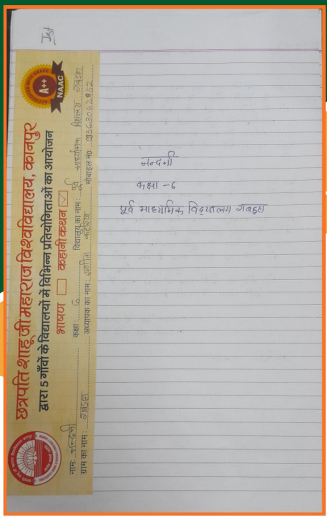

(पृष्ठ 01)

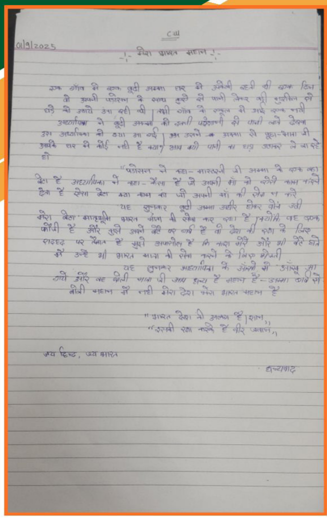

(पृष्ठ 02)

नाम: नंदिनी
कक्षा: 06
विद्यालय का नाम:
पूर्व माध्यमिक विद्यालय
गबड़हा, विकास खण्ड, चौबेपुर
कानपुर

स्थान: प्रथम

नाम: तान्या कुशवाहा
कक्षा: 07
विद्यालय का नाम:
पूर्व माध्यमिक विद्यालय
ईश्वरीगंज, विकास खण्ड
कल्यानपुर, कानपुर

स्थान: द्वितीय

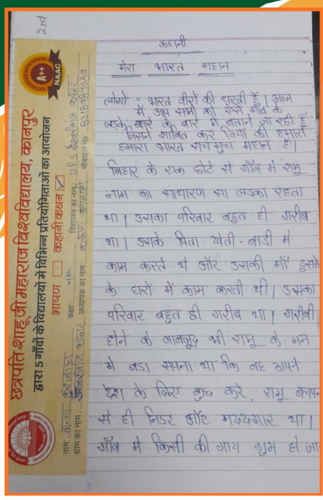

(पृष्ठ 01)

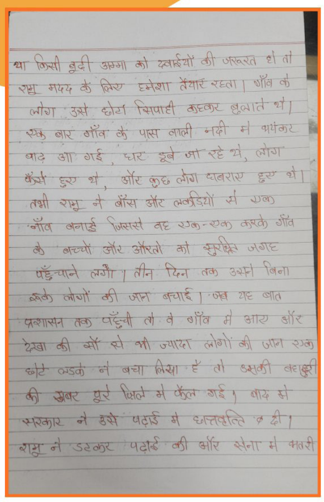

(पृष्ठ 02)

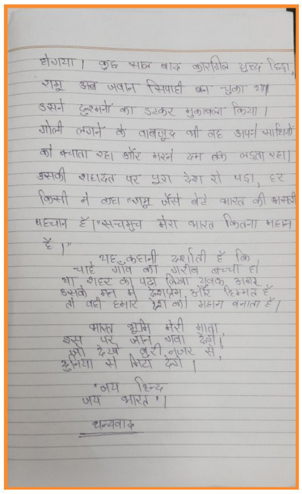

(पृष्ठ 03)

कहानी प्रतियोगिता

द्वितीय चरण/अंतिम चरण

दिनांक: 01 सितम्बर 2025

कक्षा समूह-03

(कक्षा 09 से 10 तक)

विषय : सेनानायक तात्याटोपे

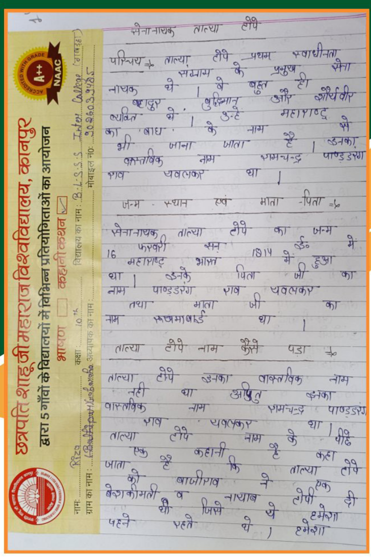

(पृष्ठ 01)

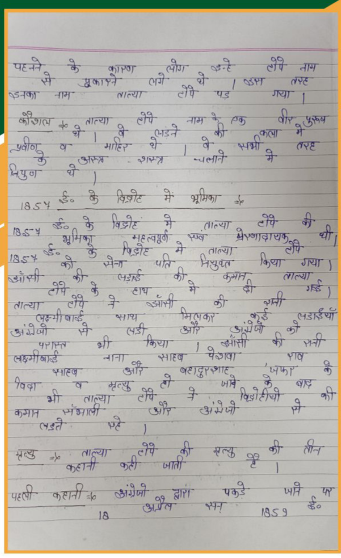

(पृष्ठ 02)

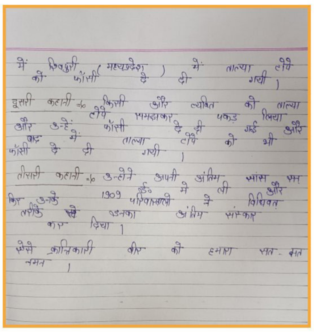

(पृष्ठ 03)

नाम: रिज़ा
कक्षा: 10
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज
विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर
स्थान: प्रथम

नाम: नवनीत पटेल
कक्षा: 10
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व॰ सं॰ से॰ इण्टर कॉलेज
विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर
स्थान: द्वितीय

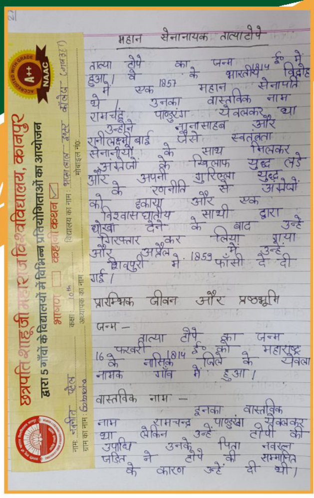

(पृष्ठ 01)

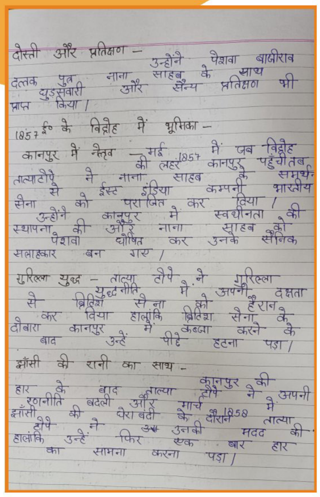

(पृष्ठ 02)

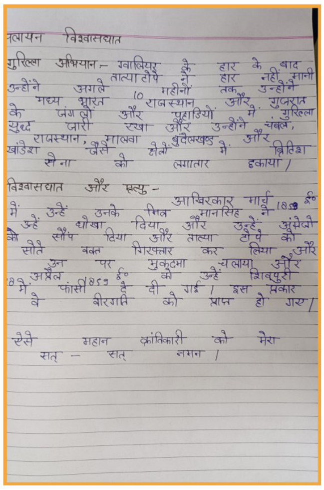

(पृष्ठ 03)

कहानी प्रतियोगिता
द्वितीय चरण/अंतिम चरण
दिनांक: 01 सितम्बर 2025
कक्षा समूह-04
(कक्षा 11 से 12 तक)
विषय :
कानपुर का स्वतंत्रता संग्राम

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता-2025

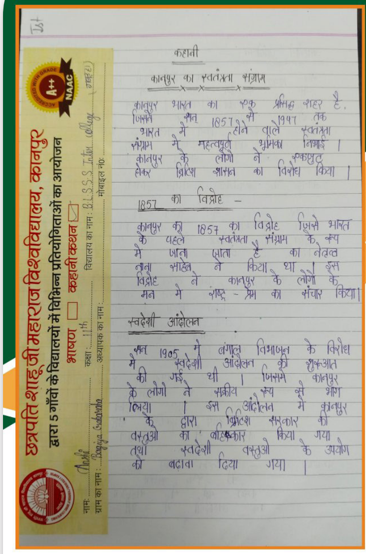

(पृष्ठ 01)

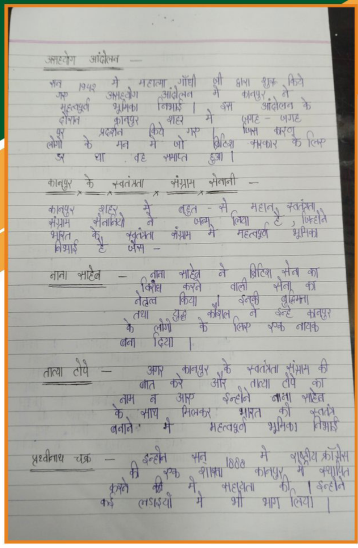

(पृष्ठ 02)

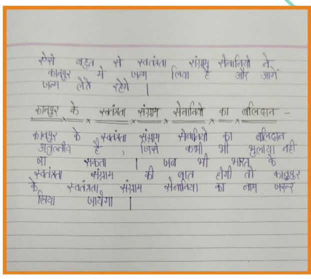

(पृष्ठ 03)

नाम: आंशी
कक्षा: 11
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज
विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर
स्थान: प्रथम

नाम: प्रीति सिंह
कक्षा: 11
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज
विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर
स्थान: द्वितीय

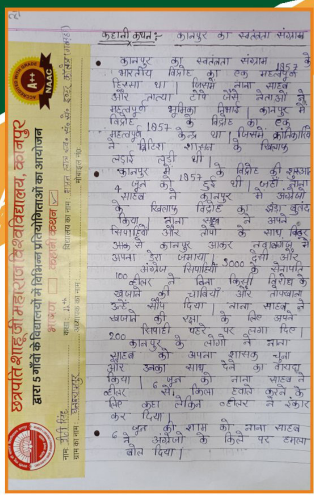

(पृष्ठ 01)

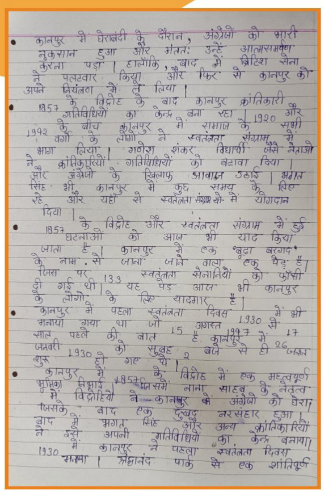

(पृष्ठ 02)

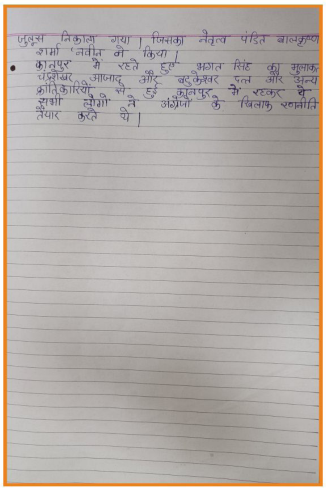

(पृष्ठ 03)

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता-2025

कहानी प्रतियोगिता प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता

दिनांक: 23/25 अगस्त 2025

- ईश्वरीगंज विकास खण्ड कल्यानपुर
- होरा कछार विकास खण्ड कल्यानपुर
- उदेतपुर विकास खण्ड चौबेपुर
- गबड़हा विकास खण्ड चौबेपुर
- सुनौढ़ा विकास खण्ड चौबेपुर

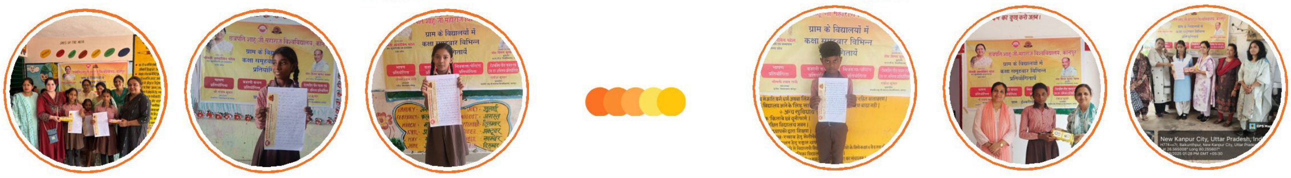

कहानी प्रतियोगिता प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता

दिनांक: 23/25 अगस्त 2025

ग्राम- ईश्वरीगंज
विकास खण्ड कल्यानपुर
1-प्राथमिक विद्यालय-01
2-पूर्व माध्यमिक विद्यालय-01
3-राजकीय हाईस्कूल, बैकुंठपुर-01

ग्राम- होरा कछार
विकास खण्ड कल्यानपुर
1-प्राथमिक विद्यालय-01
2- उच्च प्राथमिक विद्यालय-01

कहानी प्रतियोगिता प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता

दिनांक: 23/25 अगस्त 2025

ग्राम- उदेतपुर
विकास खण्ड चौबेपुर
1-प्राथमिक विद्यालय-01
2-प्राथमिक विद्यालय, घाघपुर -01

ग्राम- गबड़हा
विकास खण्ड कल्यानपुर
1-प्राथमिक विद्यालय, प्रथम-01
2-प्राथमिक विद्यालय, द्वितीय-01
3-पूर्व माध्यमिक विद्यालय-01
4-एस.एस.एस. श्री गुरूदयाल सिंह, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
5-भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कालेज

कहानी प्रतियोगिता प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता

दिनांक: 23/25 अगस्त 2025

ग्राम- सुनौढ़ा
विकास खण्ड चौबेपुर
1-प्राथमिक विद्यालय-01
2-उच्च प्राथमिक विद्यालय -01

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

भाषण प्रतियोगिता
द्वितीय/अंतिम चरण

(चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के कक्षा समूहवार प्रथम दो विजेताओं के मध्य)

	कक्षा समूह 1 (कक्षा 03 से 05 तक)	कक्षा समूह 2 (कक्षा 06 से 08 तक)	कक्षा समूह 3 (कक्षा 09 से 10 तक)	कक्षा समूह 4 (कक्षा 11 से 12 तक)
विषय :	मेरा प्रिय त्यौहार	वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई	स्वच्छता और गाँधी जी के विचार	यदि मैं अध्यापक होता
प्रतिभागी:	16	10	08	10
विजेता:	आरोही कक्षा-04 प्राथमिक विद्यालय बरहट बांगर	आरोही कुशवाहा कक्षा-06 पूर्व माध्यमिक विद्यालय, ईश्वरीगंज	प्रियांशी कश्यप कक्षा-10 भजन लाल स्व.स.से. इण्टर कालेज, गबड़हा	अतुल शर्मा कक्षा-12 भजन लाल स्व.स.से. इण्टर कालेज, गबड़हा

झलकियाँ

भाषण प्रतियोगिता
द्वितीय चरण/अंतिम चरण
दिनांक: 10 अगस्त 2024

कक्षा समूह-01

(कक्षा 03 से 05 तक)

विषय : मेरा प्रिय त्यौहार

नाम: आरोही

कक्षा: 04

विद्यालय का नाम:
प्राथमिक विद्यालय, बरहट बांगर,
विकास खण्ड कल्यानपुर, कानपुर

स्थान: प्रथम

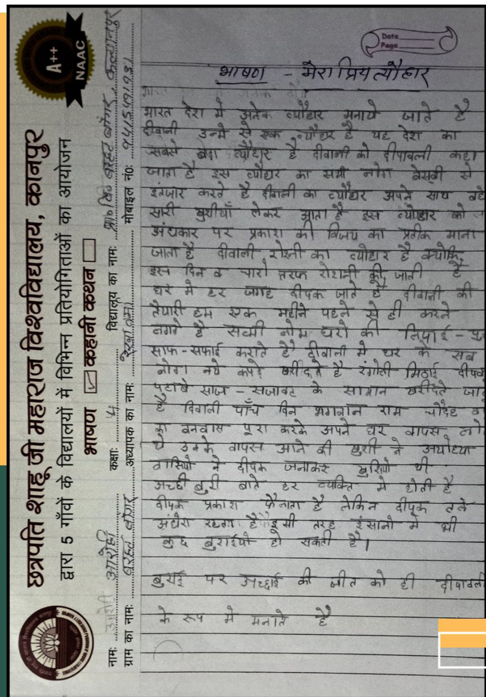
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: आरोही कक्षा: 5 विद्यालय का नाम: प्रा० वि० बरहट बांगर, कल्यानपुर
ग्राम का नाम: बरहट बांगर अध्यापक का नाम: रेखा वर्मा मोबाइल नं0: 9415591931

भाषण - मेरा प्रिय त्यौहार

भारत देश मे अनेक त्यौहार मनाये जाते है दीवाली उनमे से एक त्यौहार है यह देश का सबसे बड़ा त्यौहार है दीवाली को दीपावली कहा जाता है इस त्यौहार का सभी लोग बेसब्री से इंतजार करते है दीवाली का त्यौहार अपने साथ बहे सारी खुशीयाँ लेकर आता है इस त्योहार को अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना जाता है दीवाली रोश्नी का त्योहार है क्योंकि इस दिन व चारो तरफ रोशनी की जाती है घर मे हर जगह दीपक जाते है दीवाली की तैयारी हम एक महीने पहले से ही करने लगते है सभी लोग घरो की लिपाई - पु साफ-सफाई कराते है दीवाली मे घर के सब लोग नये कपड़े खरीदते है रंगोली मिठाई दीपक पटाखे साज - सजावट के सामान खरीदते जाते है दिवाली पाँच दिन भगवान राम चौदह व का वनवास पूरा करके अपने घर वापस लौटे थे उनके वापस आने की खुशी ने अयोध्या वासियो ने दीपक जलाकर खुशियाँ थी अच्छी बुरी बाते हर व्यक्ति मे होती है दीपक प्रकाश फैलाता है लेकिन दीपक तले अंधेरा रहता है इसी तरह इंसानो मे भी कुछ बुराईयाँ हो सकती है।

बुराई पर अच्छाई की जीत को ही दीपावली के रूप मे मनाते है

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

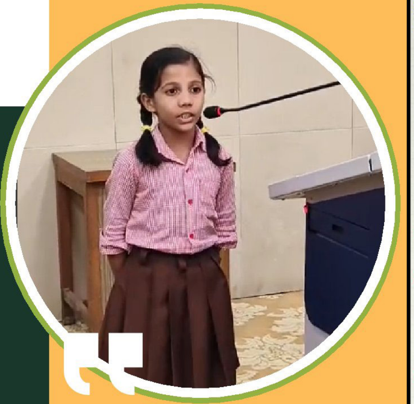

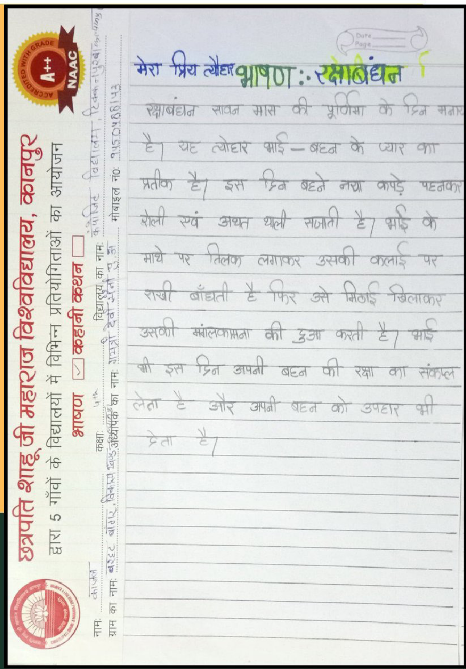

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ✓ कहानी कथन

मेरा प्रिय त्यौहार भाषण : रक्षाबंधन

रक्षाबंधन सावन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार भाई-बहन के प्यार का प्रतीक है। इस दिन बहनें नये कपड़े पहनकर रोली एवं अक्षत थाली सजाती है। भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी कलाई पर राखी बाँधती है फिर उसे मिठाई खिलाकर उसकी मंगलकामना की दुआ करती है। भाई भी इस दिन अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है और अपनी बहन को उपहार भी देता है।

नाम: काजल
कक्षा: 04
विद्यालय का नाम:
कंपोजिट विद्यालय, टिक्कनपुरवा बरहट बांगर, विकास खण्ड कल्यानपुर, कानपुर

स्थान: द्वितीय

भाषण प्रतियोगिता
द्वितीय चरण/अंतिम चरण
दिनांक: 10 अगस्त 2024
कक्षा समूह-02
(कक्षा 06 से 08 तक)
विषय : वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

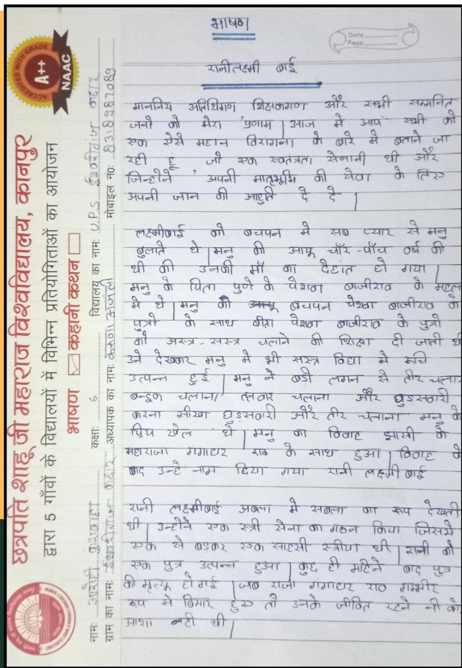

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐

नाम: आरोही कुशवाहा कक्षा: 6 विद्यालय का नाम: U.P.S. ईश्वरीगंज कदार
ग्राम का नाम: ईश्वरीगंज अध्यापक का नाम: कल्याणपुर मोबाइल नं0: 8318987089

भाषण

रानीलक्ष्मी बाई

माननिय अतिथिगण शिक्षकगण और सभी सम्मनित जनो को मेरा 'प्रणाम। आज मे आप सभी को एक ऐसे महान विरांगना के बारे मे बताने जा रही हू जो एक स्वतंत्रता सेनानी थी और जिन्होने अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए अपनी जान की आहुति दे दे।

लक्ष्मीबाई को बचपन मे सब प्यार से मनु बुलाते थे। मनु की आयू चॉर-पॉच वर्ष की थी की उनकी मॉं का देहांत हो गया। मनु के पिता पुणे के पेशवा बाजीराव के महल मे थे। मनु की बचपन पेशवा बाजीराव के पुत्रो के साथ बीता पेशवा बाजीराव के पुत्रो को अस्त्र-सस्त्र चलाने की शिक्षा दी जाती थी उने देखकर मनु मे भी सस्त्र विद्या मे रूचि उत्पन्न हुई। मनु ने बडी लगन से तीर चलाना बन्दूक चलाना तलवार चलाना और घुड़सवारी करना सीखा घुड़सवारी और तीर चलाना मनु के प्रिय खेल थे। मनु का विवाह झासी के महाराजा गंगाधर राव के साथ हुआ। विवाह के बाद उन्हे नाम दिया गया रानी लक्ष्मी बाई

रानी लक्ष्मीबाई अबला मे सबला का रूप देखती थी। उन्होने एक स्त्री सेना का गठन किया जिसमे एक से बडकर एक साहसी स्त्रीया थी। रानी को एक पुत्र उत्पन्न हुआ। कुछ ही महिने बाद पुत्र की मृत्यू हो गई। जब राजा गंगाधर राव गम्भीर रूप से बिमार हुए तो उनके जीवित रहने की कोई आशा नही थी।

नाम: आरोही कुशवाहा
कक्षा: 06
विद्यालय का नाम:
पूर्व माध्यमिक विद्यालय, ईश्वरीगंज,
विकास खण्ड कल्याणपुर,कानपुर
स्थान: प्रथम

नाम: मानसी
कक्षा: 07
विद्यालय का नाम:
पूर्व माध्यमिक विद्यालय,गबड़हा,
विकास खण्ड चौबेपुर, कानपुर
स्थान: द्वितीय

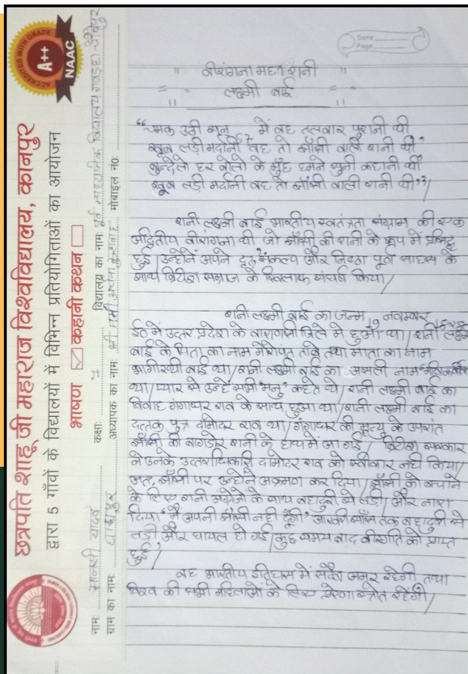

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐

नाम: मानसी यादव कक्षा: 7 विद्यालय का नाम: पूर्व माध्यमिक विद्यालय गबड़हा चौबेपुर
ग्राम का नाम: गबड़हा अध्यापक का नाम: श्री मती अर्चना कुशवाह मोबाइल नं0:

" वीरांगना महारानी "
" लक्ष्मी बाई "

"चमक उठी सन् सत्तावन में वह तलवार पुरानी थी
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी
बुन्देले हर बोलो के मुँह हमने सुनी कहानी थी
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी"।

रानी लक्ष्मी बाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक अद्वितीय वीरांगना थी जो झाँसी की रानी के रूप में प्रसिद्ध हुई। उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प और निष्ठा पूर्ण साहस के साथ ब्रिटिश समाज के खिलाफ संघर्ष किया।

रानी लक्ष्मी बाई का जन्म 19 नवम्बर 1828 ई० में उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले मे हुआ था। रानी लक्ष्मी बाई के पिता का नाम मोरोपंत तांबे तथा माता का नाम भागीरथी बाई था। रानी लक्ष्मी बाई का असली नाम मणिकर्णिका था। प्यार से उन्हें सभी 'मनु' कहते थे। रानी लक्ष्मी बाई का विवाह गंगाधर राव के साथ हुआ था। रानी लक्ष्मी बाई का दत्तक पुत्र दामोदर राव था। गंगाधर की मृत्यु के उपरांत झाँसी की बागडोर रानी के हाथ में आ गई। ब्रिटिश सरकार ने उनके उत्तराधिकारी दामोदर राव को स्वीकार नहीं किया। अतः झाँसी पर उन्होंने आक्रमण कर दिया। झाँसी को बचाने के लिए रानी अंग्रेजो के साथ बहादुरी से लड़ी और नारा दिया "मैं अपनी झाँसी नही दूँगी" आखरी साँस तक बहादुरी से लड़ी और घायल हो गई। कुछ समय बाद वीरगति को प्राप्त हुई।

वह भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगी तथा विश्व की सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगी।

भाषण प्रतियोगिता
द्वितीय चरण/अंतिम चरण
कक्षा समूह-03
(कक्षा 09 से 10 तक)
विषय : स्वच्छता और गाँधी जी के विचार

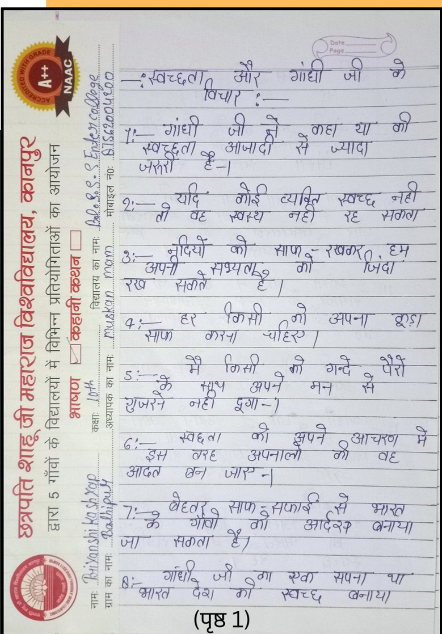

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: Priyanshi kashyap कक्षा: 10th विद्यालय का नाम: B.L.S.S.S. Inter college
ग्राम का नाम: Balhipur अध्यापक का नाम: Muskan mam मोबाइल नं0: 8756200400

:स्वच्छता और गांधी जी के विचार :—

1:— गांधी जी ने कहा था की स्वच्छता आजादी से ज्यादा जरूरी है—।

2:— यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ नही तो वह स्वस्थ नही रह सकता

3:— नदियों को साफ-रखकर हम अपनी सभ्यता को जिंदा रख सकते है।

4:— हर किसी को अपना कूड़ा साफ करना चाहिए।

5:— मै किसी को गन्दे पैरो के साथ अपने मन से गुजरने नही दूगा—।

6:— स्वछता को अपने आचरण मे इस तरह अपनालो की वह आदत बन जाए—।

7:— बेहतर साफ-सफाई से भारत के गाँवो को आदर्श बनाया जा सकता है।

8:— गांधी जी का एक सपना था भारत देश को स्वच्छ बनाया

(पृष्ठ 1)

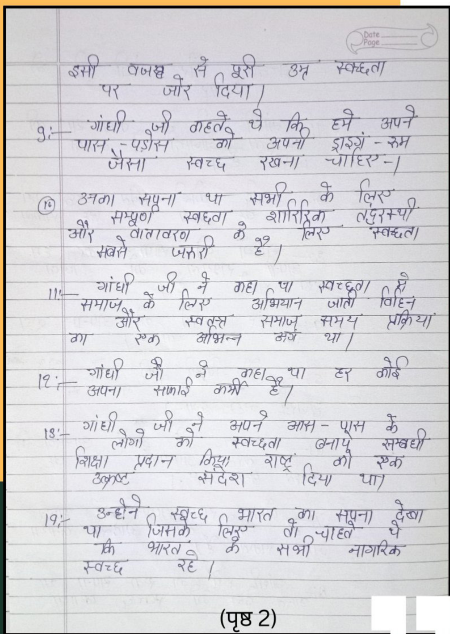

इसी वजह से पूरी उम्र स्वच्छता पर जोर दिया।

9:— गांधी जी कहते थे कि हमे अपने पास-पड़ोस को अपनी ड्राइंग-रूम जैसा स्वच्छ रखना चाहिए—।

(10) उनका सपना था सभी के लिए सम्पूर्ण स्वछता शारिरिक तंदुरुस्ती और वातावरण के लिए स्वच्छता सबसे जरूरी है।

11:— गांधी जी ने कहा था स्वच्छता से समाज के लिए अभियान जाती विहिन और स्वतन्त्र समाज समय प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग था।

12:— गांधी जी ने कहा था हर कोई अपना सफाई कर्मी है।

13:— गांधी जी ने अपने आस-पास के लोगो को स्वच्छता बनाए सम्बंधी शिक्षा प्रदान किया राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था।

14:— उन्होने स्वच्छ भारत का सपना देखा था जिसके लिए वो चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक स्वच्छ रहे।

(पृष्ठ 2)

नाम: प्रियांशी कश्यप
कक्षा: 10
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व॰ सं॰ से॰ इण्टर कॉलेज सुनौढ़ा, कानपुर
स्थान: प्रथम

नाम: शीतल चौरसिया
कक्षा: 10
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व॰ सं॰ से॰ इण्टर कॉलेज सुनौढ़ा, कानपुर
स्थान: द्वितीय

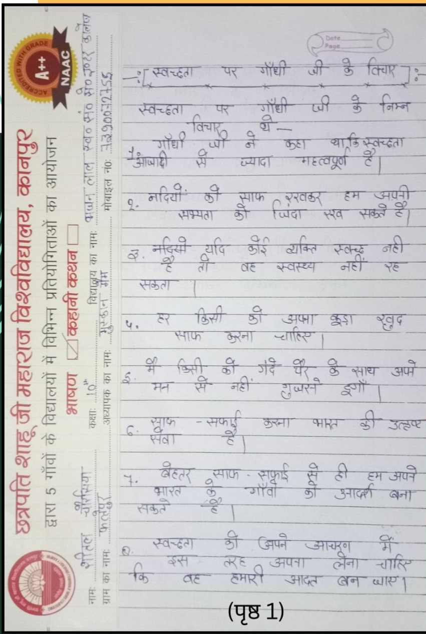

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐
नाम: शीतल चौरसिया कक्षा: 10th विद्यालय का नाम: भजन लाल स्व० सं० से० इण्टर कालेज
ग्राम का नाम: फतेहपुर अध्यापक का नाम: मुस्कान मैम मोबाइल नं०: 7839002155

:[स्वच्छता पर गाँधी जी के विचार]:
स्वच्छता पर गाँधी जी के निम्न विचार थे—
1. गाँधी जी ने कहा था कि स्वच्छता आजादी से ज्यादा महत्वपूर्ण है।
2. नदियों को साफ रखकर हम अपनी सभ्यता को जिंदा रख सकते हैं।
3. यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ नही है तो वह स्वस्थ्य नहीं रह सकता।
4. हर किसी को अपना कूड़ा खुद साफ करना चाहिए।
5. मैं किसी को गंदे पैर के साथ अपने मन से नहीं गुजरने दूँगा।
6. साफ-सफाई करना भारत की उत्कृष्ट सेवा है।
7. बेहतर साफ-सफाई से ही हम अपने भारत के गाँवों को आदर्श बना सकते हैं।
8. स्वच्छता को अपने आचरण में इस तरह अपना लेना चाहिए कि वह हमारी आदत बन जाए।

(पृष्ठ 1)

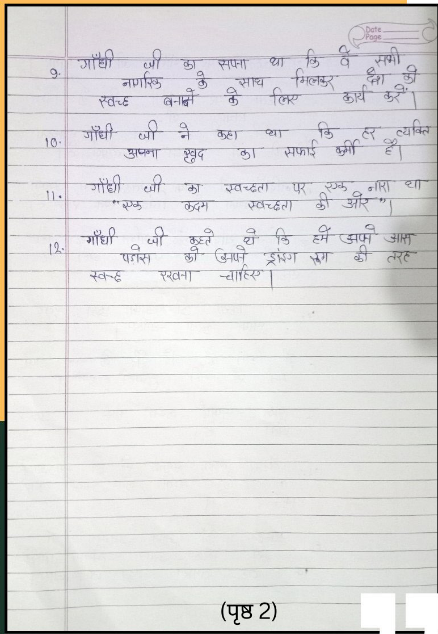

9. गाँधी जी का सपना था कि वे सभी नागरिक के साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें।
10. गाँधी जी ने कहा था कि हर व्यक्ति अपना खुद का सफाई कर्मी है।
11. गाँधी जी का स्वच्छता पर एक नारा था "एक कदम स्वच्छता की ओर"।
12. गाँधी जी कहते थे कि हमें अपने आस पड़ोस को अपने ड्राइंग रूम की तरह स्वच्छ रखना चाहिए।

(पृष्ठ 2)

भाषण प्रतियोगिता
द्वितीय चरण/अंतिम चरण
कक्षा समूह-04
(कक्षा 11 से 12 तक)
विषय : यदि मैं अध्यापक होता

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

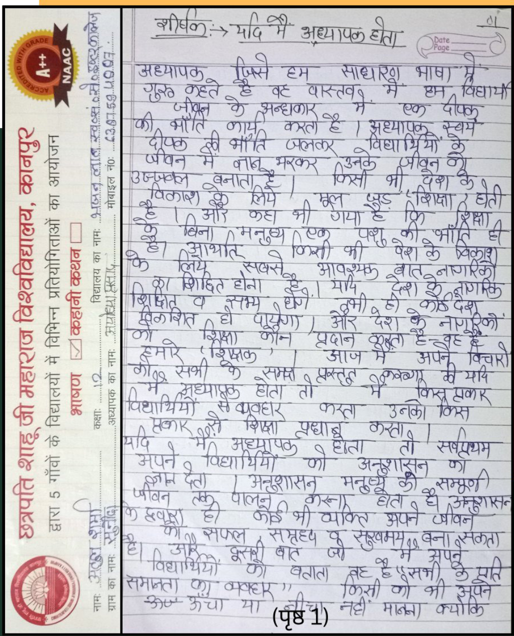

(पृष्ठ 1)

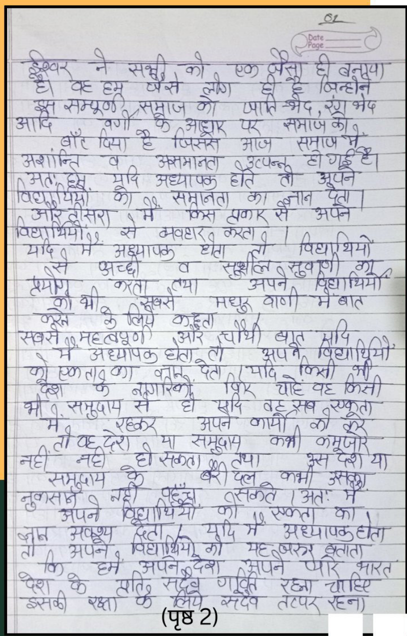

(पृष्ठ 2)

नाम: अतुल शर्मा
कक्षा: 12
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व॰ सं॰ से॰ इण्टर कॉलेज सुनौढ़ा, कानपुर

स्थान: प्रथम

नाम: कौशिकी सिंह
कक्षा: 12
विद्यालय का नाम:
भजन लाल स्व॰ सं॰ से॰ इण्टर कॉलेज सुनौढ़ा, कानपुर

स्थान: द्वितीय

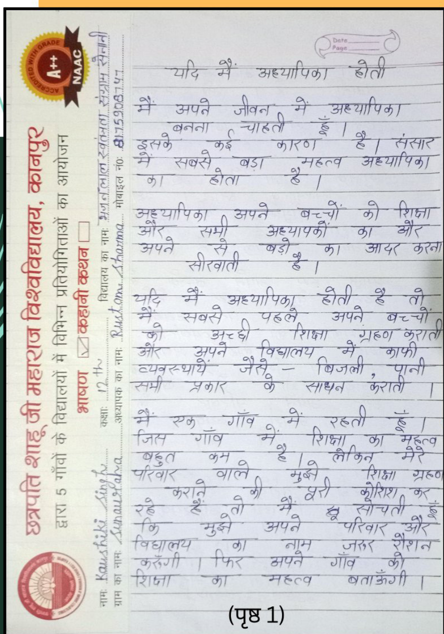

(पृष्ठ 1)

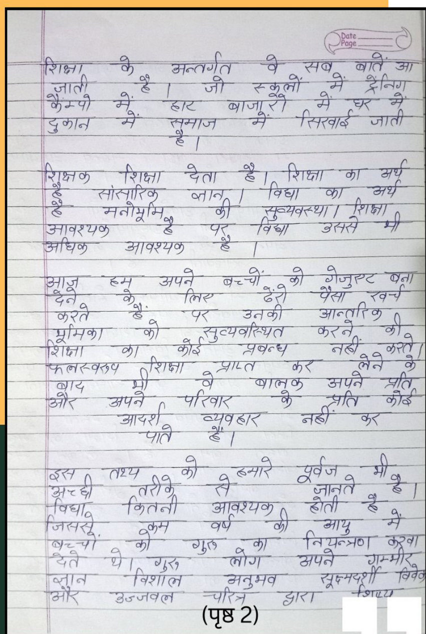

(पृष्ठ 2)

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

भाषण प्रतियोगिता प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता

- बरहट बांगर, कल्यानपुर, कानपुर
- होरा कछार, कल्यानपुर, कानपुर
- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर
- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्यानपुर
- सुनौढ़ा, विकास खण्ड चौबेपुर

झलकियाँ

भाषण प्रतियोगिता
प्रथम चरण

दिनांक: 6 अगस्त 2024
प्राथमिक विद्यालय
कक्षा समूह-01
(कक्षा 03 से 05 तक)

विषय : मेरा प्रिय त्यौहार

कंपोजिट विद्यालय, टिक्कनपुरवा
ग्राम- बरहट बांगर, विकास खण्ड कल्यानपुर

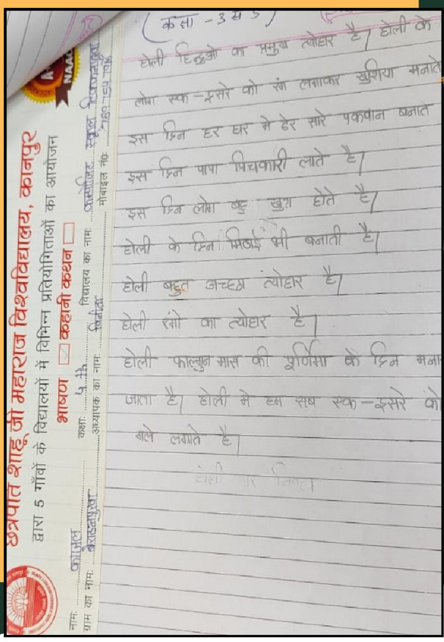

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण / कहानी कथन

(कक्षा - 3 से 5)
होली हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है। होली के लोग एक-दूसरे को रंग लगाकर खुशिया मनाते
इस दिन हर घर में ढेर सारे पकवान बनाते
इस दिन पापा पिचकारी लाते है।
इस दिन लोग बहुत खुश होते है।
होली के दिन मिठाई भी बनाती है।
होली बहुत अच्छा त्योहार है।
होली रंगों का त्योहार है।
होली फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। होली में हम सब एक-दूसरे को गले लगाते है।

नाम: काजल
कक्षा: 04
स्थान: प्रथम

नाम: अविनाश
कक्षा: 05
स्थान: द्वितीय

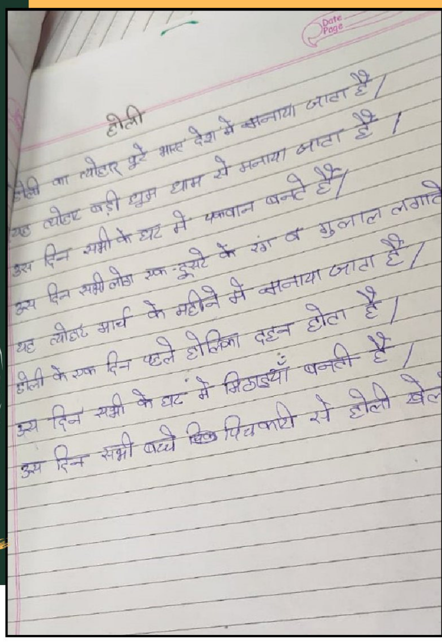

होली
होली का त्योहार पूरे भारत देश में मनाया जाता है।
यह त्योहार बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है।
इस दिन सभी के घर में पकवान बनते हैं।
इस दिन सभी लोग एक दूसरे के रंग व गुलाल लगाते
यह त्योहार मार्च के महीने में मनाया जाता है।
होली के एक दिन पहले होलिका दहन होता है।
इस दिन सभी के घर में मिठाइयाँ बनती हैं।
इस दिन सभी बच्चे पिचकारी से होली खेल

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

प्राथमिक विद्यालय
ग्राम- बरहट बांगर, विकास खण्ड कल्यानपुर

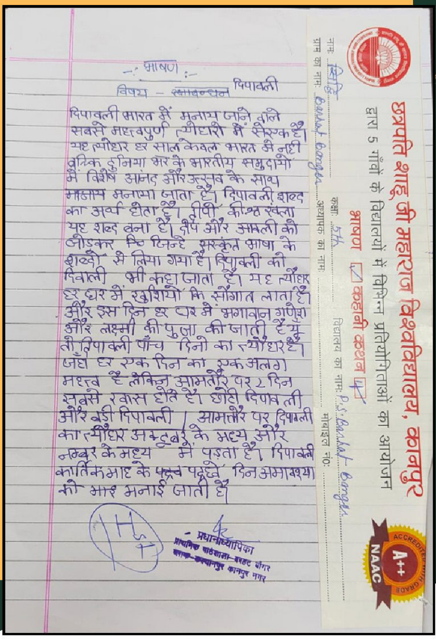

नामः सिद्धि
कक्षाः 05
स्थानः प्रथम

नामः आरोही
कक्षाः 05
स्थानः द्वितीय

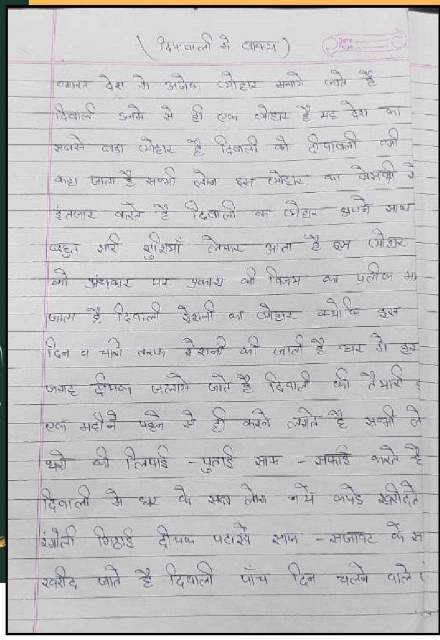

प्राथमिक विद्यालय
ग्राम- बरहट कछार, विकास खण्ड कल्यानपुर

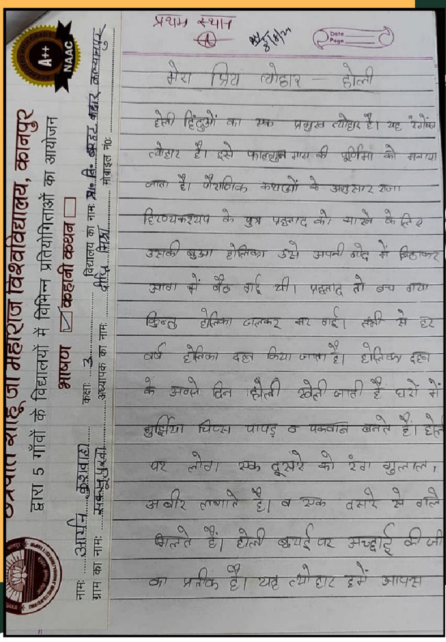

नामः आर्यन कुशवाहा
कक्षाः 03
स्थानः प्रथम

नामः कार्तिक कुशवाहा
कक्षाः 03
स्थानः द्वितीय

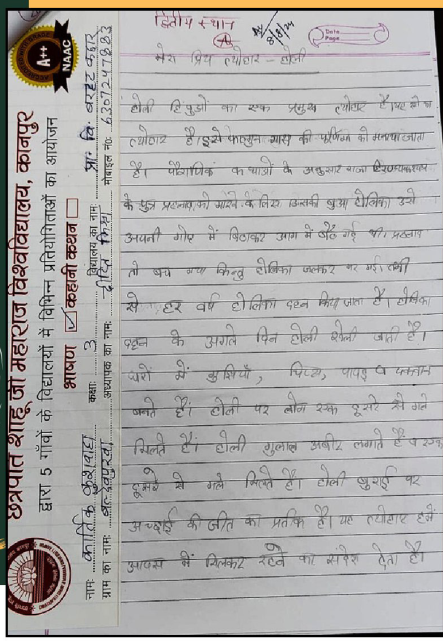

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

प्राथमिक विद्यालय प्रथम
ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर

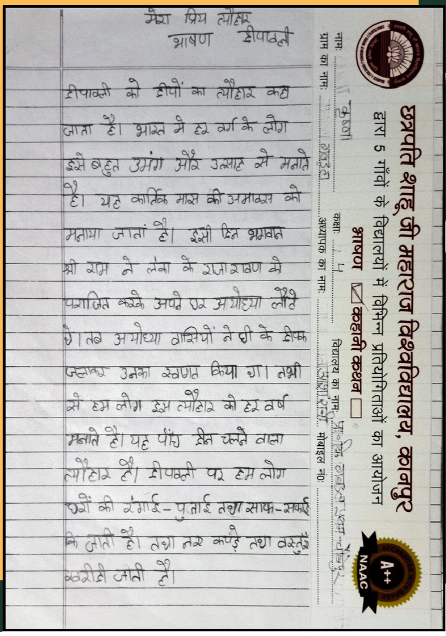

नाम: कृष्णा
कक्षा: 04
स्थान: प्रथम

नाम: सागर
कक्षा: 05
स्थान: द्वितीय

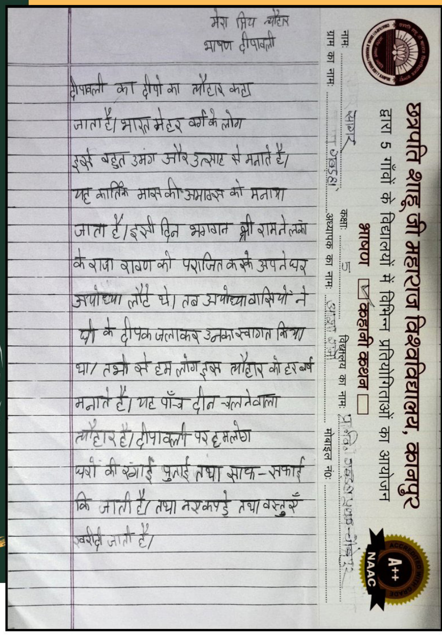

प्राथमिक विद्यालय द्वितीय
ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर

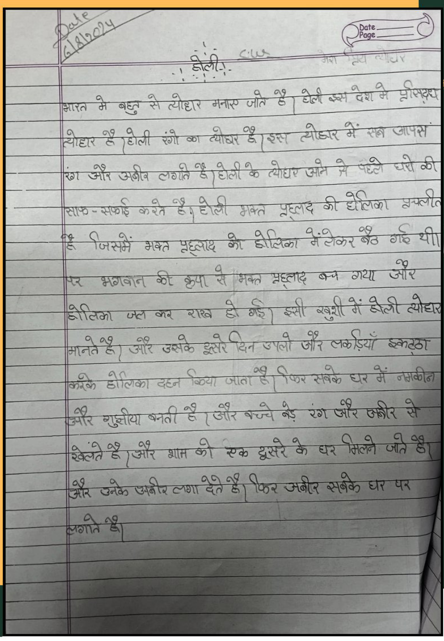

नाम: जूली
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

नाम: शैलजा
कक्षा: 04
स्थान: द्वितीय

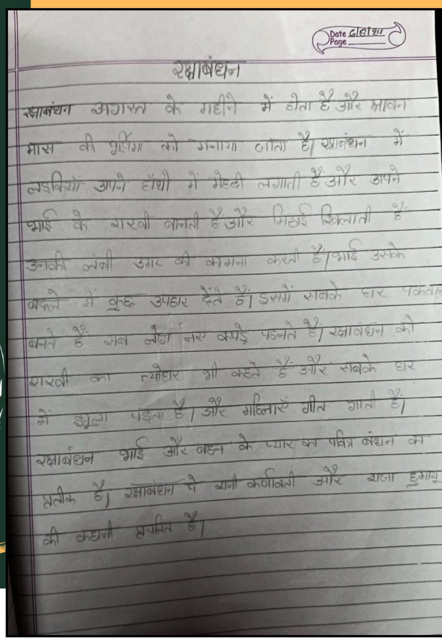

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

प्राथमिक विद्यालय
ग्राम- होरा कछार, विकास खण्ड कल्यानपुर

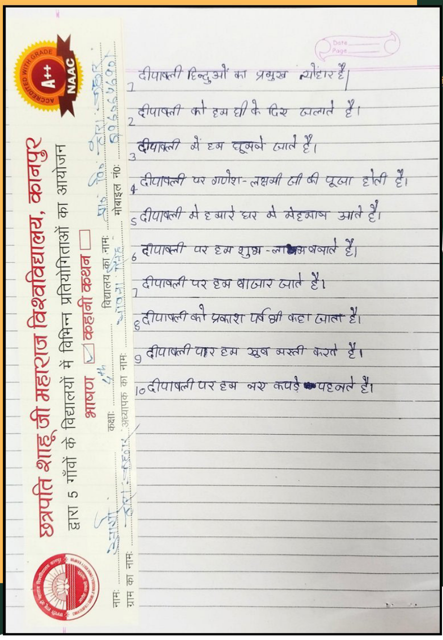
दीपावली हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है।
दीपावली को हम घी के दिए जलाते हैं।
दीपावली में हम दूसरे जाते हैं।
दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी जी की पूजा होती है।
दीपावली में हमारे घर मेहमान आते हैं।
दीपावली पर हम शुभ-लाभ बनाते हैं।
दीपावली पर हम बाजार जाते हैं।
दीपावली को प्रकाश पर्व भी कहा जाता है।
दीपावली पर हम खूब मस्ती करते हैं।
दीपावली पर हम नए कपड़े पहनते हैं।

नाम: आर्या
कक्षा: 04
स्थान: प्रथम

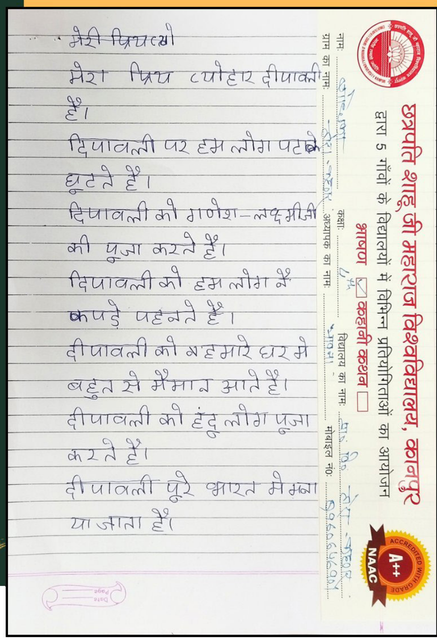
मेरी प्रिय दीपावली
मेरा प्रिय त्योहार दीपावली है।
दिपावली पर हम लोग पटाखे छुटते हैं।
दिपावली को गणेश-लक्ष्मी की पुजा करते हैं।
दिपावली को हम लोग नें कपड़े पहनते हैं।
दीपावली को हमारे घर मे बहुत से मैमान आते हैं।
दीपावली को हंदु लोग पुजा करते हैं।
दीपावली पूरे भारत मे मना या जाता हैं।

नाम: राधिका
कक्षा: 04
स्थान: द्वितीय

प्राथमिक विद्यालय
ग्राम- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्यानपुर

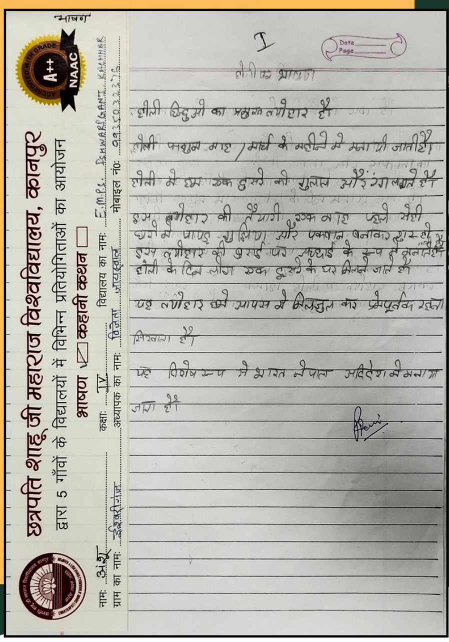
I
होली हिन्दुओं का महत्वपूर्ण त्योहार है।
होली फागुन माह / मार्च के महीने में मनायी जाती है।
होली में हम एक दूसरे को गुलाल और रंग लगाते हैं।
यह त्योहार बुराई पर अच्छाई के रूप में मनाते हैं।
यह त्योहार हमें आपस में मिलजुल कर प्रेमपूर्वक रहना सिखाता है।
यह विशेष रूप से भारत नेपाल आदि देशों में मनाया जाता है।

नाम: अंशु
कक्षा: 04
स्थान: प्रथम

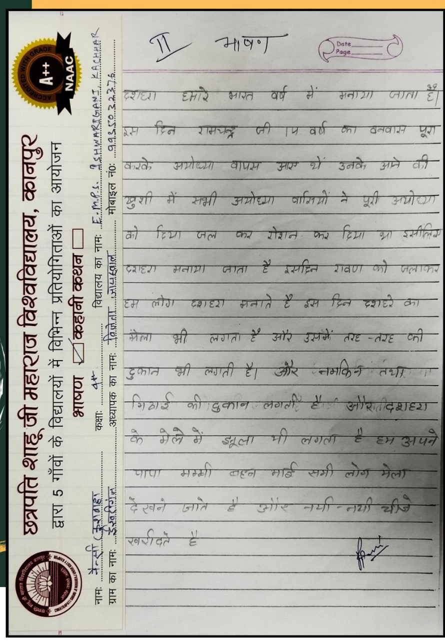
II भाषण
दशहरा हमारे भारत वर्ष में मनाया जाता है।
इस दिन रामचन्द्र जी 14 वर्ष का वनवास पूरा करके अयोध्या वापस आए थे।
खुशी में सभी अयोध्या वासियों ने पूरी अयोध्या को दिया जला कर रोशन कर दिया था इसलिए दशहरा मनाया जाता है।
हम लोग दशहरा मनाते हैं इस दिन दशहरे का मेला भी लगता है और उसमें तरह-तरह की दुकान भी लगती हैं। और नमकीन तथा मिठाई की दुकान लगती हैं और दशहरा के मेले में झूला भी लगता है हम अपने पापा मम्मी बहन भाई सभी लोग मेला देखने जाते हैं और नयी-नयी चीजें खरीदते हैं।

नाम: नैन्सी कुशवाहा
कक्षा: 04
स्थान: द्वितीय

प्राथमिक विद्यालय
ग्राम- सुनौढ़ा, विकास खण्ड चौबेपुर

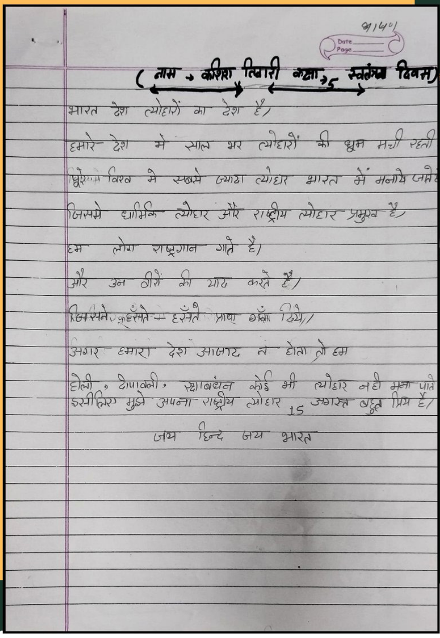

(नाम - कशिश तिवारी कक्षा 5 स्वतंत्रता दिवस)

भारत देश त्योहारों का देश है।
हमारे देश मे साल भर त्योहारों की धूम मची रहती
पूरे विश्व मे सबसे ज्यादा त्योहार भारत में मनाये जाते
जिसमे धार्मिक त्योहार और राष्ट्रीय त्योहार प्रमुख है।
हम लोग राष्ट्रगान गाते है।
और उन वीरों की याद करते है।
जिसने हँसते हँसते प्राण गँवा दिये।
अगर हमारा देश आजाद न होता तो हम
होली, दीपावली, रक्षाबंधन कोई भी त्योहार नही मना पाते
इसीलिए मुझे अपना राष्ट्रीय त्योहार 15 अगस्त बहुत प्रिय है।
जय हिन्द जय भारत

नाम: कशिश
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

नाम: इशरा
कक्षा: 05
स्थान: द्वितीय

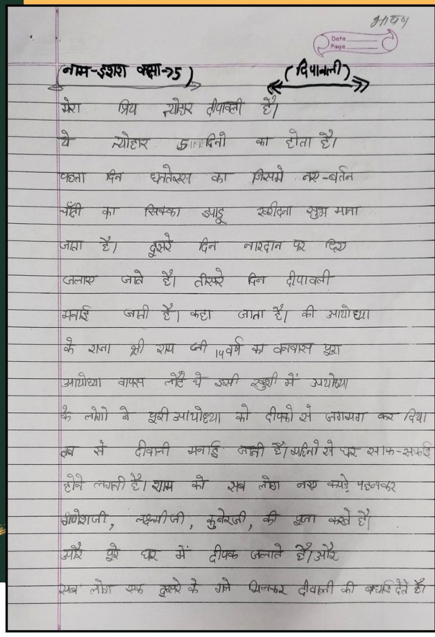

(नाम-इशरा कक्षा-5) (दिपावली)

मेरा प्रिय त्योहार दीपावली है।
ये त्योहार पाँच दिनो का होता है।
पहला दिन धनतेरस का जिसमे नए-बर्तन
चाँदी का सिक्का झाड़ू खरीदना शुभ माना
जाता है। दूसरे दिन नारदान पर दिए
जलाए जाते हैं। तीसरे दिन दीपावली
मनाई जाती है। कहा जाता है। की आयोध्या
के राजा श्री राम जी 14 वर्ष का वनवास पूरा
आयोध्या वापस लौटे थे इसी खुशी में अयोध्या
के लोगो ने पूरी आयोध्या को दीपको से जगमग कर दिया
तब से दीवाली मनाई जाती है। महिनो से घर साफ-सफाई
होने लगती है। शाम को सब लोग नए कपड़े पहनकर
गणेशजी, लक्ष्मीजी, कुबेरजी, की पूजा करते हैं
और पूरे घर में दीपक जलाते हैं और
सब लोग एक दूसरे के गले मिलकर दीवाली की बधाई देते हैं

भाषण प्रतियोगिता
प्रथम चरण

दिनांक: 6 अगस्त 2024
उच्च प्राथमिक विद्यालय
कक्षा समूह-02
(कक्षा 06 से 08 तक)
विषय : वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

कंपोजिट विद्यालय, टिक्कनपुरवा
ग्राम- बरहट बांगर, विकास खण्ड कल्यानपुर

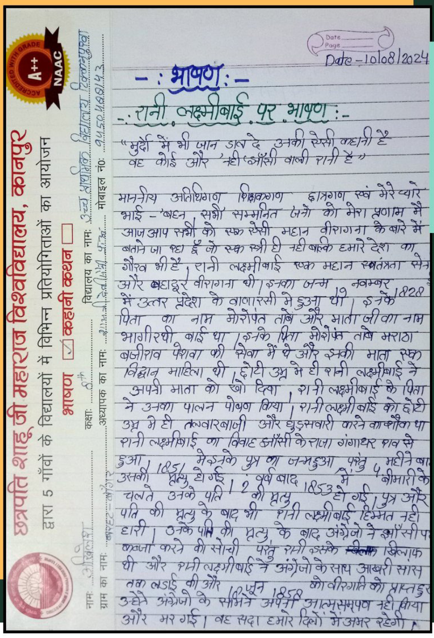

Date-10/08/2024

-: भाषण :-

-: रानी लक्ष्मीबाई पर भाषण :-

"मुर्दों में भी जान डाल दे उनकी ऐसी कहानी है
वह कोई और नही झाँसी वाली रानी है"

माननीय अतिथिगण शिक्षकगण छात्रगण एवं मेरे प्यारे भाई-बहन, सभी सम्मानित जनों को मेरा प्रणाम मैं आज आप सभी को एक ऐसी महान वीरागना के बारे में बताने जा रहा हूँ जो एक स्त्री ही नहीं बल्कि हमारे देश का गौरव भी है, रानी लक्ष्मीबाई एक महान स्वतंत्रता सेनानी और बहादुर वीरागना थी। इनका जन्म 19 नवम्बर 1828 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी मे हुआ था। इनके पिता का नाम मोरोपंत तांबे और माता जी का नाम भागीरथी बाई था। इनके पिता मोरोपंत तांबे मराठा बाजीराव पेशवा की सेवा में थे और इनकी माता एक विद्वान महिला थी, छोटी उम्र मे ही रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी माता को खो दिया, रानी लक्ष्मीबाई के पिता ने उनका पालन पोषण किया, रानी लक्ष्मीबाई को छोटी उम्र मे ही तलवारबाजी और घुड़सवारी करने का शौक था रानी लक्ष्मीबाई का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव से हुआ। 1851 मे इनके पुत्र का जन्म हुआ परंतु 4 महीने बाद उसकी मृत्यु हो गई। 2 वर्ष बाद 1853 में बीमारी के चलते उनके पति की मृत्यु हो गई। पुत्र और पति की मृत्यु के बाद भी रानी लक्ष्मीबाई हिम्मत नही हारी। उनके पति की मृत्यु के बाद अंग्रेजो ने झाँसी पर कब्जा करने की सोची परंतु रानी इसके खिलाफ थी और रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजो के साथ आखरी सांस तक लड़ाई की और 18 जून 1858 को वीरगति को प्राप्त हुई उन्होने अंग्रेजो के सामने अपना आत्मसमर्पण नही किया और मर गई। वह सदा हमारे दिलों में अमर रहेगी।

नाम: अखिलेश
कक्षा: 08
स्थान: प्रथम

नाम: देवांश
कक्षा: 07
स्थान: द्वितीय

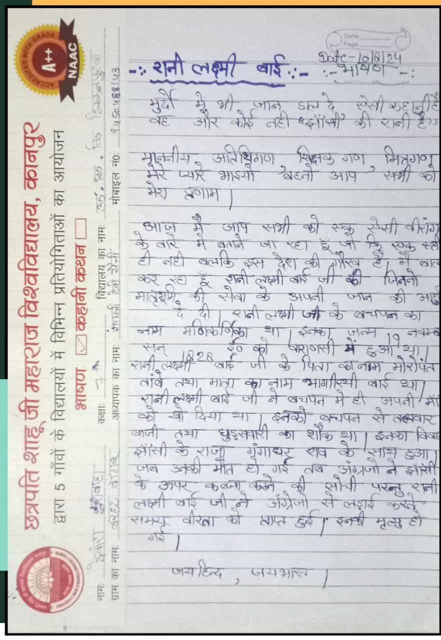

Date-10/8/24

-: रानी लक्ष्मी बाई :- -: भाषण :-

"मुर्दों में भी जान डाल दे ऐसी कहानी है
वह और कोई नही "झाँसी" की रानी है"

माननीय अतिथिगण, शिक्षक गण, मित्रगण, मेरे प्यारे भाइयों बहनों आप सभी को मेरा प्रणाम।

आज मैं आप सभी को एक ऐसी वीरांगना के बारे मे बताने जा रहा हूँ जो कि एक स्त्री ही नही बलकि इस देश की गौरव है, मैं बात कर रहा हूँ रानी लक्ष्मी बाई जी की जिनने मातृभूमि की सेवा के अपनी जान की आहुति दे दी। रानी लक्ष्मी जी के बचपन का नाम मणिकर्णिका था। इनका जन्म 19 नवम्बर सन् 1828 ई० को बाराणसी में हुआ था। रानी लक्ष्मी बाई जी के पिता का नाम मोरोपंत तांबे तथा माता का नाम भागीरथी बाई था। रानी लक्ष्मी बाई जी ने बचपन मे ही अपनी माँ को खो दिया था। इनको बचपन से तलवार बाजी तथा घुड़सवारी का शौक था। इनका विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ। जब उनकी मौत हो गई तब अंग्रजो ने झाँसी के उपर कब्जा करने की सोची परन्तु रानी लक्ष्मी बाई जी ने अंग्रेजो से लड़ाई करते समय वीरता को प्राप्त हुई। इनकी मृत्यु हो गई।

जयहिन्द, जयभारत।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय
ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर

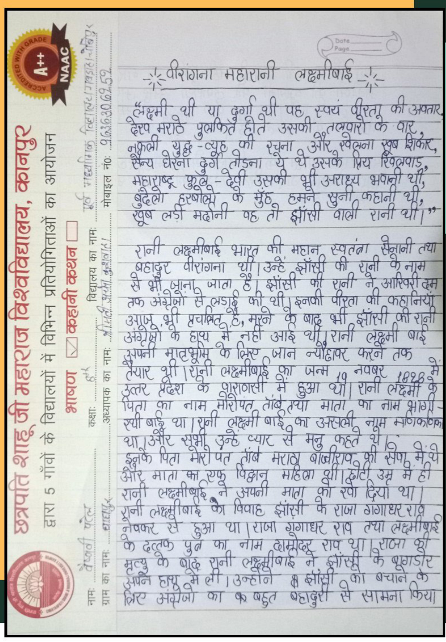

-:- वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई -:-

"लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार,
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार,
नकली युद्ध-व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार,
सैन्य घेरना दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खिलवाड़,
महाराष्ट्र कुल-देवी उसकी भी आराध्य भवानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।"

रानी लक्ष्मीबाई भारत की महान स्वतंत्र सेनानी तथा बहादुर वीरांगना थी। उन्हें झाँसी की रानी के नाम से भी जाना जाता है। झाँसी की रानी ने आखिरी दम तक अंग्रेजो से लड़ाई की थी। इनकी वीरता की कहानियां आज भी प्रचलित है, मरने के बाद भी झाँसी की रानी अंग्रेजो के हाथ मे नहीं आई थी। रानी लक्ष्मी बाई अपनी मातृभूमि के लिए जान न्यौछावर करने तक तैयार थी। रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवबर 1828 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुआ था। रानी लक्ष्मी के पिता का नाम मोरोपंत तांबे तथा माता का नाम भागीरथी बाई था। रानी लक्ष्मी बाई का असली नाम मणिकर्णिका था। और सभी उन्हे प्यार से मनु कहते थे। इनके पिता मोरोपंत तांबे मराठा बाजीराव की सेवा में थे और माता का एक विद्वान महिला थी। छोटी उम्र में ही रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी माता को खो दिया था। रानी लक्ष्मीबाई का विवाह झांसी के राजा गंगाधर राव नेवकर से हुआ था। राजा गंगाधर राव तथा लक्ष्मीबाई के दत्तक पुत्र का नाम दामोदर राव था। राजा की मृत्यु के बाद रानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी के बागडोर अपने हाथ में ली। उन्होंने झाँसी को बचाने के लिए अंग्रेजो का बहुत बहादुरी से सामना किया

नाम: वैष्णवी
(पृष्ठ 1)
कक्षा: 08
स्थान: प्रथम

नाम: वैष्णवी
(पृष्ठ 2)

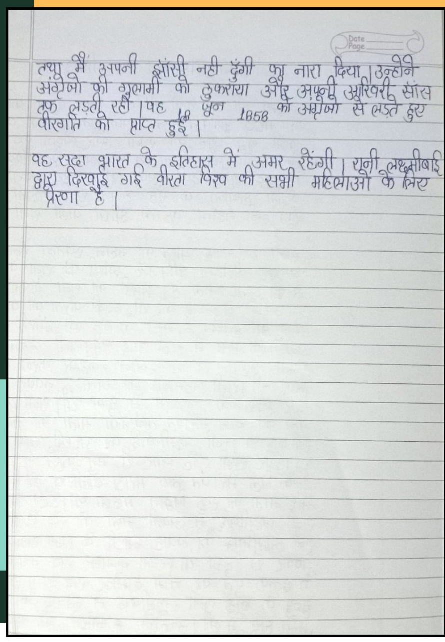

तथा मैं अपनी झाँसी नही दूँगी का नारा दिया। उन्होंने अंग्रेजो की गुलामी को ठुकराया और अपनी आखिरी सांस तक लड़ती रही। वह 18 जून 1858 को अंग्रेजो से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुई।

वह सदा भारत के इतिहास में अमर रहेंगी। रानी लक्ष्मीबाई द्वारा दिखाई गई वीरता विश्व की सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

पूर्व माध्यमिक विद्यालय
ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर

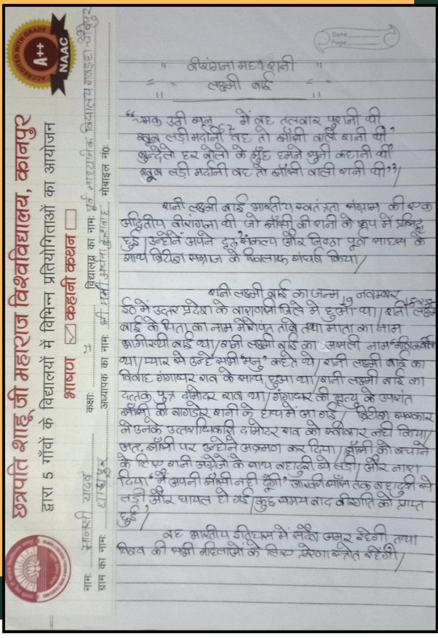

नाम: मानसी
(पृष्ठ 1)
कक्षा: 07
स्थान: द्वितीय

नाम: मानसी
(पृष्ठ 2)

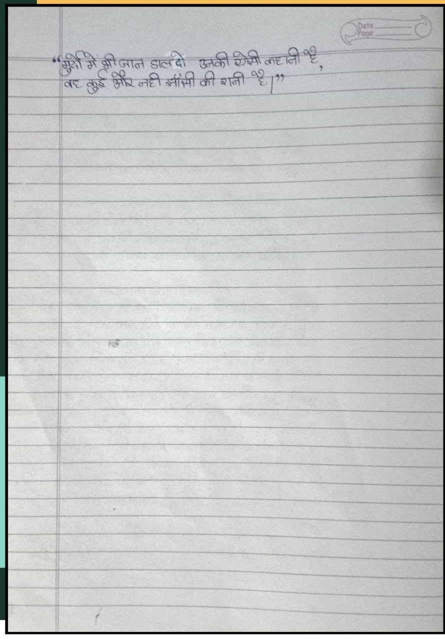

उच्च प्राथमिक विद्यालय
ग्राम- होरा कछार, विकास खण्ड कल्यानपुर

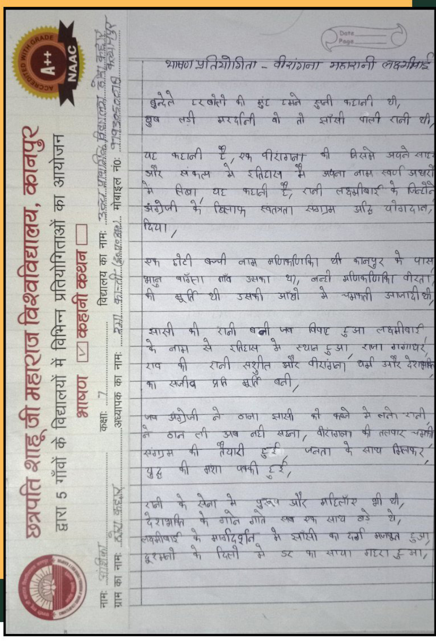

नाम: अंशिका
कक्षा: 07
स्थान: प्रथम

नाम: राहुल
कक्षा: 08
स्थान: द्वितीय

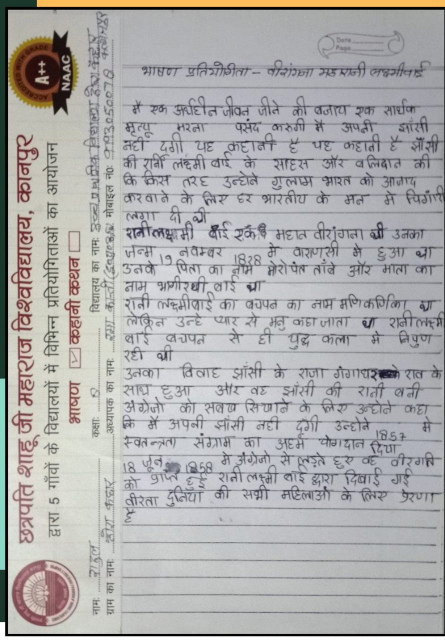

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

पूर्व माध्यमिक विद्यालय
ग्राम- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्याणपुर

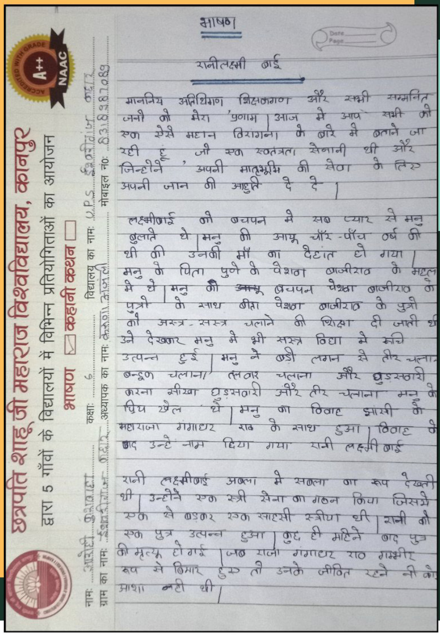
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐

नाम: आरोही कुशवाहा कक्षा: 6 विद्यालय का नाम: U.P.S. ईश्वरीगंज कानपुर
ग्राम का नाम: ईश्वरीगंज कानपुर अध्यापक का नाम: केतकी अंजली मोबाइल नं0: 8318987089

भाषण

रानीलक्ष्मी बाई

माननिय अतिथिगण शिक्षकगण और सभी सम्मनित जनो को मेरा 'प्रणाम। आज मे आपे सभी को एक ऐसे महान विरागना के बारे मे बताने जा रही हूं, जो एक स्वतंत्रता सेनानी थी और जिन्होंने ' अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए अपनी जान की आहुति दे दे।

लक्ष्मीबाई को बचपन मे सब प्यार से मनु बुलाते थे। मनु की आयू चॉर-पाँच वर्ष की थी की उनकी माँ का देहांत हो गया। मनु के पिता पुणे के पेशवा बाजीराव के महल मे थे। मनु की ~~आयू~~ बचपन पेशवा बाजीराव के पुत्रो के साथ बीता पेशवा बाजीराव के पुत्रो को अस्त्र-सस्त्र चलाने की शिक्षा दी जाती थी उने देखकर मनु मे भी सस्त्र विद्या मे रूचि उत्पन्न हुई। मनु ने बडी लगन से तीर चलाना बन्दूक चलाना, तलवार चलाना और घुड़सवारी करना सीखा घुड़सवारी और तीर चलाना मनु के प्रिय खेल थे। मनु का विवाह झांसी के महाराजा गंगाधर राव के साथ हुआ। विवाह के बाद उन्हे नाम दिया गया रानी लक्ष्मी बाई

रानी लक्ष्मीबाई अबला मे सबला का रूप देखती थी। उन्होंने एक स्त्री सेना का गठन किया जिसमे एक से बडकर एक साहसी स्त्रीया थी। रानी को एक पुत्र उत्पन्न हुआ। कुछ ही महिने बाद पुत्र की मृत्यू होगई। जब राजा गंगाधर राव गम्भीर रूप से बिमार हुए तो उनके जीवित रहने की कोई आशा नही थी।

नाम:
आरोही कुशवाहा
(पृष्ठ 1)
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

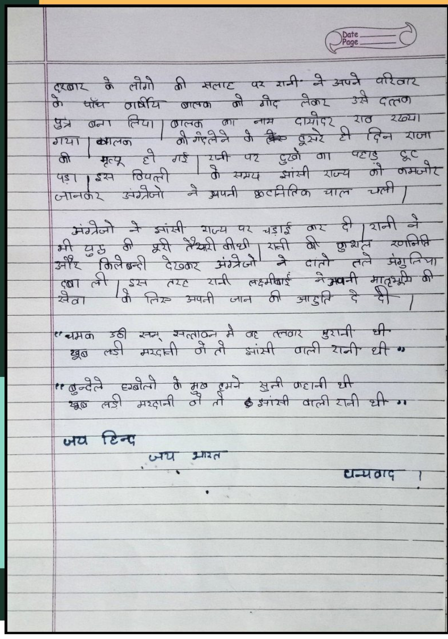
दरबार के लोगो की सलाह पर रानी ने अपने परिवार के पॉच वर्षीय बालक को गोद लेकर उसे दत्तक पुत्र बना लिया। बालक का नाम दामोदर राव रख्या गया। बालक को गोदलेने के ~~...~~ दूसरे ही दिन राजा की मृत्यू हो गई। रानी पर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा। इस विपत्ती के समय झांसी राज्य को कमजोर जानकर अंग्रेजो ने अपनी कूटनीतिक चाल चली।

अंग्रेजो ने झांसी राज्य पर चड़ाई कर दी। रानी ने भी युद्ध की पूरी तैयारी कीथी। रानी की कुशल रणनिति और किलेबन्दी देखकर अंग्रेजो ने दातो तले अंगुलिया दबा ली। इस तरह रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए अपनी जान की आहुति दे दी।

"चमक उठी सन् सत्तावन मे वह तलवार पुरानी थी
खूब लडी मरदानी वो तो झांसी वाली रानी थी"

"बुन्देले हरबोलो के मुख हमने सुनी कहानी थी
खूब लडी मरदानी वो तो झांसी वाली रानी थी"

जय हिन्द
जय भारत
धन्यवाद।

नाम:
आरोही कुशवाहा
(पृष्ठ 2)

पूर्व माध्यमिक विद्यालय
ग्राम- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्याणपुर

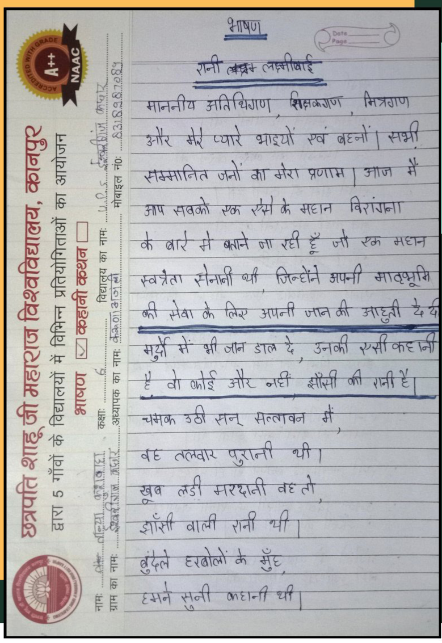
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☑ कहानी कथन ☐

नाम: तान्या कुशवाहा कक्षा: 6 विद्यालय का नाम: U.P.S. ईश्वरीगंज कानपुर
ग्राम का नाम: ईश्वरीगंज कानपुर अध्यापक का नाम: केतकी अंजली मोबाइल नं0: 8318987089

भाषण

रानी ~~...~~ लक्ष्मीबाई

माननीय अतिथिगण, शिक्षकगण, मित्रगण और मेरे प्यारे भाइयों एवं बहनों। सभी सम्मानित जनों का मेरा प्रणाम। आज मैं आप सबको एक ऐसी के महान विरांगना के बारे मे बताने जा रही हूँ जो एक महान स्वत्रंता सेनानी थी, जिन्होंने अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए अपनी जान की आहुती दे दी

मुर्दों में भी जान डाल दे, उनकी ऐसी कहानी है वो कोई और नहीं झाँसी की रानी है।

चमक उठी सन् सत्तावन में,
वह तलवार पुरानी थी।
खूब लडी मरदानी वह तो,
झाँसी वाली रानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह,
हमने सुनी कहानी थी।

नाम:
तान्या कुशवाहा
(पृष्ठ 1)
कक्षा: 06
स्थान: द्वितीय

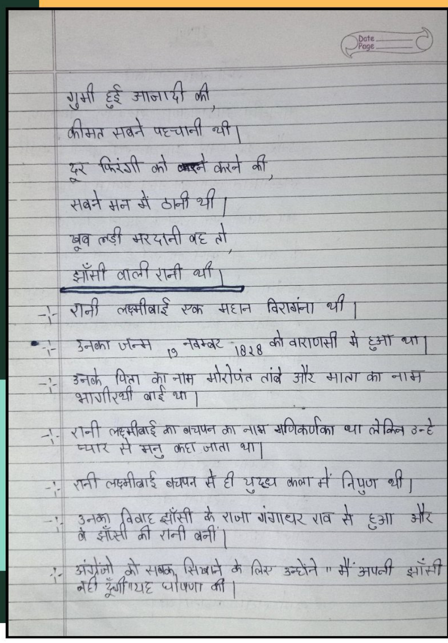
गुमी हुई आजादी की,
कीमत सबने पहचानी थी।
दूर फिरंगी को ~~करने~~ करने की,
सबने मन में ठानी थी।
खूब लड़ी मरदानी वह तो,
झाँसी वाली रानी थी।

- रानी लक्ष्मीबाई एक महान विराबंना थी।
- उनका जन्म 19 नवम्बर 1828 को वाराणसी मे हुआ था।
- उनके पिता का नाम मोरोपंत तांबे और माता का नाम भागीरथी बाई था।
- रानी लक्ष्मीबाई का बचपन का नाम मणिकर्णिका था लेकिन उन्हे प्यार से मनु कहा जाता था।
- रानी लक्ष्मीबाई बचपन से ही युद्ध कला में निपुण थी।
- उनका विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव से हुआ और वे झाँसी की रानी बनीं।
- अंग्रेजो को सबक सिखाने के लिए उन्होंने "मैं अपनी झाँसी नही दूँगी" यह घोषणा की।

नाम:
तान्या कुशवाहा
(पृष्ठ 2)

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता-2025

पूर्व माध्यमिक विद्यालय
ग्राम- सुनौढ़ा, विकास खण्ड चौबेपुर

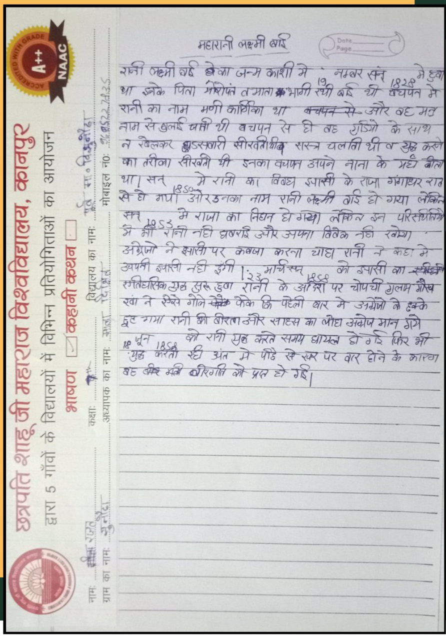

नाम: रजत
कक्षा: 07
स्थान: प्रथम

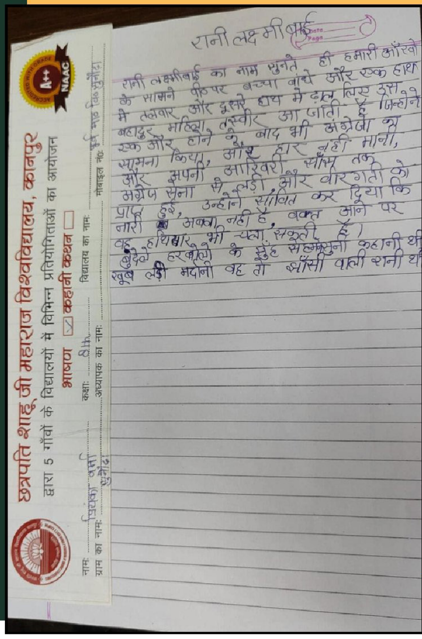

नाम: प्रियंका वर्मा
कक्षा: 08
स्थान: द्वितीय

विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा चयनित पांच ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता सम्पादित करने में स्कूल ऑफ टीचर्स एजुकेशन के शिक्षक डॉ. कल्पना अग्निहोत्री, डॉ. कुंवर कुलदीप चौहान, श्री शिवचरण पटेल, श्रीमती प्रिया तिवारी, श्रीमती अनुपमा यादव, विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मानस उपाध्याय, डॉ. पंकज द्विवेदी, डॉ. स्नेह पांडे, डॉ. पुष्पा ममोरिया एवं डा. प्रवीन कटियार तथा ग्राम- ईश्वरीगंज के प्रधान श्री संतोष कुमार, ग्राम- सुनौढ़ा की प्रधान श्रीमती श्याम रानी, ग्राम- गबड़हा के प्रधान श्री घसीटे लाल, ग्राम- होरा कछार के प्रधान श्री राम नारायन राजपूत एवं ग्राम- बरहट बांगर की प्रधान श्रीमती सुनीता पाल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा एवं विद्यालयों में प्रतियोगिता का समन्वय कुलानुशासक डा. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया।

अध्याय - 6

शैक्षणिक गतिविधिया एवं अन्य जागरूकता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा चयनित ग्राम में शैक्षणिक गतिविधियों एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का विधिवत एवं सुनियोजित ढंग से आयोजन किया गया। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य ग्राम समुदाय के समग्र विकास को सुनिश्चित करना, शिक्षा के स्तर को उन्नत बनाना तथा सामाजिक, स्वास्थ्य, तकनीकी एवं आर्थिक क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाना रहा। विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में संचालित इन कार्यक्रमों ने ग्रामवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत ग्राम के बच्चों एवं युवाओं के लिए नियमित अध्ययन कक्षाओं, विशेष शिक्षण सत्रों तथा मार्गदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का उपयोग किया गया, जिसमें स्मार्ट क्लास, डिजिटल कंटेंट, प्रोजेक्टर आधारित शिक्षण तथा ई-लर्निंग संसाधनों का समावेश रहा। इससे विद्यार्थियों की सीखने की रुचि में वृद्धि हुई तथा जटिल विषयों को समझना उनके लिए सरल हुआ। साथ ही, कमजोर छात्रों के लिए विशेष रिमेडियल कक्षाएं संचालित की गईं, जिससे उनकी शैक्षणिक प्रगति सुनिश्चित हो सके।

युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कैरियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इन सत्रों में विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी, रोजगार के अवसरों, कौशल विकास तथा आत्मविश्वास निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों एवं शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य निर्धारण एवं उसे प्राप्त करने की दिशा में उचित मार्गदर्शन दिया गया, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हुई।

जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को विशेष प्राथमिकता दी गई। ग्रामवासियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण, संतुलित आहार, टीकाकरण एवं सामान्य बीमारियों की रोकथाम के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त, कोविड-19 जैसे संक्रामक रोगों के प्रति भी जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान चलाए गए।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय द्वारा प्रभावी प्रयास किए गए। महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वावलंबन एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं संचालन के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रेरित किया गया। साथ ही, सिलाई, कढ़ाई, हस्तशिल्प एवं अन्य कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए।

डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु ग्राम में कंप्यूटर शिक्षा एवं डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ग्रामवासियों को इंटरनेट के उपयोग, ऑनलाइन सेवाओं, डिजिटल भुगतान प्रणाली एवं साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। इससे ग्रामवासी आधुनिक तकनीक से जुड़ सके तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त करने में सक्षम हुए।

इसके अतिरिक्त, आंगनबाड़ी, विद्यालय एवं अन्य स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से बाल विकास एवं पोषण से संबंधित गतिविधियां भी संचालित की गईं। बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर करने, प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने तथा माताओं को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान एवं जल संरक्षण संबंधी गतिविधियां भी संचालित की गईं।

इन सभी कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप ग्राम में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन देखने को मिला। शिक्षा के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं प्रदर्शन में सुधार आया, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के स्तर में उल्लेखनीय प्रगति हुई तथा महिलाएं अधिक आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनीं। डिजिटल साक्षरता के प्रसार से ग्रामवासियों का आत्मविश्वास बढ़ा और वे आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम हुए।

अंततः, विश्वविद्यालय द्वारा चयनित ग्राम में आयोजित ये शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रम ग्राम विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुए। इस प्रकार के सतत प्रयास न केवल ग्राम के वर्तमान को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करते हैं। विश्वविद्यालय की यह पहल समाज के प्रति उसकी उत्तरदायित्व भावना एवं समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

आजादी का अमृत महोत्सव
12-15 अगस्त 2022

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गाँवों में कार्यक्रम 12 से 15 अगस्त 2022

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 05 द्वारा तीन गाँवों गबड़ाहा, ईश्वरीगंज एवं बगदौदी में कार्यक्रम किये गये। V

गबड़ाहा

13 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवकों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन वृत्त से अवगत कराया एवं प्रभात फेरी निकाली गयी

14 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियरस एवं कार्यक्रम अधिकारी द्वारा 75 पौधौं का रोपण एवं ग्राम सभा का आयोजन किया गया।

13 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवकों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन वृत्त से अवगत कराया एवं प्रभात फेरी निकाली गयी

14 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियरस एवं कार्यक्रम अधिकारी द्वारा

15 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियरस एवं कार्यक्रम अधिकारी द्वारा झंडा रोहण कार्यक्रम

बगदौदी

12 अगस्त 2022 को ग्रामीणों को तिरंगा झंडों का वितरण।

13 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवकों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन वृत्त से अवगत कराया एवं प्रभात फेरी निकाली गय

14 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियरस एवं कार्यक्रम अधिकारी द्वारा 75 पौधों का रोपण

15 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियरस एवं कार्यक्रम अधिकारी द्वारा झंडा रोहण कार्यक्रम

आई/एनीमिया/कैंसर स्क्रीनिंग

14 फरवरी 2023

दिनांक 14 फरवरी 2023 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी के मार्गदर्शन में आरके देवी आई रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से 75 गांव/मलिन बस्तियों में निशुल्क नेत्र रोग स्क्रीनिंग/उपचार/एनीमिया स्क्रीनिंग एवं कैंसर स्क्रीनिंग परियोजना के अंतर्गत प्राइमरी स्कूल, फत्तेपुर, ग्राम पंचायत सुनौढ़ा, चैबेपुर में एक निशुल्क जांच शिविर लगाया गया।

इस शिविर में ग्राम वासियों की निशुल्क नेत्र रोगों की जांच आरके देवी आई रिसर्च इंस्टीटयूट के सहयोग से, एनीमिया स्क्रीनिंग पालीवाल डायग्नोस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, एवं कैंसर स्क्रीनिंग जे0के0 कैंसर इंस्टीटयूट कानपुर के विशेषज्ञों द्वारा की गई। बड़ी संख्या में ग्राम वासी इस शिविर में आए और निशुल्क जांच एवं परामर्श का लाभ लिया।

113 नागरिकों की नेत्रों का परीक्षण, उनके हिमोग्लोबिन एवं शुगर की जांच तथा कैंसर से संबंधित स्क्रीनिंग की गई। जे0के0 कैंसर इंस्टीटयूट के विशेषज्ञों ने ग्राम वासियों के कैंसर के कारणों एवं लक्षणों से भी अवगत कराया तथा उन्हें इससे संबंधित पंपलेट भी बांटे।

मोतियाबिंदु के 08 मरीज मिले जिनको कि निशुल्क ऑपरेशन के लिए सुशीला देवी नेत्र चिकित्सालय, लव कुश आश्रम, बिठूर ले जाया गया।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो0 नीरज सिंह ने शिविर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण

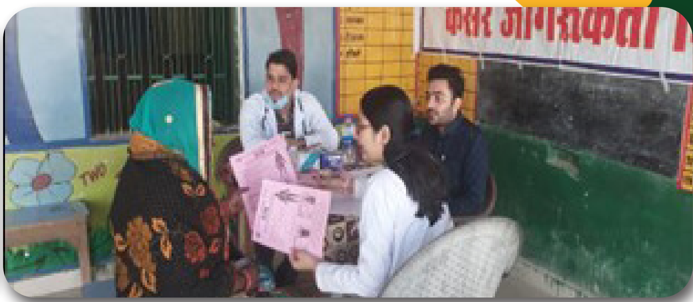

स्वच्छता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा कंपोजिट विद्यालय मंधना-II एवं प्राथमिक विद्यालय मसवानपुर बालक में स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनल स्थापित कराए गए

आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़े छात्र-छात्राओं के सामूहिक छायाचित्र

ग्राम वासियों हेतु स्वास्थ्य और स्वच्छता शिविर

प्रो० विनय कुमार पाठक
कुलपति

प्रो० सुधीर कुमार अवस्थी
प्रति कुलपति

श्री अशोक कुमार त्रिपाठी
वित्त अधिकारी

श्री राकेश कुमार मिश्र
कुलसचिव

डा. प्रवीन कटियार
सह निदेशक, आई.क्यू.ए.सी.

डॉ. श्याम मिश्रा
समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

www.csjmu.ac.in | www.facebook.com/csjmuofficial | x.com/csjmuofficial

आरोह तमसो ज्योतिः